@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 16 नवंम्बर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 20 अंक 8 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सभी देशवासियों को दीं छठ महापर्व की शुभकामनाएं

मेरी मंगलकामना है कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख-शांति की वृद्धि करे तथा देश में प्रेम और सद्भाव को बढ़ावा दे - राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

एजेंसी

नई दिल्ली। लोक आस्था के महापर्व छठ के पावन अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सभी देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'लोक आस्था के महापर्व छठ के पावन अवसर पर मैं देश-विदेश में रह रहे सभी भारतीयों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। यह पर्व सूर्य देव एवं छठी मैया के प्रति श्रद्धा और अटूट आस्था का प्रतीक है। चार दिनों तक चलने वाला यह पावन त्योहार तप, संयम और निष्ठा के माध्यम से हमारी सांस्कृतिक परंपराओं की महत्ता को दर्शाता है।' राष्ट्रपति ने आगे लिखा, 'इस पर्व पर श्रद्धालु सूर्य देवता को अर्घ्य अर्पित कर सुख, समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना करते हैं। यह त्योहार हमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने तथा पर्यावरण के संरक्षण के लिए प्रेरित करता है।



मेरी मंगलकामना है कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख-शांति की वृद्धि करे तथा देश में प्रेम और सद्भाव को बढ़ावा दे। आइए, इस अवसर पर हम नदियों और अन्य जलस्रोतों को संरक्षित करने के प्रति अपनी जिम्मेदारी को दृढ़तापूर्वक निभाने का संकल्प लें। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, 'छठ महापर्व पर संध्या अर्घ्य के पावन अवसर पर सभी व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को हार्दिक शुभकामनाएं। छठ हमारी संस्कृति की अनूठी परंपरा है, जहां उगते हुए सूर्य के साथ-साथ अस्ताचलगामी सूर्य को भी अर्घ्य देकर सम्मान दिया जाता है। भगवान भास्कर और छठी मइया सभी के जीवन में सुख और आरोग्य बनाए रखें।' महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'ऊर्जा और आस्था के महापर्व 'छठ पूजा' के पावन अवसर पर छठ व्रत रखने वाले सभी माताओं, बहनों और भाइयों को को हार्दिक शुभकामनाएं।'

केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने लिखा, 'प्रकृति के प्रति अथाह समर्पण, सामाजिक समरसता, सूर्योपासना एवं लोक आस्था के महापर्व 'छठ पूजा' की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। भगवान सूर्य देव व छठी मैया सभी के जीवन में सौभाग्यता एवं सुख-समृद्धि लेकर आएं।'



मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

पाती के माध्यम से आपसे संवाद करते हुए 50 सप्ताह कब पूर्ण हो गए, पता ही नहीं चला। ***कभी-कभी आपके मन में यह जिज्ञासा उठती होगी कि मुख्यमंत्री पाती क्यों लिखते हैं?*** *इसका उत्तर एक प्रसंग में छिपा है।*

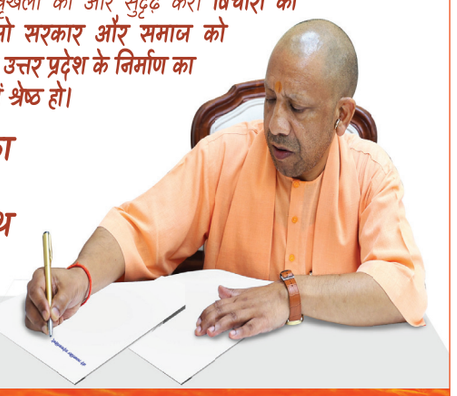
पहली बार वनटांगिया गांव जाने का मुझे आज भी स्मरण है। कोल, गोंड, मुसहर, थारू और बुक्सा जैसे वंचित समाज के लोगों का दयनीय जीवन तथा वर्षों से मूलभूत सुविधाओं से विमुख रहने की उनकी स्थिति देखकर मैं अत्यंत व्यथित हुआ। मुझे लगा कि ***शासन का वास्तविक दायित्व केवल योजनाएं बनाना और उपलब्धियां गिनाना नहीं, बल्कि समाज के उस अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना है, जिसकी अपेक्षाएं और पीड़ा कई बार व्यवस्था तक नहीं पहुंच पातीं।*** *उस प्रसंग ने मेरे मन में यह भाव और दृढ़ किया कि शासन और जनता के बीच निरंतर संवाद तथा संवेदनशील जुड़ाव होना चाहिए। पाती की प्रेरणा भी इसी भाव में निहित है।*

मेरी सहज भावना यही थी कि मुख्यमंत्री और प्रदेश की 25 करोड़ जनता के बीच संबंध केवल औपचारिक सूचनाओं तक सीमित न रहें। ***उत्तर प्रदेश मात्र एक प्रशासनिक इकाई नहीं, बल्कि एक परिवार है। और, परिवार में आदेश नहीं, अपनत्व के साथ संवाद होता है।*** *मेरा प्रयास ऐसे विषयों पर आपसे संवाद करने का रहा है, जो सीधे आपके जीवन, आपकी आकांक्षाओं और नए उत्तर प्रदेश के भविष्य से जुड़े हों। पाती के माध्यम से सुख-दुःख की साझेदारी, परस्पर विश्वास और सहभागिता को सुदृढ़ करना ही मेरी भावना रही है।*

गत एक वर्ष में लिखे गए ये पत्र मेरे लिए केवल विचारों की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि प्रदेश की जनभावनाओं को समझने, उन्हें स्वर देने और उनके अनुरूप एक व्यापक दृष्टि साझा करने का माध्यम भी बने हैं। *मुझे यह जानकर विशेष प्रसन्नता होती है कि इस संवाद की गूंज प्रदेश की सीमाओं को पार कर देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंची है।*

इस यात्रा में आपका स्नेह और विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी रहे हैं। ***मैं चाहता हूं कि पाती केवल मेरे विचारों की अभिव्यक्ति बनकर न रह जाए, बल्कि इसमें आपके मन की बात, आपकी अपेक्षाएं और आपके सुझाव भी समान रूप से स्थान पाएं। आपकी आवाज ही पाती की वास्तविक शक्ति है।*** *आपकी सहभागिता ही इसे और अधिक सार्थक तथा जनभावनाओं के अनुरूप बनाने का आधार बनेगी।*

आइए, आत्मीय सुख-दुःख की इस संवाद-श्रृंखला को और सुदृढ़ करें। ***विचारों की यह साझेदारी विश्वास का ऐसा सेतु बने, जो सरकार और समाज को एक-दूसरे के निकट लाए। हम सब मिलकर ऐसे उत्तर प्रदेश के निर्माण का संकल्प लें, जो समृद्धि में अग्रणी और संस्कारों में श्रेष्ठ हो।***



आपका
योगी आदित्यनाथ

संकल्प · संवाद · संवेदना

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

नेहरू की विरासत मिटाने की भाजपा-आरएसएस की कोशिशें सफल नहीं होंगी, रमेश बोले- ये सुनियोजित रणनीति

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने भाजपा-आरएसएस पर भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की विरासत को बदनाम करने का आरोप लगाया है। उन्होंने इसे एक सुनियोजित रणनीति बताया। रमेश ने जोर देकर कहा कि यह प्रयास सफल नहीं होगा। उन्होंने कहा कि नेहरू का विचार भारत के विचार का हिस्सा है। रमेश ने शनिवार को नेहरू मेमोरियल यूथ फेस्टिवल 2026 के समापन सत्र को संबोधित किया। उन्होंने नेहरू को एक महान प्रधानमंत्री और संवेदनशील, सभ्य इंसान बताया। रमेश ने आरोप लगाया कि नेहरू के ऐतिहासिक योगदानों को मिटाने के लिए दुर्भावनापूर्ण प्रचार फैलाया जा रहा है। उन्होंने लोगों से तर्क और तथ्यों से इसका मुकाबला करने का आग्रह किया। रमेश ने नेहरू आर्काइव का जिक्र करते हुए ऐतिहासिक दस्तावेज के अध्ययन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने अपनी मृत्यु से 19 दिन पहले नेहरू को हिंद के जवाहर बने रहो कहा था। रमेश के अनुसार, नेहरू 50 वर्षों तक हिंद के जवाहर बने रहे। आधार बनना नेहरू के बिना संभव नहीं था।



कांग्रेस महासचिव ने विश्वास व्यक्त किया कि नेहरू के बिना संविधान सभा और संविधान संभव नहीं था। बी आर आंबेडकर ने भी इस बात को स्वीकार किया था। रमेश ने नेहरू के कई योगदानों को सूचीबद्ध किया। उन्होंने कहा कि हमारी आर्थिक नीति की नींव और गुटनिरपेक्षता का हमारी विदेश नीति का रमेश ने आरोप लगाया कि पिछले 12 वर्षों से इन सभी योगदानों को कम आंका जा रहा है। नेहरू की विरासत को बदनाम करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें भावनाओं से नहीं, बल्कि ज्ञान और तथ्यों से इसका मुकाबला करना चाहिए। रमेश ने कहा कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से भाजपा-आरएसएस की यह सुनियोजित रणनीति रही है। संसद के अंदर और बाहर दोनों जगह नेहरू की विरासत को बदनाम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह सफल नहीं हो सकता, क्योंकि आइडिया ऑफ इंडिया नामक एक प्रसिद्ध पुस्तक है। नेहरू का विचार आइडिया ऑफ इंडिया में शामिल है। रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में अब इतिहासकारों से ज्यादा डिस्टोरियन हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री सबसे बड़े डिस्टोरियन हैं और उनसे मुकाबला करने का एकमात्र तरीका ज्ञान है। कांग्रेस नेताओं ने शनिवार को नेहरू की 137वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। राहुल गांधी ने नेहरू को जवाहर बताया। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उन्हें आधुनिक भारत का प्रमुख वास्तुकार कहा। नेहरू का जन्म 14 नवंबर, 1889 को इलाहाबाद में हुआ था। वह स्वतंत्रता के बाद भारत के पहले प्रधानमंत्री बने। उनका निधन 27 मई, 1964 को 74 वर्ष की आयु में नई दिल्ली में हुआ।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर हरियाणा की 20 जेलों की निगरानी के लिए जिला स्तर पर बोर्ड ऑफ विजिटर्स गठित

जेलों में जातिगत भेदभाव की समस्या को उजागर करने वाली पत्रकार सुकन्या शांता की एक रिपोर्ट से यह मामला राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आया।

एजेंसी

चंडीगढ़। देश की जेलों में बंद कैदियों के मानवाधिकारों की रक्षा, जातिगत भेदभाव की समाप्ति और जेल प्रशासन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के अनुपालन में हरियाणा सरकार ने प्रदेश की सभी 20 जेलों के लिए जिला स्तर पर 'बोर्ड ऑफ विजिटर्स' का गठन किया है। इस व्यवस्था में हरियाणा मानवाधिकार आयोग (एचएचआरसी) की भी महत्वपूर्ण भागीदारी सुनिश्चित की गई है। आयोग के चेयरपर्सन द्वारा नामित प्रतिनिधि के रूप में डॉ. पुनीत अरोड़ा, असिस्टेंट रजिस्ट्रार, हरियाणा मानवाधिकार आयोग को बोर्ड का आधिकारिक सदस्य नामित किया गया है। आयोग के रजिस्ट्रार कार्यालय ने 5 नवंबर को हरियाणा सरकार के जेल विभाग को इसकी आधिकारिक सूचना भेजी है। हरियाणा सरकार के जेल विभाग द्वारा 30 अक्टूबर 2026 को जारी राजपत्र अधिसूचना के अनुसार प्रत्येक जिले में गठित बोर्ड की अध्यक्षता संबंधित जिले के प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट जज करेंगे। बोर्ड में जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला रोजगार अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला औद्योगिक अधिकारी, लोक स्वास्थ्य विभाग एवं लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता, जिला शिक्षा अधिकारी तथा कृषि एवं बागवानी विभाग के अधिकारी सदस्य होंगे। इसके अतिरिक्त हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष द्वारा नामित तीन विधायक, जिनमें एक महिला विधायक होंगी तथा हरियाणा मानवाधिकार आयोग के चेयरपर्सन द्वारा नामित प्रतिनिधि भी आधिकारिक सदस्य होंगे। प्रत्येक जिले से दो सामाजिक कार्यकर्ताओं, जिनमें एक महिला होना अनिवार्य है, को गैर-आधिकारिक सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।



रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक लक्ष्य नहीं, रणनीतिक जरूरत भी : राजनाथ सिंह

'किसी भी देश की प्रगति केवल इस बात से तय नहीं होती'

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक लक्ष्य नहीं, बल्कि रणनीतिक जरूरत भी है। यह बात रविवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि भारत ने मिसाइल विकास, नौसैनिक प्लेटफॉर्म, एयरोस्पेस इंजीनियरिंग, रडार प्रणालियों और अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। ये उपलब्धियां देश के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, उत्पादन एजेंसियों और उद्योग जगत की बढ़ती तकनीकी क्षमता को दर्शाती हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गैर-विनाशकारी मूल्यांकन एवं सहायक तकनीकों पर आयोजित 36वें वार्षिक सम्मेलन और एयरोस्पेस क्षेत्र से जुड़ी अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत के रक्षा तंत्र में जैसे-जैसे आधुनिक और जटिल प्रणालियां शामिल हो रही हैं, वैसे-वैसे उनकी गुणवत्ता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करना भी बेहद जरूरी हो गया है। प्रत्येक महत्वपूर्ण सामग्री, कलपुर्जे, संयोजन और निर्माण प्रक्रिया को गुणवत्ता के सर्वोच्च मानकों पर खरा उतरना चाहिए। रक्षा मंत्री ने कहा कि किसी भी देश की प्रगति केवल इस बात से तय नहीं होती कि उसने कौन-सी तकनीक विकसित की है, बल्कि यह भी महत्वपूर्ण है कि उस तकनीक से तैयार प्रणालियां कितनी गुणवत्तापूर्ण, भरोसेमंद और सुरक्षित हैं। रक्षा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में इसका महत्व और बढ़ जाता है, क्योंकि यहां किसी भी तरह की चूक के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि गुणवत्ता केवल निर्माण प्रक्रिया की एक औपचारिक जरूरत नहीं है, बल्कि यह सैन्य अभियानों की विश्वसनीयता और राष्ट्रीय सुरक्षा का अहम आधार है।



ट्रेड डील में भारत को अमेरिकी बाजार में अन्य प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले मिलेगी तरजीही पहुंच: पीयूष गोयल

एजेंसी

काहिरा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि भारत को अमेरिका से यह आश्वासन मिला है कि प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के तहत भारतीय वस्तुओं को प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में अमेरिकी बाजार में तरजीही पहुंच मिलेगी। मिस्र की दो दिवसीय यात्रा के दौरान पत्रकारों से बातचीत में गोयल ने कहा कि इस संबंध में दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व के स्तर पर पहले ही सहमति बन चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को मजबूत करने के लिए व्यापक फ्रेमवर्क पर सहमति जताई थी। गोयल ने कहा, ' जब कुछ महीने पहले भारत-अमेरिका ट्रेड डील



फ्रेमवर्क की घोषणा हुई थी, तो राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच पहले ही सहमति बन चुकी थी कि भारत को अमेरिका में प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में कम शुल्क के साथ तरजीही व्यापार पहुंच मिलेगी। 'भारत और अमेरिका ने फरवरी में द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के फ्रेमवर्क को अंतिम रूप दिया था। दोनों देशों का लक्ष्य आर्थिक संबंधों को गहरा करना और बाजार तक पहुंच का विस्तार करना है। हालांकि, शुरुआती चरण के समझौते पर हस्ताक्षर में देरी हुई है, क्योंकि अमेरिकी शुल्क व्यवस्था में बदलाव के बीच दोनों देश लगातार बातचीत कर रहे हैं। मंत्री का यह बयान एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के उस बयान के कुछ दिनों बाद आया है, जिसमें कहा गया था कि वाशिंगटन ने प्रस्तावित समझौते के तहत प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में भारत को शुल्क के मामले में तुलनात्मक लाभ देने का आश्वासन दिया है।

पीएम मोदी ने दी झारखंड स्थापना दिवस की शुभकामनाएं

● कहा- भगवान बिरसा मुंडा की वीरता देती है निरंतर प्रेरणा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड के स्थापना दिवस की राज्य के लोगों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की वीरता और बलिदान की गाथाओं से झारखंड की परंपराओं को निरंतर प्रेरणा मिलते रहने की कामना की। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'झारखंड के सभी भाई-बहनों को राज्य के स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं! हमारा यह प्रदेश जनजातीय गौरव, सांस्कृतिक विविधता और प्राकृतिक संपदा का अनूठा संगम है। यहां के घने वन, मनोरम जलप्रपात और ऐतिहासिक स्थल इसकी विशिष्ट पहचान को समृद्ध करते हैं। भगवान बिरसा मुंडा की वीरता और



बलिदान की गाथाओं से यहां की परंपराओं को निरंतर प्रेरणा मिलती रही है।' प्रधानमंत्री ने आगे लिखा, 'खनिज और ऊर्जा से लेकर हस्तशिल्प और पर्यटन तक इस राज्य में अपार संभावनाएं हैं। मुझे विश्वास है कि यहां के मेरे मेहनती और प्रतिभाशाली परिवारजनों के संकल्प और सामर्थ्य के बल पर यह प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा। मेरी कामना है कि यह विशेष अवसर यहां के सभी लोगों के जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली लेकर आए।'

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। भगवान बिरसा मुंडा का जीवन अदम्य साहस, स्वाभिमान और मातृभूमि के प्रति समर्पण की अनुपम गाथा है। उन्होंने अंग्रेज़ी शासन के शोषण और अन्याय के विरुद्ध आवाज़ बुलंद की तथा जनजातीय समाज की अस्मिता और अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष किया।' राजनाथ सिंह ने आगे लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2021 से भगवान बिरसा मुंडा की जयंती, 15 नवंबर को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाने की शुरुआत हुई। यह देश के जनजातीय नायकों के अतुलनीय योगदान को राष्ट्रीय पहचान और सम्मान देने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। मैं आप सभी को जनजातीय गौरव दिवस की भी हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा का जीवन और उनके आदर्श आने वाली पीढ़ियों को अन्याय के विरुद्ध खड़े होने, अपनी संस्कृति पर गर्व करने और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की प्रेरणा देते रहेंगे।' केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'अद्वितीय साहस व राष्ट्रभक्ति के प्रतीक धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर उन्हें नमन और समस्त देशवासियों को 'जनजातीय गौरव दिवस' की हार्दिक शुभकामनाएँ।

बॉलीवुड अभिनेता और दिल्ली के व्यापारी पर हमले की साजिश नाकाम, गैंगस्टर अनिल पंडित के दो शूटर गिरफ्तार



नई दिल्ली (एजेंसी)। संगठित अपराध सिंडिकेट के खिलाफ कार्रवाई करते हुए स्पेशल सेल ने विदेश में छिपे कुख्यात गैंगस्टर अनिल पंडित के दो शूटरों को गिरफ्तार किया है। दोनों की गिरफ्तारी से पुलिस ने दिल्ली के एक व्यापारी से रंगदारी वसूलने के लिए उनके घर पर फायरिंग और मुंबई में एक बॉलीवुड अभिनेता पर हमले की साजिशों को नाकाम कर दिया है। इनमें एक को दिल्ली और दूसरे को मुंबई से गिरफ्तार किया गया।

व्यापारी के घर फायरिंग की थी साजिश- डीसीपी नारा चैतन्य के मुताबिक स्पेशल सेल की टीम ने पहले सिंडिकेट के मुख्य गुर्गे विकास ठाकुर उर्फ विक्की को दिल्ली से गिरफ्तार किया। वह विदेश में बैठे गैंगस्टर के इशारे पर दिल्ली के एक व्यापारी को निशाना बनाने के इरादे से आया था। विकास से पूछताछ के आधार पर पुलिस टीम ने उसके साथी दीप उर्फ दीपक सिंह को मुंबई से दबोच लिया गया। दीपक, अमृतसर में इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर 'मैड संधू' की हत्या के मामले में वांछित था और मुंबई में छिपकर एक बॉलीवुड अभिनेता पर फायरिंग करने की फिराक में था। इस संबंध में स्पेशल सेल में तीन नवंबर को आर्म्स एक्ट की धारा में एफआईआर दर्ज की गई थी। विकास ठाकुर, न्यू गांधी नगर, जालंधर व दीप उर्फ दीपक सिंह, तरनतारन, पंजाब का रहने वाला है।

अलग-अलग गिरोहों के लिए करने लगा था काम- विकास ठाकुर बुरी संगत में पड़कर सट्टेबाजी करने लगा था। 2019 में नाबालिग रहते हुए झपटमारी की वारदात कर अपराध की दुनिया में कूद पड़ा था। 2023 में विकास ने कुख्यात अनमोल बिश्नोई को अवैध हथियार सप्लाई करना शुरू किया। बिश्नोई की गिरफ्तारी के बाद वह अनिल पंडित और रणदीप मलिक के लिए काम करने लगा। वह गिरोह में नए लड़कों की भर्ती, हथियार सप्लाई और रंगदारी के लिए टारगेट की रेकी करता था। बाद में वह किसी एक गिरोह से बंधे रहने के बजाय पैसों के लिए अलग-अलग गिरोहों के लिए काम करने लगा। हाल ही में वह विदेश में बैठे एक भगोड़े गैंगस्टर के संपर्क में आया। गैंगस्टर ने पहले उसे मुंबई में एक अभिनेता पर फायरिंग करने का काम सौंपा था। इसी दौरान अमृतसर हत्याकांड के बाद दीपक भी मुंबई में छिपा था। विकास ने ही दीपक को अनिल पंडित से मिलवाया। इसके बाद गैंगस्टर ने दीपक को मुंबई में ही रुककर अभिनेता पर हमले की तैयारी करने को कहा, जबकि विकास को दिल्ली के एक व्यापारी पर फायरिंग करने भेजा गया। दीपक को भी बाद में दिल्ली आकर विकास का साथ देना था, लेकिन वारदात को अंजाम देने से पहले ही स्पेशल सेल ने दोनों को दबोच लिया।

दिल्ली में दोहरे हत्याकांड से सनसनी, आपसी झगड़े में पहले चली गोली ; फिर बदले में हुई दूसरी हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाहरी दिल्ली में बवाना के पूठ खुर्द गांव में आपसी झगड़े के बाद दो युवकों की हत्या हो गई। पहले एक युवक ने दूसरे को गोली मार दी। विवाद के पीछे पुरानी रंजिश बताई जा रही है। इसके बाद मृतक के भाई ने गोली चलाने वाले युवक को पकड़कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने इस मामले में मृतक सचिन के भाई नरेश को गिरफ्तार किया है। पुलिस वारदात के पीछे की वजह का पता लगाने में जुटी है। पुलिस के अनुसार, शनिवार रात बवाना थाने को एक युवक को गोली लगने की सूचना मिली। पुलिस टीम जब महर्षि वाल्मीकि अस्पताल पहुंची तो वहां सचिन (27 वर्ष) का शव मिला। उसकी छाती में गोली लगी थी। वह पूठ खुर्द गांव का रहने वाला था।

पूठ खुर्द गांव का रहने वाला था- पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया तो सचिन के परिवार की गौशाला में खून के निशान और तीन खाली कारतूस मिले। आसपास की जांच के दौरान घटनास्थल से करीब 100 मीटर दूर एक दूसरी गली में सोनू उर्फ प्रदीप का शव भी मिला। वह भी पूठ खुर्द गांव का रहने वाला था। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। शुरुआती जांच में पता चला कि किसी बात को लेकर हुए झगड़े के बाद सोनू उर्फप्रदीप ने सचिन को गोली मार दी थी। इसके बाद सचिन के भाई नरेश ने सोनू को पकड़ लिया और उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने नरेश को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब दोनों के बीच झगड़े की वजह और वारदात से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

ग्रीन पार्क में हेलमेट की दुकान में लगी आग, दमकलकर्मियों ने सीढ़ी लगाकर बचाई दो महिलाओं की जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 15 नवंबर (वेब वार्ता)। दक्षिणी दिल्ली में ग्रीन पार्क मेट्रो स्टेशन के पास स्थित एक इमारत की भूतल पर बनी हेलमेट की दुकान में रविवार दोपहर को आग लग गई। आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। दमकलकर्मियों ने इमारत में फंसी दो महिलाओं को सीढ़ी की मदद से सुरक्षित बाहर निकाल लिया। दमकल विभाग के अनुसार, शाम करीब 3:45 बजे आग पर काबू पा लिया गया।

दमकल टीम ने बुझाई आग- जानकारी के अनुसार, आग आर-1, ग्रीन पार्क मेट्रो स्टेशन के पास स्थित इमारत में लगी थी। शुरुआत में दमकल की दो गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। आग की गंभीरता को देखते हुए बाद में अतिरिक्त गाड़ियां भी बुलाई गईं। कुल नौ दमकल गाड़ियों ने आग बुझाने का काम किया। बताया जा रहा है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी।

गुरु तेग बहादुर साहिब के शहीदी पर्व पर निकली बाइक रैली

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी पर्व को समर्पित दिल्ली में भव्य बाइक रैली निकाली गई। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका के नेतृत्व में आयोजित इस रैली में 300 से अधिक सिख बाइक सवारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, एल-ब्लॉक, कालकाजी से शुरू होकर गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब पहुंची। हरमीत सिंह कालका ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। इसमें रॉयल राइडर्स, रॉयल गबरू सहित विभिन्न सिख बाइक सवार समूहों के सदस्यों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर हरमीत सिंह कालका ने कहा कि गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी पर्व पर आयोजित यह रैली श्रद्धा और सम्मान का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों से गुरु साहिब की महान शहादत और उनके आदर्शों का संदेश पूरी दुनिया तक पहुंचेगा। उन्होंने रैली में शामिल सभी युवाओं की सराहना करते हुए कहा कि संगत का यह प्रयास प्रशंसनीय है। युवाओं ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ भाग लेकर गुरु साहिब के प्रति अपनी आस्था और सम्मान प्रकट किया है।



मुख्यमंत्री ने भगवान बिरसा मुंडा को किया नमन, बोलीं- जनजातीय समाज में नई चेतना जगाई

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस पर बांसेरा पार्क में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया। इसके बाद दिल्लीवासियों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रेरक संबोधन सुना।
मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने दशकों तक उपेक्षित रहे जनजातीय समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के साथ उसकी भुला दी गई गौरवशाली विरासत, अस्मिता और महानायकों को राष्ट्रीय सम्मान दिलाया है। पीएम जनमन और धरती आबा अभियान इसी संकल्प को धरातल पर उतार रहे हैं।
उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अल्पायु में ही अन्याय और विदेशी शासन के विरुद्ध संघर्ष का ऐसा बिगुल फूंका, जिसने जनजातीय समाज में स्वाभिमान और स्वतंत्रता की नई चेतना जगाई। जल, जंगल, जमीन और अपनी संस्कृति की रक्षा के लिए उनका संघर्ष केवल एक समाज का नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के गौरव और अस्मिता का संघर्ष था।
मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का त्याग, तप और बलिदान भारत की महान जनजातीय विरासत का अमर अध्याय है।
इस अवसर पर विधायक तरविंदर सिंह मारवाह, दिल्ली भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा अध्यक्ष सीएल मीणा, प्रदेश उपाध्यक्ष रणजीत सिंह कश्यप, सुनील चौहान एवं निगम पार्षद अर्जुन मारवाह सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे।



बिरसा मुंडा के संघर्ष और राष्ट्रभक्ति से प्रेरणा ले नई पीढ़ी : रेखा गुप्ता

-मुख्यमंत्री ने बांसेरा पार्क में धरती आबा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर दी श्रद्धांजलि, जनजातीय समाज के अधिकारों और सम्मान को बताया सर्वोपरि



नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर बांसेरा पार्क में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के अदम्य साहस, त्याग, संघर्ष और राष्ट्रभक्ति को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन अन्याय और शोषण के विरुद्ध संघर्ष करने तथा अपनी संस्कृति, परंपराओं और मातृभूमि की रक्षा के लिए समर्पित रहने की प्रेरणा देता है।
इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन भी सुना। कार्यक्रम में विधायक श्री तरविंदर सिंह मारवाह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।
मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने जनजातीय समाज को संगठित कर उनके अधिकारों, स्वाभिमान और सम्मान की रक्षा के लिए संघर्ष किया। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि दृढ़ संकल्प, साहस और अपनी संस्कृति के प्रति समर्पण के बल पर अन्याय और शोषण के विरुद्ध आवाज उठाई जा सकती है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में उनका योगदान देश के इतिहास और सांस्कृतिक चेतना का महत्वपूर्ण अध्याय है। उन्होंने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस केवल एक महान जननायक की जयंती मनाने का अवसर नहीं है, बल्कि यह देश की आने वाली पीढ़ियों को जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास, संघर्ष और बलिदान से परिचित कराने का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। भगवान बिरसा मुंडा के विचार आज भी समाज को अपनी जड़ों, सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं के प्रति गौरव का भाव रखने की प्रेरणा देते हैं।
मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के सम्मान, अधिकारों और सर्वांगीण विकास को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। लंबे समय तक विकास की मुख्यधारा से दूर रहे जनजातीय समुदायों तक बुनियादी सुविधाएं और विकास के अवसर पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही, जनजातीय समाज की गौरवशाली विरासत, सांस्कृतिक पहचान और स्वतंत्रता संग्राम में योगदान देने वाले महान नायकों को राष्ट्रीय स्तर पर उचित सम्मान दिलाया जा रहा है।
उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान इसी दिशा में महत्वपूर्ण पहल हैं। इन अभियानों का उद्देश्य जनजातीय समुदायों तक आवश्यक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना, उनके जीवन स्तर में सुधार करना और उन्हें विकास की प्रक्रिया में समान भागीदारी प्रदान करना है।
रेखा गुप्ता ने कहा कि जनजातीय समाज का विकास केवल सुविधाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि उनकी सांस्कृतिक पहचान, परंपराओं और सामाजिक अधिकारों का संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। भगवान बिरसा मुंडा जैसे महानायकों की विरासत पूरे देश की अमूल्य धरोहर है। उनके विचार हमें अन्याय के विरुद्ध खड़े होने, अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने और राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव बनाए रखने की प्रेरणा देते हैं।
मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय समाज का इतिहास और उसका योगदान भारत की विकास यात्रा का अभिन्न हिस्सा है। इस गौरवशाली विरासत को सम्मान देना और आने वाली पीढ़ियों तक उनके संघर्ष एवं बलिदान की गाथा पहुंचाना समाज के प्रत्येक वर्ग की जिम्मेदारी है।

सौरभ भारद्वाज का बड़ा आरोप, छठ पूजा समितियों को भाजपा में शामिल होने का बनाया जा रहा दबाव

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने यमुना प्रदूषण को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार की पोल एक दलित युवा ने खोल दी है। सरकार ने करोड़ों रुपए का विज्ञापन देकर दिखाया कि उसने यमुना को साफ कर दिया है, लेकिन उस युवा ने पांच मिनट का वीडियो बनाकर दिखा दिया कि यमुना इतनी प्रदूषित है कि उसके अंदर हजारों मछलियां मर गईं। इससे सरकार बौखला गई। उन्होंने कहा कि सरकार ने यह जांच करने के बजाय कि मछलियां क्यों मरीं और प्रदूषण कहां से आ रहा है, वीडियो बनाने वाले युवक को ही गिरफ्तार कर लिया। जब आम आदमी पार्टी के लोग वहां पहुंचे, तब उसे छोड़ना पड़ा।
भारद्वाज ने कहा कि वह ऑन रिकॉर्ड कह रहे हैं कि यमुना प्रदूषित है। जो भी पूर्वांचली भाई-बहन छठ पूजा में अपने बच्चों को वहां ले जाएंगे और अगर बच्चे वहां का पानी पी लेंगे, तो वे बीमार पड़ जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रवेश वर्मा को जो करना है, वह कर लें। जहां मुकदमा करना है, कर लें। वह अपनी बात से पीछे नहीं हटेंगे।
छठ पूजा की तैयारियों को लेकर सौरभ भारद्वाज ने कहा कि बीजेपी सभी धार्मिक कार्यक्रमों में अपनी ठेकेदारी डालने की कोशिश करती है। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान लोगों पर दबाव बनाया गया कि कांवड़ यात्रा तभी होने दी जाएगी, जब वे भाजपा में शामिल होंगे। यही स्थिति छठ पूजा में भी देखने को मिल रही है। जो छठ पूजा समितियां दशकों से छठ पूजा कराती आ रही हैं, उन्हें फंड नहीं दिया गया। उनसे कहा गया कि अगर वे भाजपा में आएंगे, तो ही उन्हें फंड मिलेगा। अगर वे भाजपा में आएंगे, तो ही उन्हें छठ समिति में रखा जाएगा, वरना उन्हें निकाल दिया जाएगा। भारद्वाज ने कहा कि भाजपा के लोग यह काम खुलेआम कर रहे हैं। उनका मकसद पहले धार्मिक स्थलों पर कब्जा करना है और फिर चंदे की चोरी करना है, जैसा कि राम मंदिर के मामले में देखा गया।
दिल्ली में एयर प्यूरीफायर की बढ़ती बिक्री पर भारद्वाज ने कहा कि ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि लोग सरकार के झूठे एक्यूआई आंकड़ों को मानने के लिए तैयार नहीं हैं। सरकार झूठे आंकड़े दिखा रही है कि दीपावली में प्रदूषण नहीं हुआ, पटाखों से प्रदूषण नहीं होता और एक्यूआई कम हो गया है।
उन्होंने कहा कि लोग कह रहे हैं कि सरकार झूठी है और फ्रॉड है, इसलिए उसके आंकड़ों को नहीं मानते। लोगों को अपनी आंखों से प्रदूषण दिख रहा है और अपनी सांसों से महसूस हो रहा है। इसलिए लोगों ने अपने घरों के लिए उपकरण खरीद लिए हैं। इसका मतलब है कि सरकार का झूठ जनता को समझ में आ रहा है।
मोती नगर में एक कपड़े के दुकान के ट्रायल रूम से एक युवती का शव मिलने के मामले पर सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में पूरी तरह जंगलराज है। यहां की कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। दिल्ली पुलिस मजाक का विषय बन चुकी है। उन्होंने कहा कि बच्चों को डंडे मारने हों तो दिल्ली पुलिस सबसे आगे है। महिलाओं के साथ गलत व्यवहार करने में भी पुलिस के लोग सबसे आगे हैं। कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और जांच में पुलिस की कोई रुचि नहीं है। सिर्फ रिश्वत जहां मिले, वहां पुलिस काम करने को तैयार है। जहां राजनीतिक दबाव आ जाए, वहां काम करने को तैयार है। ईमानदारी से काम करने वाले अफसर अब बहुत कम बचे हैं।



मानव अधिकार आयोग का दिल्ली प्रदेश पदाधिकारी सम्मेलन संपन्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानव अधिकार एवं सामाजिक न्याय आयोग का दिल्ली प्रदेश पदाधिकारी सम्मेलन एवं मिलन समारोह नई दिल्ली स्थित कांस्टीट्यूशन क्लब में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र सिंह तोमर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष संजय गहलोत ने कार्यक्रम का संयोजन किया। सम्मेलन में रविंद्र सिंह तोमर ने आयोग के उद्देश्यों, कार्यों और देशभर में संचालित 'हर घर मानव अधिकार अभियान' की जानकारी दी। उन्होंने पदाधिकारियों को मानव अधिकारों के संरक्षण, सामाजिक न्याय की स्थापना और आम नागरिकों को न्याय दिलाने के लिए निष्ठापूर्वक कार्य करने की शपथ दिलाई। तोमर ने बताया कि आयोग पिछले 10 वर्षों से देश के विभिन्न राज्यों में मानव अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने का कार्य कर रहा है। इसके कार्यकर्ता 25 राज्यों के ग्रामीण एवं दूरदराज के क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को उनके संवैधानिक अधिकारों की जानकारी दे रहे हैं। आयोग द्वारा जनसुनवाई केंद्रों और जागरूकता शिविरों के माध्यम से बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा, पुलिस प्रशासन, नगर निगम तथा जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी समस्याएं संबंधित विभागों के समक्ष उठाई जाती हैं।

छठ पूजा से लेकर धार्मिक आयोजनों तक बंगाल में बदले हालात : मनजिंदर सिरसा

नई दिल्ली/कोलकाता, एजेंसी।
दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने रविवार को पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि वह 'बांग्लादेश सरकार की तरह' काम करती थी।
दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, 'ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पिछली सरकार बांग्लादेश की सरकार जैसी थी। इसमें तुष्टीकरण, परिवारवाद और लूट-खसोट थी। एक परिवार ने बंगाल को दोनों हाथों से लूटा, इसीलिए यहां की जनता ने बदलाव किया। अब बंगाल में भाजपा सरकार लोगों के जीवन में बदलाव ला रही है।'
उन्होंने जोर देकर कहा, 'जो लोग जबरन वसूली में शामिल थे, उन्हें जेल भेजा जा रहा है और किसी को भी बख्शा नहीं जा रहा है। सबसे बड़ी बात यह है कि बंगाल के लोगों का सम्मान वापस लौटा है। लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली घटनाओं पर काफी हद तक लगाम लगी है।'
उन्होंने कहा, 'आज हर कोई अपने धार्मिक त्योहारों को खुलकर मना सकता है। अभी यहां बहुत से लोग, माताएं और बहनें छठ पूजा मना रही हैं जबकि पिछली ममता सरकार के शासन में ऐसा करना एक अपराध बन गया था।'
दिल्ली के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, 'मैं पश्चिम बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी को हार्दिक बधाई देता हूं। दिल्ली सरकार की ओर से और दिल्ली के एक मंत्री के रूप में मैं उन्हें धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने बंगाल में हमेशा सिख समुदाय का साथ दिया है और उनके हक के लिए लगातार संघर्ष किया है। मुझे खुशी है कि चुनाव जीतने के बाद भी उन्होंने गुरुद्वारे में अपना सिर झुकाया। आज गुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर वे नगर कीर्तन में नतमस्तक होने आए हैं। मैं उन्हें अपनी शुभकामनाएं और बधाई देता हूं। भाजपा सरकार के रहते बंगाल हमेशा और अधिक तरक्की करेगा; यहां के लोग जितने सुंदर हैं, अब बंगाल भी उतना ही सुंदर हो जाएगा।'
उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'कोलकाता में रविवार को गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सम्मानित सदस्यों एवं सिख संगत के प्रतिनिधियों से आत्मीय मुलाकात और सार्थक संवाद हुआ। मंत्री अग्निमित्रा पॉल के स्नेहपूर्ण स्वागत एवं सत्कार के लिए हृदय से आभार। इस अवसर पर सामाजिक सरोकारों एवं जनकल्याण से जुड़े विषयों पर विचार साझा किए गए। वाहेगुरु से सभी पर अपनी अपार मेहर बनाए रखने की अरदास करता हूं।'



सच्चाई के डर से सरकार मछलियों के मरने की जांच नहीं करा रही : आप

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमुना में मरी मछलियों का वीडियो बनाने वाले युवक पर एफआईआर और उसे हिरासत में लिए जाने पर आम आदमी पार्टी ने विरोध जताया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने रविवार को आप मुख्यालय पर प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि सरकार की पोल खोलने पर युवक के खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सच्चाई सामने आने के डर से दिल्ली सरकार मछलियों के मरने की जांच नहीं करा रही है।सौरभ भारद्वाज ने कहा कि वीडियो में दिखाई दे रहा है कि मछलियां तड़प रही हैं। सरकार ने युवक को प्रोत्साहित करने के बजाय एफआईआर दर्ज कर उसका उत्पीड़न शुरू कर दिया। सौरभ भारद्वाज का कहना है कि मैं भी कह रहा हूं कि यमुना प्रदूषित है और अगर कोई उस प्रदूषित पानी को पीएगा तो गंभीर रूप से बीमार हो सकता है। हिम्मत है तो मुझे गिरफ्तार करके दिखाएं। उन्होंने कहा कि सीएम और मंत्रियों को चुनौती है कि वे कालिंदी कुंज घाट का पानी गिलास लें और पीकर दिखाएं।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने छठ घाट पर अस्ताचलगामी सूर्य को दिया अर्घ्य, दिल्लीवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की



नई दिल्ली (एजेंसी)। लोक आस्था, सूर्य उपासना और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता के महापर्व छठ की अद्भुत भव्यता रविवार को राजधानी दिल्ली में विभिन्न छठ घाटों पर देखने को मिली। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने सोनिया विहार स्थित यमुना नदी में बने घाट पर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया और छठी मैया की पूजा-अर्चना कर समस्त दिल्लीवासियों के सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। यमुना तट पर श्रद्धा, भक्ति और लोक संस्कृति के रंगों से सजे इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु छठी मैया की आराधना के लिए पहुंचे। पारंपरिक वेशभूषा, छठ गीतों, दीपों और पूजा के सूपों से सजे घाटों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय और उत्सवमय बना दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बोट पर सवार होकर यमुना तट पर बनाए गए छठ घाटों का निरीक्षण भी किया और वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न घाटों पर उपस्थित छठ व्रतियों व श्रद्धालुओं का अभिवादन किया और सभी को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने संध्या अर्घ्य के अवसर पर सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि लोक आस्था के महापर्व छठ पर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने की परंपरा प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और सनातन संस्कृति के महान संस्कारों का अद्भुत प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने छठी मैया और भगवान भास्कर से प्रार्थना की कि सभी व्रतियों की साधना सफल हो तथा हर परिवार में सुख, समृद्धि और आरोग्य का वास हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि छठ महापर्व केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आस्था, अनुशासन, स्वच्छता, समर्पण और सामाजिक समरसता का अनुपम उत्सव है। यह पर्व हमें प्रकृति और पर्यावरण के प्रति सम्मान का भाव सिखाता है। डूबते और उगते सूर्य, दोनों की उपासना करने की परंपरा जीवन के हर चरण के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का संदेश देती है। छठ के दौरान परिवार ही नहीं, बल्कि पूरा समाज एक साथ पूजा-अर्चना में सहभागी बनता है। यही सामूहिकता और लोक संस्कृति इस पर्व को विशेष बनाती है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली देश के हर हिस्से से आए लोगों का अपना घर है और पूर्वांचल समाज ने अपनी मेहनत, परिश्रम और समर्पण से राजधानी के निर्माण व विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। दिल्ली सरकार का संकल्प है कि राजधानी में रहने वाले पूर्वांचल के भाई-बहनों को अपने हर पर्व और त्योहार पर घर जैसा अपनापन और सुविधाएं मिलें। छठ महापर्व उनकी आस्था और सांस्कृतिक पहचान से गहराई से जुड़ा है, इसलिए सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना के लिए बेहतर घाट, स्वच्छ वातावरण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि इसी भावना के तहत दिल्ली सरकार द्वारा यमुना के किनारे छठ महापर्व के आयोजन के लिए बेहतर व्यवस्थाएं विकसित की गई हैं। उत्तरी दिल्ली स्थित मुनक नहर पर विकसित छठ घाट जैसी पहल भी पूर्वांचल समाज की लंबे समय से चली आ रही मांग और भावनाओं को सम्मान देने की दिशा में विशेष कदम है। सरकार का प्रयास है कि राजधानी के अलग-अलग क्षेत्रों में श्रद्धालुओं को सुविधाजनक और व्यवस्थित घाट उपलब्ध हों, जिससे उन्हें पूजा के लिए दूर न जाना पड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि त्योहारों के अवसर पर अपने गृह राज्य और परिवार के पास जाने की इच्छा भी स्वाभाविक है। इसे ध्यान में रखते हुए दिल्ली और बिहार के बीच छठ स्पेशल बसों की व्यवस्था की गई है ताकि पूर्वांचल और बिहार के लोग सुविधाजनक ढंग से अपने घर पहुंच सकें और पर्व मनाकर वापस दिल्ली लौट सकें। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार चाहती है कि जो लोग राजधानी में रहकर छठ मनाएं, उन्हें यहां अपने घर और संस्कृति का अनुभव मिले तथा जो अपने परिवार के साथ बिहार जाना चाहते हैं, उनकी यात्रा भी सुगम हो।

भारत की जनगणना 2027 CENSUS OF INDIA
जनगणना से जन कल्याण

जनगणना 2027

गृह मंत्रालय भारत सरकार
सत्यमेव जयते



स्व-गणना
16 नवंबर – 30 नवंबर, 2026

जनसंख्या गणना
1 दिसंबर, 2026 – 4 जनवरी, 2027
पुनरीक्षण चरण 5 जनवरी – 9 जनवरी, 2027

*केवल गोवा, पंजाब, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के लिए

स्व-गणना में भाग लें

- **अपनी सुविधा के अनुसार,** ऑनलाइन जानकारी भरें

स्व-गणना के लिए QR कोड स्कैन करें या पोर्टल पर जाएँ

se.census.gov.in

प्रगणक घर आएँगे

जब प्रगणक आपके घर आएं:

- ✓ आप प्रगणक का पहचान पत्र देख सकते हैं
- ✓ उनका स्वागत करें और सही जानकारी दें
- ✓ यदि आपने स्व-गणना पूरी कर ली है तो अपनी **SE ID साझा करें**

स्व-गणना प्रक्रिया

se.census.gov.in पर जाएँ ›› अपने मोबाइल नंबर से लॉगिन करें ›› परिवार के सभी सदस्यों के लिए प्रश्नावली भरें और अपनी जानकारी जमा करें ›› **P से शुरू होने वाली 11 अंकों की SE ID** मिलेगी, इसे सुरक्षित रखें ›› घर पर प्रगणक के आने के दौरान यह **SE ID साझा करें**

ध्यान दें:

स्व-गणना एक अतिरिक्त सुविधा है। यदि आप इसका उपयोग नहीं करते हैं, तो भी प्रगणक आपके घर आकर जानकारी एकत्र करेंगे।

आपकी जानकारी की गोपनीयता जनगणना अधिनियम, 1948 के तहत सुनिश्चित है

आपकी जानकारी महत्वपूर्ण है

- जनगणना के लिए आपसे कोई OTP, PIN या दस्तावेज़ नहीं मांगा जाएगा
- जानकारी केवल आधिकारिक माध्यमों से साझा करें
- जानकारी सावधानीपूर्वक और सही-सही दर्ज करें

CBC 19108/13/0177/2627

हमारी जनगणना, हमारा विकास

1800 180 1855 | 1855

प्रगति वर्चुअल असिस्टेंट (जनगणना चैटबॉट) के लिए QR कोड स्कैन करें

CensusIndia2027

संक्षिप्त समाचार

बिहार में छठ पूजा में घर आए युवक की हत्या, सिर और सीने में दागीं गोलियां

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। साहेबगंज थाना क्षेत्र के माधोपुर इलाके में शुक्रवार की रात अपराधियों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी है। पुल के समीप युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान माधोपुर गांव निवासी गिरधारी राय के पुत्र छोटेलाल कुमार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि छोटेलाल कुमार (मृतक) असम के दीमापुर में रहकर ट्रांसपोर्ट का काम करता था। वो लोक आस्था के महापर्व छठ पर अपने घर आया था। शुक्रवार की रात अज्ञात अपराधियों ने उसे गोली मार दी।गोली सिर और सीने में लगी। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अपराधियों ने शव और उसकी बाइक को पुल के नीचे फेंक दिया और फरार हो गए। शनिवार को स्थानीय लोगों ने पुल के समीप शव देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी।सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लिया। छोटेलाल कुमार (मृतक) चार भाइयों और दो बहनों में सबसे छोटा था। वह परिवार का दुलारा था। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया है।जांच के दौरान छोटेलाल कुमार (मृतक) की जेब से मोबाइल फोन बरामद किया गया है। पुलिस मोबाइल की कॉल डिटेल और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच कर रही है। साथ ही मामले की गंभीरता को देखते हुए सस्रुकी टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया गया है।

बिहार में खरना का प्रसाद लेकर आ रहे पूर्व मुखिया को गोलियों से भूना

भागलपुर, एजेंसी। जिले के नवगछिया में अपराधियों ने पूर्व मुखिया अजय सिंह को गोलियों से भून दिया है। शनिवार को कदवा थाना क्षेत्र के पकड़वासा और कासिमपुर गांव के बीच पहले से घात लगाए बदमाशों ने उन्हें रास्ते में रोका और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। जिससे अजय सिंह को चार गोलियां लगी हैं।मिली जानकारी के मुताबिक, पूर्व मुखिया अजय सिंह शनिवार शाम एक ग्रामीण के घर से प्रसाद लेकर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में पहले से घात लगाए बदमाशों ने उन्हें रोक लिया और अचानक फायरिंग शुरू कर दी। अपराधियों ने उन पर एक के बाद एक कई गोलियां चलाईं। जिससे वो सड़क पर गिर पड़े।गोलीबारी की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और भाग रहे दो आरोपियों को खदेड़कर पकड़ लिया। गंभीर हालत में स्थानीय लोगों की मदद से पूर्व मुखिया को नवगछिया अनुमंडल अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए बेगूसराय रेफर किया गया है।पकड़े गए दोनों आरोपियों से पुलिस पूछताछ कर रही है और गोलीबारी के पीछे की वजह का पता लगाने में जुट गई है। साथ ही यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस हमले में और कौन-कौन लोग शामिल था और वारदात की साजिश कहां रची गई थी। पकड़े गए आरोपियों की पहचान मोहन सिंह और आशीष कुमार के रूप में हुई है।इस गोलीबारी को 13 अक्टूबर को हुई ज्योतिष की हत्या से जोड़कर भी देखा जा रहा है। खोखा सिंह के बेटे ज्योतिष की भी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। ऐसे में पूर्व मुखिया अजय सिंह पर हुए हमले के पीछे आपसी रंजिश की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, हमले की असली वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है।

बिहार में छोटे भाई ने बड़े भाई को गोलियों से भूना, मौके पर मौत

भागलपुर, एजेंसी। कहते हैं कि जमीन और जायदाद का विवाद अपनों को भी एक-दूसरे का दुश्मन बना देता है। भागलपुर में ऐसा ही मामला सामने आया है, जहां सात लाख रुपये और जमीन के विवाद में एक भाई ने अपने ही खून के रिश्ते का कत्ल कर दिया। छोटे भाई पर बड़े भाई की गोली मारकर हत्या करने का आरोप लगा है। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। दरअसल, भागलपुर में शनिवार सुबह जमीन और रुपये के विवाद में रिश्ते का कत्ल कर दिया गया। मामला बबरगंज थाना क्षेत्र के अलीगंज स्थित वृद्ध आश्रम इलाके का है। मृतक की पहचान नंदलाल यादव (36) के रूप में हुई है। हमलावरों ने नंदलाल यादव को सिर और पेट में गोली मारी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। 4-5 राउंड फायरिंग की बात सामने आ रही है। नंदलाल यादव मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। उसकी हत्या के बाद परिवार में मातम पसरा है। परिजनों का आरोप है कि छोटे भाई शंभू यादव ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर बड़े भाई नंदलाल यादव की गोली मारकर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि शंभू यादव ने अपने बड़े भाई नंदलाल यादव से सात लाख रुपये कर्ज लिए थे। नंदलाल लगातार अपने रुपये वापस मांग रहे थे। इस पर शंभू ने अपने हिस्से की जमीन बेचकर रुपये लौटाने की बात कही थी। इसी जमीन और रुपये के लेनदेन को लेकर दोनों भाइयों के बीच विवाद चल रहा था। मृतक की पत्नी के मुताबिक शनिवार सुबह नंदलाल यादव चाय पीने के लिए घर से निकले थे। इसी दौरान रास्ते में उन पर गोलीबारी कर दी गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। मृतक की पत्नी जूना देवी ने अपने देवर शंभू यादव समेत चार लोगों पर हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि कुछ दिन पहले शंभू यादव पिस्तौल लेकर उनके घर पहुंचा था और उनके गोली मारने की धमकी दी थी। वहीं, घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन के लिए एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया है।

शारदा सिन्हा के गीतों के बिना अधूरा लगता है छठ,

बिग बॉस फेम दीपक ठाकुर ने सुनाए तीन खास गीत

पटना, एजेंसी। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर बिहार में उत्साह और उमंग का माहौल है। छठ के पारंपरिक गीतों के बिना इस पर्व की कल्पना अधूरी लगती है। इन गीतों में जहां लोक संस्कृति, परंपरा और आस्था की झलक मिलती है, वहीं समाज को एकजुट करने का संदेश भी छिपा होता है। बिग बॉस फेम और भोजपुरी गायक दीपक ठाकुर ने भी इस बार छठ पर्व को लेकर नए गीत पेश किए हैं। उन्होंने छठ की महत्ता, शारदा सिन्हा के गीतों से अपने जुड़ाव और सामाजिक समानता के संदेश पर खुलकर बात की। इस दौरान उन्होंने छठ के तीन गीत भी गाकर सुनाए।



दीपक ठाकुर ने बातचीत की शुरुआत छठ गीतों की महान गायिका शारदा सिन्हा को याद करते हुए की। उन्होंने कहा कि छठ शारदा सिन्हा के गीतों के बिना अधूरा लगता है। शारदा सिन्हा छठ गीतों की पर्याय हैं और उनके गाए गीतों में छठ की वास्तविक आत्मा महसूस होती है। दीपक ने बताया कि जब वह एयरपोर्ट पर उतरे तो वहां भी शारदा सिन्हा का छठ गीत सुनाई दे रहा था। इसके बाद पूरे रास्ते वह उसी गीत को सुनते रहे। उन्होंने शारदा सिन्हा का लोकप्रिय गीत 'आठ ही काठ के कोठरिया हो दिनानाथ, रूपे छन लागल केवाड़' गाकर सुनाया।

इस गीत में छठी मइया और दीनानाथ के प्रति श्रद्धा के साथ लोकजीवन की एक मार्मिक तस्वीर दिखाई देती है। गीत के बोल में कोठरी, रूपे के किवाड़ और बांझी केवरा जैसे प्रतीकों के जरिए लोक परंपरा और लोककथा का भाव उभरता है। 'चदरा उघारी एब देखले हो दीनानाथ, कौन संकट परल तोहार' जैसी पंक्तियां गीत के माध्यम से छठी मैया की महीमा बताती हैं। दीपक ठाकुर ने कहा कि ऐसे गीत ही छठ की पहचान हैं। इनकी मिठास और भाव लोगों को अपनी मिट्टी, संस्कृति और परंपराओं से जोड़कर रखती है।

दीपक ठाकुर ने अपने नए छठ गीत 'डोमीन के डाला' के पीछे की सोच भी साझा की। उन्होंने कहा कि हमारे समाज में ऊंच-नीच की मानसिकता के कारण डोमिन समुदाय की महिलाओं को अक्सर निर्धनता और सामाजिक स्थिति के आधार पर कमतर समझा जाता है। लेकिन छठ ऐसा पर्व है, जिसमें नियम, पवित्रता और शुद्धता का विशेष महत्व है। इस पर्व की एक बड़ी विशेषता यह भी है कि डोमिन के हाथों से बने सूप के बिना छठ पूजा की परंपरा पूरी नहीं होती। जिन लोगों को समाज में कभी नीची नजर से देखा जाता है, उनके हाथों से बने सूप और दउरा का छठ में इतना महत्वपूर्ण स्थान है। यह अपने आप में सामाजिक समानता और एक-दूसरे पर निर्भरता का बड़ा संदेश देता है।

इसी विचार को लोगों तक पहुंचाने के लिए उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर पिछले दिनों 'डोमीन के डाला' नाम से छठ गीत रिलीज किया है। इसके बोल हैं, 'डोमीन के डाला में घाटे अरग जाला, बाड़ा रे जतन से ई दउरा बीनाला, डोमीन के सूपवा में अर्घ्य दिआई, ताड़ दिहलू, ताड़ दिहलू हे छठी माई'। दीपक ने बताया कि इस गीत के जरिए वह यह बताना चाहते हैं कि छठ केवल पूजा-पाठ का पर्व नहीं है, बल्कि यह समाज के हर वर्ग को सम्मान देने और साथ लेकर चलने की सीख भी देता है। छठ के दौरान किसी की जाति या आर्थिक स्थिति नहीं देखी जाती, बल्कि सभी लोग एक ही श्रद्धा और विश्वास के साथ सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करते हैं।

छठ पर्व की सामाजिक एकजुटता पर अपनी बात रखते हुए दीपक ठाकुर ने कहा कि लोग अक्सर कहते हैं कि जिंदगी चार दिन की है और छठ पूजा भी चार दिन की होती है। उनका मानना है कि अगर जिंदगी चार दिन की है तो चार दिन छठ ही होना चाहिए। यह ऐसा पर्व है, जिसमें पूरा समाज एकजुट हो जाता है। लोग साफ-सफाई से लेकर घाटों की व्यवस्था और पूजा की तैयारियों तक हर काम में पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ जुट जाते हैं। इसमें किसी एक व्यक्ति या परिवार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की भागीदारी होती है।

अपनी बात रखते हुए उन्होंने तीसरा पारंपरिक छठ गीत 'उजे केरवा जे फरेला घवद से ओही पर सुगा मंडराए, उजे मरबउ रे सुगवा धनुक से, सुगा गिरे मुरछाए' भी गाकर सुनाया। इस गीत में केरवा, सुगवा और धनुष जैसे लोक प्रतीकों के माध्यम से छठ की पारंपरिक गीत-संस्कृति और ग्रामीण परिवेश की झलक मिलती है। ऐसे गीत पीढ़ियों से लोगों की जुबान पर हैं और छठ के माहौल को भक्तिमय बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

जो छठ का विरोध करेंगे, उनको खामियाजा भुगतना पड़ेगा', राज ठाकरे पर भड़के चिराग पासवान

वैशाली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने मुंबई में छठ पूजा और छठ गीतों पर राज ठाकरे के रुख पर पलटवार किया है। उन्होंने क्षेत्रवाद की राजनीति करने वाले दलों को घेरा और साफ कहा कि वो किसी भी तरह की बंटवारे की राजनीति का समर्थन नहीं करते।

चिराग पासवान ने कहा कि छठ लोक आस्था का ऐसा महापर्व है, जिसकी भावना किसी विवाद से कमजोर नहीं हो सकती। उन्होंने राज ठाकरे पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन लोगों को लगता है कि छठ का विरोध कर अपनी खोई राजनीतिक जमीन तलाश सकते हैं, उनको नुकसान ही होगा।

हाजीपुर में पत्रकारों से बात करते हुए चिराग पासवान ने कहा कि जाति, धर्म और क्षेत्र के आधार पर समाज को बांटने की राजनीति का वो कभी समर्थन नहीं करते।



छठ पूजा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था और भावना का प्रतीक है। किसी रेलवे स्टेशन पर छठी मैया का गीत बज रहा है या नहीं बज रहा है, इससे इस महापर्व की आस्था पर कोई असर नहीं पड़ता।

चिराग ने आगे कहा कि बिहार और यूपी के लोग देश के हर हिस्से में अपनी मेहनत से अर्थव्यवस्था को गति दे रहे हैं। देश के किसी भी कोने में जाकर काम करना, व्यवसाय स्थापित करना और अपना घर बसाना हर भारतीय का अधिकार है। ऐसे में क्षेत्रवाद की राजनीति करने वाले दलों को इससे कोई राजनीतिक फायदा नहीं मिलने वाला।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे ने स्टेशन पर छठ गीत बजाने और मुंबई में व्यापक स्तर पर छठ मनाने पर अपनी आपत्ति जताई थी। इसके साथ ही एक्स हैंडल पर लिखा, 'भारतीय जनता पार्टी और उसका जहरीला सोशल मीडिया इकोसिस्टम, जो उसे पालता-पोसता है, आजकल छठ पूजा के मुद्दे का फायदा उठाकर मुंबई, महाराष्ट्र में झगड़ा भड़काने की बेताब कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए, वे सोशल मीडिया पर रस्मों और उनसे होने वाले कल्चरल हमले को दिखाते हुए रील चला रहे हैं, जैसे कि यह काफी नहीं था। हमने मुंबई के कुछ रेलवे स्टेशनों पर भोजपुरी गाना बजाने की भी कोशिश की, जिसे महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने तुरंत बंद करवा दिया।'

चार दिवसीय छठ का आज तीसरा दिन है। आज डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही लोक आस्था के महापर्व का समापन हो जाएगा। बिहार-झारखंड और उत्तर प्रदेश समेत देश-विदेश में छठ की धूम मची है।

रिश्ते का कत्ल! बड़े साढू ने परिवार संग मिलकर छोटे साढू को पीट-पीटकर मार डाला

बेगूसराय, एजेंसी। बिहार के बेगूसराय में हिंसक झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गयी। मामला बखरी अनुमंडल के परिहारा थाना क्षेत्र स्थित वार्ड संख्या-9 का है। मृतक की पहचान अभय कुमार उर्फ विशाल चौधरी (26 वर्ष) के रूप में हुई है। मृतक के पिता अमरेश चौधरी के अनुसार, बीते 9 नवंबर को दिन के करीब दो बजे उनके बेटे अभय के साथ घर में ही कई लोगों ने मिलकर बेरहमी से मारपीट की।

पिता ने अपने बड़े साढू प्रवीण चौधरी, उनके दोनों पुत्र प्रत्यूष कुमार और भुल्लर कुमार, प्रवीण चौधरी की पत्नी तथा जितेंद्र चौधरी सहित अन्य पर हमले का आरोप लगाया है। गंभीर रूप से घायल अभय को परिजन आनन-फानन में इलाज के लिए बेगूसराय अस्पताल लेकर पहुंचे। जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे अभय ने आखिरकार 12 नवंबर की रात दम तोड़ दिया।

अभय की मौत के बाद जैसे ही उसका शव परिहारा पहुंचा, परिजनों और स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित लोगों ने परिहारा-बखरी मुख्य मार्ग को जाम कर दिया, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया। परिजन आरोपितों की जल्द गिरफ्तारी और न्याय की मांग पर अड़े रहे।

सड़क जाम की सूचना मिलते ही बखरी अनुमंडल के डीएसपी कुंदन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने आक्रोशित लोगों और परिजनों को समझाने का प्रयास किया तथा दोषियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया। करीब दो घंटे तक चले हंगामे के बाद डीएसपी के आश्वासन पर लोगों ने जाम समाप्त किया, जिसके बाद आवागमन सामान्य हो सका।

सीट नहीं मिली तो सप्तक्रांति एक्सप्रेस के इंजन पर चढ़ा युवक

मोतिहारी, एजेंसी। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के चकिया रेलवे स्टेशन पर एक अजीबोगरीब दृश्य देखने को मिला। ट्रेन में सीट नहीं मिलने से नाराज युवक ने ऐसा कदम उठाया, जिसे देखकर यात्रियों और रेलकर्मियों के बीच अफरातफरी मच गई। युवक सीधे ट्रेन के इंजन पर चढ़ गया और नंगे पांव बैठ गया। इस घटना के कारण मुजफ्फरपुर से आनंद विहार जा रही सप्तक्रांति सुपरफास्ट एक्सप्रेस 20 मिनट तक चकिया स्टेशन पर रुकी रही।

दरअसल, सप्तक्रांति सुपरफास्ट एक्सप्रेस जब चकिया रेलवे स्टेशन पहुंची, तो ट्रेन के अंदर यात्रियों की भारी भीड़ थी और डिब्बों में पैर रखने तक की जगह नहीं थी। बताया जा रहा है कि युवक भी इसी ट्रेन से सफर करना चाहता था, लेकिन भारी भीड़ के कारण उसे बैठने के लिए सीट नहीं मिल रही थी। इसके बाद युवक ने ऐसा कदम उठाया और नंगे पांव इंजन पर जा बैठा।

इंजन के ऊपर युवक को बैठा देखकर स्टेशन पर



मौजूद यात्रियों में हड़कंप मच गया और देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। कुछ यात्री इस पूरी घटना को अपने मोबाइल फोन में कैद करने लगे। चकिया रेलवे स्टेशन के समपार संख्या 136 पर तैनात आरपीएफ कर्मी अनुरोध कुमार यादव ने युवक को इंजन पर चढ़ा देखा और स्टेशन मास्टर को सूचना दी।

सूचना मिलते ही आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची और रेलवे पुलिस के जवानों ने युवक को सुरक्षित नीचे उतारने के लिए काफी मशक्कत की। करीब 20 मिनट तक चले इस घटनाक्रम के दौरान सप्तक्रांति सुपरफास्ट एक्सप्रेस स्टेशन पर ही खड़ी रही। आखिरकार आरपीएफ की टीम ने सूझबूझ दिखाते हुए युवक को सुरक्षित इंजन से नीचे उतार लिया और उसे हिरासत में ले लिया। इसके बाद ट्रेन को आगे के लिए रवाना किया गया। चकिया स्टेशन मास्टर श्याम कुमार गुप्ता ने बताया कि पूछताछ में युवक ने अपनी पहचान मुंगेर जिले के असरगंज निवासी गुलशन कुमार के रूप में बताई। स्टेशन मास्टर ने यह भी बताया कि युवक को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया है और इस घटना में किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हुआ है।

बिहार में रजिस्ट्री कचहरी के मुंशी की गोली मारकर हत्या

अररिया, एजेंसी। बिहार के अररिया जिले में रजिस्ट्री कचहरी के मुंशी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। छठ पर्व के दिन हुई वारदात से घर में कोहराम मच गया। आरोप है कि बदमाशों ने तब गोली मारी जब वह छठ पर्व के लिए घर लौट रहे थे। तभी घात लगाकर बदमाशों ने दिनदहाड़े गोली मारकर पड़ोसी देश नेपाल में फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच मामले की तफ्तीश में जुटे हैं।

घटना शनिवार की सुबह कुर्साकांटा थाना क्षेत्र के पोहसी पंचायत में उस समय हुई जब कार सवार अमित भगत को गोली मार दी गई। सिर में गोली लगने से गंभीर रूप से घायल अमित की पूर्णिया ले जाने के दौरान रास्ते में मौत हो गई। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर जिलेभर में उत्सव और तैयारियों का माहौल है, वहीं दूसरी ओर लगातार हो रही आपराधिक वारदातों ने पुलिस की कार्यशैली और जिले की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

घटना के संबंध में मृतक के रिश्तेदार देवेंद्र नाथ भगत ने बताया कि अमित भगत अपने चार पहिया



वाहन (बीआर 38 क्यू 8467) से पहुंसी गांव की ओर जा रहे थे। इसी दौरान बलचंदा की ओर से आ रही बोलेरो पिकअप (बीआर 11 जी-5613) से उनकी कार में पहले जोरदार टक्कर मारा फ़िर। इसको लेकर विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई। इसी दौरान पिकअप की ओर से आए हमलावरों ने पिस्टल निकालकर फायरिंग कर दी।

गोली लगते ही वह गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े। घटना के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। गोलीबारी की आवाज सुनकर स्थानीय लोग घटनास्थल की ओर दौड़े। कुछ ही देर में वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के बीच घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं होने लगी। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से स्थानीय लोग सहम गए। लोगों ने तत्काल पुलिस को इसकी सूचना दी।

सूचना मिलते ही कुआरी थानाध्यक्ष विकास कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए घायल अमित भगत को इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुर्साकांटा पहुंचाने में मदद की। वहां से उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए पूर्णिया ले जाया जा रहा था। परिजनों के अनुसार, पूर्णिया जाने के क्रम में रास्ते में ही अमित भगत ने दम तोड़ दिया। उनकी मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

हत्या की सूचना के बाद पुलिस ने घटनास्थल को सुरक्षित कर जांच शुरू की। मौके की बारीकी से जांच के दौरान पिस्टल के दो खोखे बरामद किए गए। पुलिस ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य एकत्र किए। मामले की वैज्ञानिक जांच के लिए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए।

घटनास्थल पर बोलेरो पिकअप वाहन की मौजूदगी और उसकी भूमिका को लेकर भी जांच की जा रही है। पुलिस वाहन के नंबर और उससे जुड़े लोगों के संबंध में जानकारी जुटा रही है। इसके साथ ही वारदात के समय मौके पर मौजूद लोगों से भी पूछताछ किए जाने की बात सामने आई है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है, कि वाहन की टक्कर के बाद विवाद किस बात को लेकर बढ़ा और गोली चलाने में कौन-कौन लोग शामिल थे।

पीएनबी की डिजिटल कारोबार के विस्तार के जरिये गैर-ब्याज आय बढ़ाने की तैयारी

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र का अग्रणी बैंक, पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी), अपनी गैर-ब्याज आय में उल्लेखनीय वृद्धि करने के लिए डिजिटल कारोबार के विस्तार पर जोर दे रहा है। बैंक को उम्मीद है कि अगले वित्त वर्ष से क्रेडिट कार्ड और नकदी प्रबंधन सेवाओं से प्रत्येक तिमाही में लगभग 200-200 करोड़ रुपये का मुनाफा होगा, जिससे कुल 400 करोड़ रुपए का अतिरिक्त लाभ अर्जित किया जा सकेगा। पीएनबी के एक अे धिकारी ने बताया कि बैंक ने क्रेडिट कार्ड, आपूर्ति श्रृंखला वित्तपोषण और नकदी प्रबंधन सेवा के लिए अलग-अलग डिजिटल मंच तैयार किए हैं। उनका लक्ष्य है कि शुल्क आधारित आय में वृद्धि कर ट्रेजरी से होने वाली कमाई और ऋण वसूली से जुड़ी संभावित चुनौतियों का सामना किया जा सके। बैंक ने डिजिटल प्लेटफॉर्म शुरू होने के बाद अपने क्रेडिट कार्ड ग्राहकों की संख्या 6.04 लाख से बढ़ाकर लगभग 11 लाख कर दी है, जिसका लक्ष्य मार्च 2027 तक 13 लाख से अधिक करना है। वहीं, आपूर्ति श्रृंखला वित्तपोषण में नौ महीने में 5,200 करोड़ रुपये का बकाया पोर्टफोलियो बन चुका है। नकदी प्रबंधन सेवा से मौजूदा 130-140 करोड़ रुपये के तिमाही मुनाफे को भी 200 करोड़ रुपये तक बढ़ाने का लक्ष्य है। इन आय स्रोतों को बढ़ाने के साथ-साथ पीएनबी परिचालन लागत कम करने पर भी ध्यान दे रहा है। बैंक का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष में लागत-आय अनुपात को 50 प्रतिशत से नीचे और 2028-29 तक 45 प्रतिशत तक लाना है, जो वर्तमान में 50.38 प्रतिशत है। चंद्रा के अनुसार, ये पहल बैंक की समग्र लाभप्रदता में और सुधार करेंगी।

भारत-मिस्र ऊर्जा सहयोग पर जोर, गोयल ने अल्स्वेदी इलेक्ट्रिक से की मुलाकात

काहिरा ।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अपनी मिस्र यात्रा के दौरान 14 नवंबर को काहिरा में मिस्र की बहुराष्ट्रीय कंपनी अल्स्वेदी इलेक्ट्रिक के अध्यक्ष अहमद अल्स्वेदी से मुलाकात की। इस बैठक का उद्देश्य भारत-मिस्र के बीच व्यापारिक एवं निवेश सहयोग को नई दिशा देना और भारत में अल्स्वेदी इलेक्ट्रिक के लिए निवेश की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा करना था। गोयल ने सोशल मीडिया पर साझा किया कि बैठक के दौरान विद्युत उपकरण, स्मार्ट मीटर और डेटा केंद्र जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में साझेदारी मजबूत करने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने अल्स्वेदी को भारत के विशाल बाजार, तीव्र विकास और निवेश, नवोन्मेषण व कारोबार विस्तार के व्यापक अवसरों से अवगत कराया। बिजली केबल, समाधान और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत अल्स्वेदी इलेक्ट्रिक के लिए भारत एक आकर्षक गंतव्य हो सकता है। गोयल 132 सदस्यीय भारतीय कारोबारी प्रतिनिधिमंडल के साथ मिस्र के दो दिवसीय दौरे पर हैं।

जोमैटो-ब्लिंकइट की कंपनी ईवी लक्ष्य की समयसीमा पर पुनर्विचार करेगी



नई दिल्ली ।

जोमैटो और ब्लिंकइट की मूल कंपनी इटर्नल ने वर्ष 2030 तक अपने डिलिवरी बेड़े को 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) में बदलने के लक्ष्य पर पुनर्विचार शुरू कर दिया है। कंपनी ने व्यापार विस्तार, ईवी उपलब्धता और सरकारी नीतियों को इस बदलाव का मुख्य कारण बताया है। कंपनी की एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने स्वीकार किया कि मौजूदा परिस्थितियों में लक्ष्य हासिल करना चुनौतीपूर्ण है। जब लक्ष्य तय हुआ, तब 1.5 लाख सक्रिय पार्टनर थे, जो अब बढ़कर 12 लाख (जोमैटो व ब्लिंकइट) हो गए हैं। इस विस्तार ने ईवी बदलाव को जटिल बना दिया है। अब यह लक्ष्य केवल दोपहिया नहीं, बल्कि हाइपरप्योर के ट्रकों सहित पूरे इटर्नल समूह के बेड़े पर लागू होगा। इटर्नल हरित परिवहन के प्रति प्रतिबद्ध है और इसे आर्थिक रूप से भी लाभदायक मानती है। कंपनी के बेड़े में पहले से ही 12-13 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहन हैं, जो बाजार औसत से दोगुना है। कंपनी भागीदारों को प्रोत्साहन, किराये के विकल्प देकर इसे बढ़ावा दे रही है। हालांकि, अंजलि कुमार ने कहा कि 900 शहरों में लाखों भागीदारों के लिए भरोसेमंद व किफायती ईवी उपलब्ध कराना बड़ी चुनौती है। उन्होंने यह भी बताया कि ईवी नीतियां बनाते समय भागीदारों की आर्थिक स्थिति व आजीविका का ध्यान रखना अहम है। नए लक्ष्य की समयसीमा 2035 तक बढ़ाई जा सकती है, जिसका निर्णय ईवी नीति के क्रियान्वयन पर निर्भर होगा।

रेजरपे आईपीओ को मिली सेबी की मंजूरी, 6,500 करोड़ तक जुटाएगी कंपनी

2027 की पहली तिमाही में लिस्टिंग संभव, वित्त वर्ष 25 में राजस्व बढ़ा, लेकिन घाटा भी हुआ

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख फिनटेक कंपनी रेजरपे को आखिरकार शेयर बाजार में लिस्ट होने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से हरी झंडी मिल गई है। कंपनी का लक्ष्य इस आईपीओ के जरिए 5,500 से 6,500 करोड़ रुपए तक जुटाना है और इसकी लिस्टिंग 2027 की पहली तिमाही में होने की उम्मीद है। यह कदम फिनटेक सेक्टर में रेजरपे की बढ़ती साख और निवेशकों के लिए एक बड़ा अवसर प्रस्तुत करता है, हालांकि कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन में मजबूत राजस्व वृद्धि के साथ-साथ घाटा भी दर्ज किया गया है। सेबी की मंजूरी और वैल्यूएशन की स्थिति रेजरपे को हाल ही में सेबी से ड्राफ्ट आईपीओ दस्तावेजों पर अंतिम टिप्पणियां मिली थीं, जिसके बाद कंपनी अब अपनी लिस्टिंग की दिशा में आगे बढ़ सकती है। कंपनी ने जून में गोपनीय तरीके से ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस जमा किया था। बाजार में रेजरपे का संभावित वैल्यूएशन करीब 5 अरब डॉलर (लगभग 49,000-50,000 करोड़ रुपए) आंका जा रहा है, जो 2021 में मिले 7.5 अरब डॉलर के वैल्यूएशन से कम है। आईपीओ में 2,700 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल के जरिए अपनी हिस्सेदारी का कुछ हिस्सा बेच सकेंगे। एक्सिस कैपिटल, जेपी मॉर्गन, सिटी और कोटक महिंद्रा कैपिटल इस आईपीओ के प्रमुख सलाहकार हैं। बाजार का रुख और रेजरपे की रणनीति रेजरपे ऐसे समय में आईपीओ ला रही है, जब नई टेक कंपनियों की कमाई, ग्रोथ और वैल्यूएशन पर निवेशक कड़ी नजर रख रहे हैं। वॉलमार्ट समर्थित फोनपे जैसी कंपनियों ने भी बाजार की अनिश्चितता के कारण अपनी आईपीओ योजना टाल दी थी। 2014 में स्थापित, रेजरपे कारोबारियों को ऑनलाइन, ऑफलाइन और क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट सहित विभिन्न वित्तीय सेवाएं प्रदान करती है। कंपनी ने अपने ऑफलाइन पेमेंट कारोबार की रणनीति में बदलाव किया है,



जिससे लागत घटाने और मुनाफा बढ़ाने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा, कंपनी ने मई 2025 में अमेरिका से भारत मुख्यालय स्थानांतरित कर रिवर्स फ्लिप प्रक्रिया पूरी की है, जिससे भारतीय बाजार में लिस्टिंग का रास्ता साफ हो गया।

मुंबई में सीएनजी फिर महंगी, 91.50 रुपए प्रति किलो पहुंचा दाम

साल में आठवीं बढ़ोतरी, जनवरी से अब तक 11 रुपये महंगा हुआ ईंधन

नई दिल्ली ।

मुंबई और आसपास के इलाकों में कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की कीमतें एक बार फिर बढ़ गई हैं, जिसने वाहन चालकों की चिंता बढ़ा दी है। महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने रविवार, 15 नवंबर को सीएनजी के दाम में 1.50 रुपये प्रति किलोग्राम का इजाफा किया, जिसके बाद अब इसका खुदरा मूल्य 91.50 रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। ये नई दरें 14 नवंबर की आधी रात से लागू हो गई हैं। यह इस साल की आठवीं वृद्धि है। जनवरी में 80.50 रुपये प्रति किलोग्राम रही सीएनजी की कीमत में अब तक कुल 11 रुपये प्रति किलोग्राम का इजाफा हुआ है, जो लगभग 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाता है। इस वृद्धि से मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (एमएमआर) में लगभग 12.93 लाख सीएनजी वाहनों, जिनमें ऑटो-रिक्शा, टैक्सी और निजी गाड़ियां शामिल हैं, के मालिकों का ईंधन खर्च बढ़ जाएगा। महानगर गैस लिमिटेड ने कीमतों में बढ़ोतरी की वजह गैस खरीदने की बढ़ती लागत, घरेलू प्राकृतिक गैस के कम आवंटन और आयातित रीगैसिफाइड लिक्विफाइड नेचुरल गैस पर बढ़ती निर्भरता को बताया है। कंपनी के अनुसार, मध्य पूर्व में जारी संकट और वैश्विक ऊर्जा बाजारों में उतार-चढ़ाव ने उनकी इनपुट लागत को काफी बढ़ा दिया है। एमजीएल ने कहा कि यह बढ़ोतरी लागत के बढ़ते बोझ को कुछ हद तक कम करने और सीएनजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए की गई है। कंपनी लागत नियंत्रण के प्रयास जारी रखने का दावा कर रही है।

टाटा स्टील 27 तक एनआईएनएल विलय पूरा करेगा

40 हजार करोड़ रुपए के विस्तार का मार्ग प्रशस्त

नई दिल्ली ।

टाटा स्टील वित्त वर्ष 2026-27 तक नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल) का अपने साथ विलय करने की प्रक्रिया पूरी करने की तैयारी में है। कंपनी के एक कार्यकारी निदेशक ने बताया कि इस रणनीतिक कदम से ओडिशा में 40,000 करोड़ रुपये के निवेश से इस्पात उत्पादन क्षमता के बड़े विस्तार का मार्ग प्रशस्त होगा।

कार्यकारी निदेशक चटर्जी ने पुष्टि की कि विलय प्रक्रिया तय कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ रही है। हालांकि, इसे राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की अंतिम मंजूरी का इंतजार है, जिसकी सुनवाई इसी महीने के अंत में प्रस्तावित है। विलय की मंजूरी मिलते ही टाटा स्टील एनआईएनएल की मौजूदा 10 लाख टन सालाना क्षमता में करीब 50 लाख टन की अतिरिक्त क्षमता जोड़ेगी। यह 40,000 करोड़ रुपए का विस्तार मुख्य रूप से लंबे इस्पात उत्पादों, जैसे सरिया, के उत्पादन पर केंद्रित होगा। टाटा स्टील ने जुलाई 2022 में 12,100 करोड़ रुपए में एनआईएनएल का अधिग्रहण किया था। एनआईएनएल केंद्र सरकार की निजीकरण प्रक्रिया के तहत निजी हाथों में जाने वाली पहली सरकारी इस्पात कंपनी थी। यह विलय टाटा स्टील की ओडिशा में अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने और इस्पात कारोबार को मजबूत करने की रणनीति का अहम हिस्सा है।

माइक्रोसॉफ्ट की ग्लोबल सेवाएं बहाल, 24 घंटे बाद मिली राहत

आउटलुक, टीम्स, माइक्रोसॉफ्ट 365 जैसी प्रमुख सेवाएं प्रभावित

नई दिल्ली ।

माइक्रोसॉफ्ट ने शनिवार को घोषणा की कि उसकी सभी कंज्यूमर और एंटरप्राइज सेवाएं, जो 24 घंटे से अधिक समय से एक वैश्विक तकनीकी रुकावट के कारण बाधित थीं, अब पूरी तरह से बहाल कर दी गई हैं। इस आउटेज ने दुनिया भर के लाखों उपयोगकर्ताओं को प्रभावित किया, जिन्हें आउटलुक, टीम्स और माइक्रोसॉफ्ट 365 कोपायलट जैसी आवश्यक सेवाओं तक पहुँचने में गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ा। तकनीकी दिग्गज माइक्रोसॉफ्ट ने अपनी सभी उपभोक्ता और उद्यम सेवाओं की पूर्ण बहाली की पुष्टि की है, जिससे 24 घंटे से अधिक समय तक चली एक वैश्विक तकनीकी बाधा समाप्त हो गई है। कंपनी के सर्विस स्टेटस पेज पर सभी सेवाएं बहाल का संदेश पोस्ट किया गया, जो दुनिया भर में लाखों उपयोगकर्ताओं के लिए राहत की बात है। यह समस्या गुरुवार को शुरू हुई और शुक्रवार तक कई देशों में व्यवसायों, सरकारी एजेंसियों और व्यक्तिगत उपयोगकर्ताओं को प्रभावित करती रही। आउटलुक, टीम्स, माइक्रोसॉफ्ट 365 कोपायलट, शेयरपॉइंट ऑनलाइन और अन्य



क्लाउड-आधारित सेवाओं तक पहुंचने में कठिनाइयों के कारण ईमेल सेवाएं बाधित हुईं, वर्चुअल मीटिंग्स पर असर पड़ा और महत्वपूर्ण कार्यों में बाधा आई। माइक्रोसॉफ्ट ने इस वैश्विक आउटेज के लिए अपने ग्राहकों और साझेदारों से गहरा खेद व्यक्त किया है। कंपनी ने स्पष्ट किया कि यह एक तकनीकी समस्या थी, जिसका साइबर हमले या एआई एजेंट्स से कोई लेना-देना नहीं था।

यह खराबी नेटवर्क क्षमता को बढ़ाने (नेटवर्क कैपेसिटी अपग्रेड) के दौरान आई, जो हाल ही में किए गए एक नेटवर्क बदलाव के बाद सामने आई।

केडब्ल्यू ग्रुप ने गाजियाबाद में खरीदी 1.5 एकड़ जमीन

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट सेक्टर की प्रमुख कंपनी केडब्ल्यू ग्रुप ने उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद स्थित इंदिरापुरम में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कंपनी ने नीलामी के जरिए 134 करोड़ रुपए में 1.5 एकड़ (लगभग 5,965 वर्ग मीटर) फ्रीहोल्ड जमीन का अधिग्रहण किया है। इस भूखंड पर समूह एक अल्ट्रा-लग्जरी आवासीय परियोजना विकसित करने की योजना बना रहा है। केडब्ल्यू ग्रुप द्वारा गाजियाबाद के स्थानीय विकास प्राधिकरण से खरीदी गई यह जमीन इंदिरापुरम में एक रणनीतिक स्थान पर है।

इस परियोजना में करीब पांच लाख वर्ग फुट क्षेत्र के विकास की संभावना है, जिसका अनुमानित सकल विकास मूल्य (जीडीवी) 877 करोड़ रुपए आंका गया है। इसे ब्लैकस्टोन समर्थित एएसके प्रॉपर्टी फंड से 150 करोड़ रुपए का निवेश समर्थन भी प्राप्त है। केडब्ल्यू ग्रुप के एक अे धिकारी ने बताया कि इंदिरापुरम में अल्ट्रा-लग्जरी आवास की कमी थी, जिसके लिए खरीदारों को दिल्ली या नोएडा देखना पड़ता था। उनकी परियोजना इस अंतर को भरेगी और बड़े आकार के प्रीमियम आवास उपलब्ध कराएगी। वैधानिक स्वीकृतियां मिलते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

साइकिल के पुर्ज़े से एआई-सैटेलाइट तक सुनील मित्तल का 50 साल का बेमिसाल सफ़र

मोबाइल एआरपीयू 350 रुपए करने पर जोर; एआई, क्लाउड और सैटेलाइट पर एयरटेल का भविष्य केंद्रित

नई दिल्ली ।

लुधियाना में साइकिल के पुर्जे बनाने की छोटी इकाई से शुरू होकर सुनील भारती मित्तल का सफर आज भारती एयरटेल को दुनिया की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनियों में शामिल कर चुका है। समूह अपनी 50वीं वर्षगांठ मना रहा है, और इस मौके पर मित्तल ने कंपनी के तकनीकी भविष्य की महत्वाकांक्षी रूपरेखा पेश की है। उनका लक्ष्य एयरटेल को महज दूरसंचार सेवा प्रदाता से आगे बढ़ाकर एक व्यापक प्रौद्योगिकी कंपनी बनाना है, जिसके केंद्र में संपर्क हो और विस्तार कृत्रिम मेधा (एआई), डिजिटल वित्तीय सेवाओं, सॉवरेन क्लाउड और सैटेलाइट संचार तक हो। इस भविष्य की तस्वीर के साथ ही मित्तल ने एक स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत में मोबाइल सेवाओं की कीमतें बढ़नी चाहिए। उनके अनुसार, प्रति ग्राहक औसत राजस्व (एआरपीयू) बढ़कर 350 रुपए प्रतिमाह होना चाहिए, जो वर्तमान 271 रुपए से लगभग 29 फीसदी अधिक है। मित्तल ने बढ़ती परिचालन लागत और मोबाइल सेवाओं द्वारा प्रदत्त व्यापक सुविधाओं (बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य) का हवाला देते हुए इसे उचित ठहराया, जो प्रतिदिन 10-12 रुपये के खर्च पर उपलब्ध हैं। इस तकनीकी परिवर्तन को साकार करने के लिए भारत को अपने डिजिटल बुनियादी ढांचे में भारी निवेश की जरूरत है, जिसमें मोबाइल टावरों की संख्या दोगुनी करना और फाइबर नेटवर्क का विस्तार शामिल है। मित्तल ने



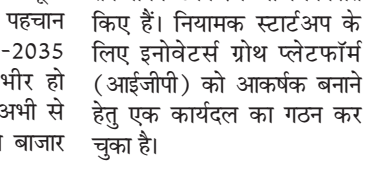
2016 में रिलायंस जियो के प्रवेश जैसे महाभारत के दौर को याद करते हुए तीन निजी और एक सरकारी दूरसंचार कंपनी के आदर्श मॉडल का समर्थन किया।

सेबी पूंजी बाजार में एआई इस्तेमाल के दिशानिर्देश जारी करेगा

निवेशक हित, पारदर्शिता व वित्तीय स्थिरता पर जोर

नई दिल्ली ।

पूंजी बाजार में कृत्रिम मेधा (एआई) के बढ़ते उपयोग को देखते हुए, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) जल्द ही विस्तृत दिशानिर्देश जारी करेगा। सेबी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि इनका उद्देश्य प्रौद्योगिकी नवोन्मेषण को बढ़ावा देने के साथ निवेशकों के हितों, बाजार की पारदर्शिता और वित्तीय स्थिरता की रक्षा करना है। उन्होंने बताया कि इन दिशानिर्देशों में एआई के उपयोग की जानकारी देना, निर्णयों की जवाबदेही तय करना और महत्वपूर्ण फैसलों में मानवीय निगरानी बनाए रखना सुनिश्चित किया जाएगा। सेबी ने इस विषय पर पहले भी एक परामर्श पत्र जारी किया था। सेबी प्रमुख ने वित्तीय संस्थानों व सोशल मीडिया धोखाधड़ी से बढ़ते साइबर खतरों पर भी बात की। नियामक अपनी साइबर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर रहा है, जिसके तहत मई में एक व्यवस्थित घटना-प्रतिक्रिया व्यवस्था शुरू की गई है। क्वांटम कंप्यूटिंग से संभावित खतरों के लिए सेबी मौजूदा कूटलेखन प्रणालियों की पहचान कर रहा है, क्योंकि 2032-2035 के बीच ये जोखिम गंभीर हो सकते हैं, जिसके लिए अभी से तैयारी जरूरी है। सेबी ने बाजार



निगरानी के लिए सुदर्शन जैसे तकनीकी उपकरण भी विकसित किए हैं। नियामक स्टार्टअप के लिए इनोवेटर्स ग्रोथ प्लेटफॉर्म (आईजीपी) को आकर्षक बनाने हेतु एक कार्यदल का गठन कर चुका है।

एफपीआई ने नवंबर में भारतीय शेयर बाजार में 84,290 करोड़ निवेश किया

वैश्विक एआई शेयरों में बिकवाली और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट बनी प्रमुख वजह

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने नवंबर महीने में जोरदार वापसी दर्ज की है। लगातार दो महीने की शुद्ध बिकवाली के बाद एफपीआई ने नवंबर के पहले पखवाड़े (2 से 13 नवंबर) में भारतीय इक्विटी बाजारों में 84,290 करोड़ रुपये का विशाल शुद्ध निवेश किया है। यह पूंजी प्रवाह वैश्विक स्तर पर कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में बिकवाली और कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट जैसे अनुकूल कारकों से प्रेरित है, जिसने निवेशकों का ध्यान भारत की ओर खींचा है।

पूंजी प्रवाह और कारणों का विश्लेषण डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, यह महत्वपूर्ण निवेश अक्टूबर में 34,843 करोड़ रुपये और सितंबर में 35,861 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी के बाद आया है, जो भारतीय बाजार के लिए एक बड़ा बदलाव है। इस ताजा निवेश के साथ, चालू वर्ष में भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशकों की कुल निकासी घटकर लगभग 2.1 लाख करोड़ रुपये रह गई है, जो कुछ सप्ताह पहले करीब तीन लाख करोड़ रुपये थी।

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस वापसी के पीछे कई वैश्विक और घरेलू कारण हैं। वैश्विक स्तर पर कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में आई बिकवाली ने निवेशकों को प्रौद्योगिकी-केंद्रित बाजारों से हटकर अन्य बाजारों में निवेश के अवसर तलाशने पर मजबूर किया।

इसके अतिरिक्त, नवंबर के पहले सप्ताह में ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 13 प्रतिशत की गिरावट और इसका 97 डॉलर प्रति बैरल के आसपास आना भी भारतीय बाजार के लिए सकारात्मक रहा। बड़ी भारतीय कंपनियों के शेयरों का आकर्षक मूल्यांकन भी एक वजह है।

सरकारी ठेकों में कम बोली पर शिकंजा, 30 फीसदी से अधिक छूट पर होगी जांच

गुणवत्ता व पारदर्शिता पर जोर, बोलीदाताओं से मांगा जाएगा स्पष्टीकरण

नई दिल्ली ।

सरकारी ठेकों में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने हेतु वित्त मंत्रालय ने एक अहम कदम उठाया है। अब अनुमानित लागत से 30 फीसदी से अधिक कम मूल्य की बोली लगाने वाली कंपनियों की अनिवार्य रूप से जांच होगी। सरकारी खरीद में असामान्य रूप से कम बोली (एएलबी) की पहचान के लिए यह नई सीमा तय की गई है। वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग के नए दिशा-निर्देशों का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि केवल कम कीमत की प्रतिस्पर्धा में काम की गुणवत्ता और समयबद्धता प्रभावित न हो। ऐसे मामलों में, संबंधित सरकारी एजेंसी बोली लगाने वाली कंपनी से लिखित स्पष्टीकरण मांगेगी, जिसमें उसे इतनी कम लागत में कार्य पूरा करने का विस्तृत तरीका बताना होगा। आवश्यकता पड़ने पर विस्तृत लागत विश्लेषण भी मांगा जा सकता है। हालांकि, केवल



कम बोली लगाना सीधे अस्वीकृति का कारण नहीं बनेगा। जांच के दौरान यदि कंपनी यह साबित करने में विफल रहती है कि वह प्रस्तावित कीमत पर निर्धारित गुणवत्ता का काम करने में सक्षम है, तभी उसकी बोली रद्द की जा सकती है। पहले कम बोली की पहचान के लिए कोई निश्चित प्रतिशत नहीं था, जिससे विभिन्न विभागों में एकरूपता की कमी थी। सरकार का लक्ष्य प्रतिस्पर्धा को रोकना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि ठेका लेने वाली कंपनी प्रस्तावित कीमत पर निर्धारित गुणवत्ता के अनुरूप काम पूरा करे। यह नई व्यवस्था सरकारी खरीद में पारदर्शिता बढ़ाएगी और परियोजनाओं की गुणवत्ता तथा समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद करेगी।

10 दिनों में 8400 तक सस्ता हुआ सोना,चांदी 15000 लुढ़की

देवउठनी एकादशी से पहले बाजार में खुदरा मांग कमजोर

नई दिल्ली।

सोने और चांदी की कीमतों में रे विवार को कोई बदलाव नहीं हुआ है। हालांकि, पिछले 10 दिनों में इन कीमती धातुओं के भाव में भारी गिरावट दर्ज की गई है। इस दौरान 24 कैरेट सोना 8,400 रुपये तक और चांदी 15,000 रुपये प्रति किलो सस्ती हो चुकी है। यह गिरावट देवउठनी एकादशी से पहले कमजोर मांग और अंतरराष्ट्रीय बाजार में नरमी के कारण आई है, जिससे त्योहारों से ठीक पहले ग्राहकों को खरीदारी का अच्छा मौका मिल रहा है। पिछले 10 दिनों में सोने के भाव में बड़ी गिरावट पिछले 10 दिनों के आंकड़ों पर गौर करें तो, 5 नवंबर 2026 को 24 कैरेट सोना 1,46,170 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब घटकर 1,37,770 रुपये पर आ गया है, यानी 8,400 रुपये की बड़ी गिरावट।

इसी अवधि में 22 कैरेट सोना 7,700 रुपये सस्ता होकर 1,26,300 रुपये और 18 कैरेट सोना 6,300 रुपये सस्ता होकर 1,03,370 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है।

खास बात यह है कि 10 से 13 नवंबर के बीच लगातार चार दिनों तक सोने की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, जिससे खरीदारों को बड़ी राहत मिली है। चांदी भी 15,000 रुपए सस्ती, मांग में सुस्ती प्रमुख कारण सोने के साथ-साथ चांदी की कीमतों में भी बड़ी गिरावट आई है।

ट्रम्प इफेक्ट से दुनिया में बढ़ रही अनिश्चितता, अमेरिका की नीतियों से भारत सहित कई देशों के सामने नई चुनौती



कांतिलाल मांडोत

ट्रम्प शायद अमेरिकी राजनीति में अपनी अलग पहचान स्थापित करना चाहते हैं। उनकी इच्छा है कि उनके कार्यकाल को एक ऐसे राष्ट्रपति के रूप में याद किया जाए, जिसने अमेरिका की पुरानी नीतियों और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बदलने का प्रयास किया। इसके लिए वे व्यापार, आयात-निर्यात, आव्रजन, रोजगार और विदेश नीति जैसे विषयों पर लगातार नए फैसले ले रहे हैं। उनकी नीतियों का प्रभाव केवल अमेरिका तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया के अनेक देशों को इसका सामना करना पड़ रहा है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल ने दुनिया की राजनीति, व्यापार, अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। ट्रम्प की कार्यशैली अन्य अमेरिकी राष्ट्रपतियों से काफी अलग दिखाई देती है। उनकी नीतियों में अमेरिका फर्स्ट का सिद्धांत सबसे ऊपर है। वे चाहते हैं कि अमेरिका के हितों को प्राथमिकता मिले और दुनिया के दूसरे देश अमेरिकी शर्तों के अनुसार अपने फैसले करें। लेकिन सवाल यह है कि क्या किसी एक देश के हितों को सर्वोपरि रखकर वैश्विक व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाया जा सकता है? क्या अमेरिका की ताकत का अर्थ यह है कि वह जब चाहे दूसरे देशों के लिए नए नियम बना दे और उनसे उनका पालन करने की अपेक्षा करे?

ट्रम्प शायद अमेरिकी राजनीति में अपनी अलग पहचान स्थापित करना चाहते हैं। उनकी इच्छा है कि उनके कार्यकाल को एक ऐसे राष्ट्रपति के रूप में याद किया जाए, जिसने अमेरिका की पुरानी नीतियों और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बदलने का प्रयास किया। इसके लिए वे व्यापार, आयात-निर्यात, आव्रजन, रोजगार और विदेश नीति जैसे विषयों पर लगातार नए फैसले ले रहे हैं। उनकी नीतियों का प्रभाव केवल अमेरिका तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया के अनेक देशों को इसका सामना करना पड़ रहा है।

भारत और अमेरिका के संबंध लंबे समय से मजबूत रहे हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार, रक्षा, तकनीक, शिक्षा, अंतरिक्ष और सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति ट्रम्प के बीच भी अच्छे व्यक्तिगत संबंध रहे हैं। दोनों नेताओं की मुलाकातों और बातचीत में कई बार आपसी मित्रता और सहयोग की बात सामने आई है। भारत ने अमेरिका की टैरिफ नीति को लेकर भी संयमित रुख अपनाया। प्रधानमंत्री मोदी ने सार्वजनिक रूप से व्यक्तिगत टकराव का रास्ता नहीं चुना। इसके बावजूद अमेरिका की नीतियों के कारण भारत को कई बार नई परिस्थितियों का सामना करना पड़ा है।

इसका ताजा उदाहरण अमेरिकी कंपनी आईबीएम का फैसला है। आईबीएम ने अपने सबसे बड़े विभाग आईबीएम कंसल्टिंग में अधिकांश पदों के लिए अमेरिकी कार्य वीजा और ग्रीन कार्ड की प्रायोजन प्रक्रिया बंद करने का निर्णय लिया है। इस विभाग में डेढ़ लाख से अधिक कर्मचारी काम करते हैं। प्रभावित कर्मचारियों के सामने अमेरिका से बाहर



स्थित आईबीएम कार्यालय में काम जारी रखने अथवा वर्ष के अंत तक कंपनी छोड़ने का विकल्प बताया गया है। हालांकि कंपनी ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि कुल कितने कर्मचारी इस फैसले से प्रभावित होंगे। इसलिए डेढ़ लाख वीजा बंद होने या 40 हजार भारतीयों के प्रभावित होने के आंकड़े को निश्चित संख्या मानना उचित नहीं होगा।

यह फैसला भारतीय पेशेवरों के लिए चिंता का विषय है। अमेरिका में भारत के हजारों प्रतिभाशाली युवा सूचना प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, अनुसंधान और प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। एच-1बी वीजा के माध्यम से भारतीय विशेषज्ञों को अमेरिकी कंपनियों में रोजगार मिलता रहा है। अनेक भारतीयों ने अपनी मेहनत, योग्यता और प्रतिभा के दम पर अमेरिकी तकनीकी उद्योग में महत्वपूर्ण स्थान बनाया है। उनके योगदान को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

एच-1बी वीजा और ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया में सख्ती का असर केवल कर्मचारियों पर नहीं पड़ता, बल्कि कंपनियों की कार्यप्रणाली और वैश्विक प्रतिभा के आदान-प्रदान पर भी पड़ता है। अमेरिकी प्रशासन का तर्क है कि विदेशी कर्मचारियों की नियुक्ति के बजाय अमेरिकी नागरिकों को रोजगार के अधिक अवसर मिलने चाहिए। यह किसी भी सरकार की अपनी रोजगार नीति हो सकती है। लेकिन यह भी समझना जरूरी है कि आधुनिक तकनीकी उद्योग केवल राष्ट्रीय सीमाओं के आधार पर नहीं चलता। इसमें दुनिया के अलग-अलग देशों के विशेषज्ञों का योगदान रहता है।

आईबीएम का फैसला ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी प्रशासन विदेशी पेशेवरों की नियुक्ति और ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया पर अधिक निगरानी कर रहा है। अक्टूबर में माइक्रोसॉफ्ट, एडोबी, इंफोसिस, टीसीएस और कॉग्निजेंट सहित कई कंपनियों की ग्रीन कार्ड संबंधी श्रम प्रमाणन प्रक्रिया को भी अमेरिकी प्रशासन ने निलंबित किया था। इसके अतिरिक्त नए एच-1बी आवेदनों पर एक लाख डॉलर का शुल्क लगाने का फैसला भी विदेशी पेशेवरों और कंपनियों के लिए चिंता का कारण बना है।

ट्रम्प प्रशासन में स्टीफन मिलर की भूमिका भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। उन्हें 6 नवंबर को व्हाइट हाउस का नया चीफ ऑफ स्टाफ नियुक्त किया गया। वे लंबे समय से ट्रम्प की सख्त आव्रजन नीतियों के प्रमुख समर्थक और रणनीतिकार रहे हैं। उनकी नियुक्ति के बाद आव्रजन नीति में और सख्ती की आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं।

भारत के सामने अब एक महत्वपूर्ण प्रश्न है कि वह अपने प्रतिभाशाली युवाओं के भविष्य और आर्थिक हितों की रक्षा कैसे करे। भारत को अमेरिका के साथ अपने संबंधों में संतुलन बनाए रखते हुए भारतीय पेशेवरों के हितों का मुद्दा मजबूती से उठाना चाहिए। साथ ही कनाडा, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस और यूरोप के अन्य देशों में रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने की दिशा में भी प्रयास करने चाहिए। भारतीय प्रतिभाओं के लिए नए अवसर तलाशना समय की आवश्यकता है।

भारत को अपनी तकनीकी क्षमता, शोध, नवाचार और घरेलू उद्योगों को भी मजबूत करना होगा। देश में ऐसी परिस्थितियां बनानी होंगी कि विदेशों में काम करने वाले प्रतिभाशाली युवा भारत लौटकर यहां भी बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें। प्रतिभा का पलायन रोकने के लिए रोजगार, सम्मानजनक वेतन और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना जरूरी है।

यह भी ध्यान रखना होगा कि अमेरिका और भारत के संबंध केवल वीजा या व्यापार तक सीमित नहीं हैं। दोनों देशों के बीच रक्षा, सुरक्षा, आतंकवाद से मुकाबला और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषय जुड़े हैं। इसलिए किसी एक मुद्दे पर मतभेद होने का अर्थ यह नहीं कि दोनों देशों के संबंधों में दरार आ जाए। कूटनीति का रास्ता संवाद और आपसी सम्मान से निकलता है।

ट्रम्प को भी समझना होगा कि अमेरिका की आर्थिक और तकनीकी शक्ति में दुनिया के दूसरे देशों की प्रतिभाओं का बड़ा योगदान है। विदेशी पेशेवरों के लिए रास्ते बंद करने से कुछ अमेरिकी नागरिकों को रोजगार के अवसर मिल सकते हैं, लेकिन इससे अमेरिकी कंपनियों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता और वैश्विक सहयोग भी प्रभावित हो सकता है।

दुनिया किसी एक देश के आदेश से नहीं चल सकती। अंतरराष्ट्रीय संबंध विश्वास, सहयोग और परस्पर सम्मान पर आधारित होते हैं। अमेरिका एक शक्तिशाली देश है, लेकिन उसकी नीतियों का असर दूसरे देशों के नागरिकों और अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ता है। इसलिए उसे अपने फैसले लेते समय वैश्विक परिस्थितियों और दूसरे देशों के हितों का भी ध्यान रखना चाहिए।

भारत को न तो अनावश्यक टकराव का रास्ता अपनाना चाहिए और न ही अपनी चिंताओं को नजरअंदाज करना चाहिए। मित्रता का अर्थ यह नहीं कि हर फैसले को बिना सवाल स्वीकार कर लिया जाए। भारत और अमेरिका के संबंध मजबूत बने रहें, लेकिन भारतीय हितों की रक्षा भी उतनी ही आवश्यक है। यही बदलती वैश्विक राजनीति में भारत की परिपक्व कूटनीति और आत्मनिर्भरता की असली परीक्षा होगी।

संपादकीय

सोनिया की 'राजनीतिक पटकथा'

राजनीतिक आत्मकथा कभी भी निजी संस्मरणों, घटनाओं, रिश्तों की कहानी नहीं हो सकती। उसमें राजनीतिक परिवेश के खुलासे भी होंगे। राजनीतिक समीकरणों के ब्यौरे भी होंगे। कई स्पष्टीकरण होंगे, तो कुछ राजनीतिक खंडन भी होंगे। सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बिलॉन्गिंग- ए जर्नी ऑफ लव' भी इसी श्रेणी में आती है। वह सबसे लंबे वक्त तक कांग्रेस अध्यक्ष रहीं। उन्होंने उस दौर का भी शीर्ष नेतृत्व किया, जब प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी और उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी की पार्टी भाजपा को देश ने जनादेश नहीं दिया। कांग्रेस 145 सीट के साथ सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी। सोनिया गांधी और प्रधानमंत्री पद उस दौर की सबसे महत्वपूर्ण 'राजनीतिक घटना' थी। भारत में सोनिया 21 साल की नवयुवा उम्र में आईं, राजीव गांधी से शादी की और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के घर की बहू बनी। यकीनन एक विदेशी लडकी के लिए वह समय कई तनावों, दबावों, प्रभावों और बंदिशों का होगा! सोनिया गांधी की उस निजता से देश का कोई सरोकार नहीं, लेकिन जब प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की उन्हीं के सुरक्षाकर्मियों ने, घर में ही, हत्या कर दी और बाद में मई, 1991 में सोनिया के पति एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का तमिलनाडु की एक जनसभा में कत्ल किया गया, तो ऐसी त्रासदियों के बाद एक बहू की मनःस्थिति क्या रही होगी? उस परिवार के भीतर एक अनदेखा-अघोषित खौफ बैठ गया होगा! सोनिया गांधी ने उस दौर और दिनों के बारे में मार्मिक लेखन किया है। हम 1975 के आपातकाल और 1984 के सिख-विरोधी दंगों जैसी घटनाओं को हाशिए पर रख सकते हैं, क्योंकि उस दौर में कई गुप्त बैठकें, संवेदनशील विचार-विमर्श और निर्णयों के समय के बारे में सोनिया गांधी नहीं जान सकती थीं। उन्होंने अपनी सास एवं तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के हाव-भाव, मनःस्थिति और प्रतिक्रियाओं को ही देखा होगा, लिहाजा उन्हीं के मद्देनजर उन्होंने टिप्पणी की है। दरअसल सोनिया गांधी 2004-मई, 2014 के दौरान देश की सत्ता और सियासत के सातवें आसमान पर थीं, लिहाजा उनकी किताब और सियासी पटकथा का वह 'चरम-काल' था। कांग्रेस को 145 और भाजपा को 138 सीट मिली थीं। बहुमत से दोनों ही बहुत दूर थीं। तब सोनिया गांधी ने वामदलों, सपा, राजद, द्रमुक आदि दलों के साथ यूपीए गठबंधन बनाया और 10 साल तक देश के शासन पर वह काबिज रहा। सोनिया गांधी कभी प्रधानमंत्री बन ही नहीं सकती थीं, क्योंकि राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने स्पष्ट कर दिया था कि वह 'विदेशी' होने के कारण उन्हें प्रधानमंत्री पद की शपथ नहीं दिलाएंगे। राष्ट्रपति ने संविधान के कुछ प्रावधानों का भी उल्लेख किया था। एपीजे अब्दुल कलाम ने इस घटनाक्रम का जिक्र अपनी एक किताब में भी किया है। यही नहीं, सपा अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव, एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार आदि ने भी राष्ट्रपति से मिल कर सोनिया के 'संभावित प्रधानमंत्रित्व' का जोरदार विरोध किया था। हमने उस दौर के हरेक घटनाक्रम को कवर किया था और खबरें लिखी थीं। डॉ. मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री के तौर पर चुनना सोनिया गांधी की राजनीतिक मजबूरी थी, क्योंकि वह ही 'सबसे वफादार' चेहरा लगे थे। उन्होंने देश में जो आर्थिक सुधार लागू किए थे, उनसे अर्थव्यवस्था में 'जादुई बदलाव' दिखने लगे थे।

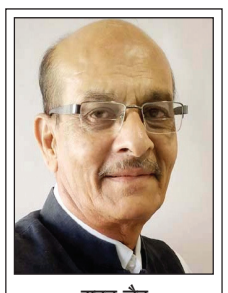
चिंतन-मनन

उपाय भी ठीक से हो

एक सास ने बहू से कहा, बहूरानी! मैं अभी बाहर जा रही हूं। एक बात का ध्यान रहे, घर में अंधेरा न घुसने पाए। बहू बहुत भोली थी। सास चली गई, सांझ होने को आई। उसने सोचा कि अंधेरा कहीं घुस न जाए, सारे दरवाजे बंद कर दिए। सब खिड़कियां बंद कर दीं। दरवाजे के पास लाठी लेकर बैठ गई। सोचा- दरवाजा खुला नहीं है, कोई खिड़की खुली है, कहीं भी कोई छेद नहीं। आएगा तो दरवाजा खटखटाएगा, लाठी लिए बैठी हूं, देखती हूं कैसे अन्दर आएगा। पूरी व्यवस्था कर दी। अंधेरा गहराने लगा। सोचा, कहां से आ गया! कहीं भी तो कोई रास्ता नहीं है। हो न हो दरवाजे से ही आ रहा है। अन्धकार को पीटना शुरू कर दिया। काफी पीटा कि निकल जाओ मेरे घर से! मेरी सास की मनाही है कि तुम्हें भीतर घुसना नहीं है! खूब लाठियां बजाई। लाठी टूटने लगी। हाथ छिल गए। लहूलुहान हो गए। अंधेरा तो नहीं गया। परेशान हो गई।

सास आई। दरवाजा खोला। कहा, यह क्या किया? मैंने कहा था कि अंधेरे को मत आने देना घर में। वह बोली, देखो, मेरे हाथ देख लो। लहूलुहान हो गए। लाठी टूट गई। मैंने बहुत समझाया, बहुत रोका, पर इतना जिद्दी है कि माना ही नहीं और यह तो घुस ही गया। सास ने सिर पर हाथ रखा। कहा, बहूरानी! अंधेरे को ऐसे मिटाया जाता है? क्या अंधेरा ऐसे मिटता है? समझी नहीं तुम बात को। सास ने दीया जलाया, अंधेरा समाप्त हो गया। उपाय के बारे में हमारी जानकारी सही नहीं होती तो हम प्रयत्न तो करते हैं, परिश्रम करते हैं, पर अंधेरा मिटता नहीं।

लोकसभा का चुनाव वेध या अवैध?



सनत जैन



भारत की राजनीति में चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर चल रहा विवाद अब एक नए मोड़ पर पहुंच गया है। अभी तक कांग्रेस और विपक्षी दल मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मोर्चा खोलकर एसआईआर प्रक्रिया का विरोध कर रहे थे। लेकिन अब राहुल गांधी ने 2024 के लोकसभा चुनाव की वैधता पर ही सवाल खड़ा कर दिया है। हैदराबाद में आयोजित भारत समिट में विदेशी प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, 2024 का लोकसभा चुनाव निष्पक्ष और वैध नहीं था। यह आरोप भारतीय लोकतंत्र और चुनावी व्यवस्था के लिए एक गंभीर राजनीतिक चुनौती बनकर सामने आया है। राहुल गांधी ने अपने संबोधन में चुनावी प्रक्रिया में सॉफ्टवेयर के कथित दुरुपयोग, मतदाताओं की संख्या में बदलाव, मतदान प्रतिशत के आंकड़ों और चुनाव आयोग के सिस्टम के केंद्रीकरण जैसे मुद्दे प्रमाणों के साथ उठाए हैं। उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट और सामने आए विभिन्न प्रमाणों का हवाला देते हुए आरोप लगाया। चुनाव से पहले ही सॉफ्टवेयर के माध्यम से मतदाता सूची और चुनावी आंकड़ों में हेरफेर की गई थी। उनका दावा है, चुनावी व्यवस्था में बदलाव करके परिणामों को प्रभावित किया गया। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र जांच और न्यायिक पुष्टि नही है। भाजपा और चुनाव आयोग की ओर से इन आरोपों पर तथ्यात्मक जवाब देखकर राहुल गांधी के आरोपों का अब सार्वजनिक रूप से खंडन करना होगा। राहुल गांधी ने यह भी आरोप लगाया, भाजपा ने 2014 के बाद से चुनाव जीतने के लिए अरबों रुपये खर्च किए। एसआईआर के माध्यम से लगभग 14 करोड़ मतदाताओं के मतदान का अधिकार छीन लिया है।

सवाल यह है कि यदि मतदाता सूची, मतदान प्रक्रिया और चुनाव परिणामों को लेकर संदेह पैदा होता है, तो लोकतंत्र में जनता का विश्वास कैसे कायम रहेगा? दूसरी ओर, किसी चुनाव को अवैध घोषित करना केवल राजनीतिक आरोप से संभव नहीं है। इसके लिए संवैधानिक और न्यायिक प्रक्रिया में ठोस प्रमाण भी आवश्यक हैं। इस पूरे विवाद का दूसरा पहलू देश में बदलता राजनीतिक वातावरण है। पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और भाजपा के चुनावी प्रदर्शन ने भारतीय राजनीति को नई दिशा दी थी। अब महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, बढ़ते कर्ज और रोजमर्रा की आर्थिक परेशानियों ने आम आदमी की चिंताएं बढ़ाई हैं। जिस अच्छे दिन की उम्मीद के साथ जनता ने मोदी जी को समर्थन दिया था, वह उम्मीद और वास्तविक जीवन के अनुभवों के बीच अंतर को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं। नोटबंदी, जीएसटी और विभिन्न करों का बोझ भी आम जनता की चर्चा का विषय बन चुका है। पहले प्रधानमंत्री की सभाओं में उमड़ने वाली भीड़ और उनके प्रति दिखाई देने वाला विश्वास, भाजपा की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत था। अब विभिन्न मुद्दों पर जनता के आंदोलन और विरोध यह संकेत देते हैं, मतदाता पहले की तुलना में अधिक सवाल पूछ रहा है। जो स्वाभाविक परिवर्तन का संकेत है।

राहुल गांधी की राजनीति में पिछले कुछ समय में राजनीतिक तौर पर आक्रामकता और सक्रियता बढ़ी है। वे अब केवल कांग्रेस की राजनीतिक विरासत के सहारे नहीं, बल्कि चुनावी पारदर्शिता, संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और आम आदमी के अधिकारों जैसे मुद्दों को लेकर अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं। विदेशी मंचों और हाल ही में हैदराबाद की भारत समिट में भारतीय चुनाव व्यवस्था पर सवाल उठाने से यह बहस राष्ट्रीय सीमाओं से बाहर भी पहुंचने लगी है। लोकतंत्र में चुनाव आयोग, न्यायपालिका और कार्यपालिका जैसी संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता सबसे महत्वपूर्ण होती है। इन संस्थाओं पर सवाल उठना अस्वाभाविक नहीं है। आरोपों की निष्पक्ष जांच और प्रमाणों के आधार पर जवाब देना भी सरकार और संवैधानिक संस्थाओं के लिए उतना ही आवश्यक है। 2024 के लोकसभा चुनाव को वैध या अवैध बताने का अंतिम निर्णय राजनीतिक भाषणों से नहीं, बल्कि संविधान और कानून के अनुसार ही हो सकता है। सरकार को राहुल गांधी के आरोपों को केवल राजनीतिक बयान मानकर खारिज करने के बजाय तथ्यों के साथ जवाब देना चाहिए। लोकतंत्र में सरकार की सबसे बड़ी ताकत सत्ता नहीं, बल्कि जनता का विश्वास होता है। यदि यह विश्वास कमजोर होता है तो उसका राजनीतिक असर आने वाले चुनावों में दिखाई देना स्वाभाविक है। राहुल गांधी और विपक्ष ने जिस तरीके से जन संसद का आयोजन किया। जिस तरीके से रामलीला मैदान में आम जनता को जोड़ते हुए शक्ति प्रदर्शन किया है। इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता है। सरकार और संस्थाओं को जवाब देने के लिए सामने आना होगा।

पत्रकारिता, नैतिकता और लोकतंत्र की परीक्षा



योगेश कुमार गोयल



लोकतंत्र का ऑक्सीजन है प्रेस... अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बरकरार रखने तथा उसका सम्मान करने की प्रतिबद्धता व्यक्त करने के लिए प्रतिवर्ष 16 नवम्बर को 'राष्ट्रीय प्रेस दिवस' मनाया जाता है। वास्तव में यह दिवस एक वैधानिक और अर्ध-न्यायिक प्रतिष्ठान के रूप में भारतीय प्रेस परिषद को स्वीकार करने तथा सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है, जो देश में एक स्वतंत्र और जिम्मेदार प्रेस की उपस्थिति का प्रतीक है और इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य प्रेस की स्वतंत्रता के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना है। पत्रकारिता की नैतिकता और प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए भारत में प्रथम प्रेस आयोग ने 1956 में एक समिति की कल्पना की थी और 10 वर्ष बाद 4 जुलाई 1966 को भारतीय प्रेस परिषद की स्थापना की, जिसने 16 नवम्बर 1966 को अपना कार्य शुरू किया। उसी के बाद से प्रतिवर्ष 16 नवम्बर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। भारतीय प्रेस परिषद देश में स्वस्थ लोकतंत्र को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के अलावा विश्वसनीयता बरकरार रखने के लिए एक नैतिक प्रहरी के रूप में सभी पत्रकारिता गतिविधियों की निगरानी करती है तथा यह भी सुनिश्चित करती है कि देश में प्रेस किसी बाहरी मामले से प्रभावित न हो।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस वास्तव में प्रेस की स्वतंत्रता तथा समाज के प्रति उसकी जिम्मेदारियों का प्रतीक है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद-19 में भारतीयों को दिए गए अभिव्यक्ति की आजादी के मूल अधिकार से देश में प्रेस की स्वतंत्रता भी सुनिश्चित होती है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जहां प्रेस ने लोगों में राष्ट्रीय चेतना की भावना जागृत करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई, वहीं स्वतंत्रता के बाद भी अनेक अवसरों पर सिद्ध होता रहा है कि प्रेस के बिना भारतीय लोकतंत्र अधूरा है। पत्रकार को समाज का ऐसा आईना माना जाता रहा है, जो विपरीत परिस्थितियों में भी सच्चाई को सामने लाता है। भारत में प्रेस को जनता की एक ऐसी 'संसद' की उपाधि दी गई है, जिसका कभी सत्रावसान नहीं होता और जो सदैव जनता के लिए कार्य करती है। इसे समाज में परिवर्तन लाने अथवा जागृत करने के लिए जन-संचार का एक सशक्त माध्यम माना गया है। प्रेस को समाज की चिंतन प्रक्रिया का एक ऐसा अनिवार्य तत्व माना गया है, जो उसे दिशा व गति देने में सक्षम हो। इसे जनता की ऐसी आंख माना गया है, जो सभी पर अपनी पैनी और निष्पक्ष दृष्टि रखे। प्रेस को जनता की उंगली माना गया है, जो गलत कार्यों के विरोध में स्वतः ही उठ जाती है। प्रेस को समाज के प्रति पूर्ण समर्पण के रूप में देखा जाता है। इसे केवल एक पेशा न मानकर जनसेवा का सबसे बड़ा माध्यम माना गया है।

प्रेस की स्वतंत्रता के महत्व को दुनिया की कई महान् हस्तियों ने अपने-अपने शब्दों में रेखांकित किया है। पूर्व राष्ट्रपति डा. शंकर दयाल शर्मा के शब्दों में कहें तो प्रेस पर लोकतांत्रिक परम्पराओं की रक्षा करने और शांति व भाईचारा बढ़ाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने प्रेस की भूमिका पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि प्रेस का प्रथम उद्देश्य जनता की इच्छाओं और विचारों को समझना तथा उन्हें सही ढ़ंग से व्यक्त करना है जबकि दूसरा उद्देश्य जनता में वांछनीय भावनाओं को जागृत करना और तीसरा उद्देश्य सार्वजनिक दोषों को निर्भयतापूर्वक प्रकट करना है। संयुक्त राज्य अमेरिका के तीसरे राष्ट्रपति थॉमस जेफरसन के मुताबिक हमारी स्वतंत्रता प्रेस की स्वतंत्रता पर निर्भर करती है, जिसे खोये बिना सीमित नहीं किया जा सकता। अमेरिका के जाने-माने समाचार प्रस्तोता और विख्यात पत्रकार वाल्टर क्रोनकाइट का कहना था कि प्रेस की स्वतंत्रता केवल लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि यह लोकतंत्र है। अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी कहते थे कि एक राष्ट्र, जो अपने लोगों को एक खुले बाजार में सच्चाई और झूठ का न्याय करने से डरता है, वह एक ऐसा राष्ट्र है, जो अपने लोगों से डरता है। ब्रितानी कंजर्वेटिव पार्टी के राजनेता, लेखक तथा दो बार प्रधानमंत्री रहे बेंजामिन डिसरायली का कहना था कि प्रेस न केवल स्वतंत्र है बल्कि शक्तिशाली भी है और वह शक्ति हमारी है। नेल्सन मंडेला ने भी एक स्वतंत्र प्रेस को लोकतंत्र के स्तंभों में से एक बताया था। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने प्रेस की स्वतंत्रता को एक ऐसा अनमोल विशेषाधिकार बताया था, जिसे कोई भी देश नहीं छोड़ सकता।

प्रेस से जुड़े लोगों के कंधों पर समाज में स्वस्थ मानक स्थापित करने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है और चूंकि प्रेस को समाज का दर्पण माना गया है, अतः उस दर्पण में हम जनता को जो कुछ दिखाएंगे, वही उसे नजर आएगा। इसलिए प्रेस जगत के लोगों से समाज के हर वर्ग को यही उम्मीद होती है कि उनका चरित्र अच्छा हो, उनके लेखन में निष्पक्षता और पारदर्शिता हो तथा वे ऊंचे आचार सिद्धांतों को अपनाएं। कानून व्यवस्था की खामियों को प्रकाशित-प्रसारित करना, अपने प्रयासों से शासन को सुव्यवस्थित करना व लोक हितकारी बनाना, पथभ्रष्टों को सन्मार्ग पर लाना, भ्रष्ट तंत्र को चौकन्ना बनाना, असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखना, समाज के विभिन्न क्षेत्रों में पर्दे की ओट में होने वाले दुष्कृत्यों, अत्याचारों व अन्याय का जनहित में पर्दाफाश करना, समाज व मानवता के गुनाहगार चेहरों पर पड़े नकाब नोचकर जनता के सामने लाना, निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए धार्मिकता एवं राजनीति की आड़ लेने वालों के राज पर्दाफाश करना, समाज में स्वस्थ मानक स्थापित करना, लोक चेतना जागृत करना इत्यादि प्रेस के निम्नलिखित प्रमुख दायित्व माने गए हैं लेकिन यदि पत्रकार स्वयं भ्रष्ट व गैर जिम्मेदार होंगे तो न वे निष्पक्षता के साथ अपनी बात कहने में सक्षम होंगे और न ही समाज के सामने कोई आदर्श तस्वीर प्रस्तुत कर सकेंगे।

पत्रकार जनता का ऐसा प्रतिनिधि होता है, जो जनता द्वारा चुना तो नहीं जाता लेकिन उसकी समस्याओं को उसके चुने गए प्रतिनिधियों के सामने समाधान के लिए प्रस्तुत करने का बड़ा माध्यम होता है। अतः यदि प्रेस प्रतिनिधि समाज के कमजोर व शोषित वर्ग की आवाज उठाने के बजाय निहित स्वार्थों के चलते केवल सत्ता से ही प्रेम संबंध बनाने के प्रयासों में लगा रहेगा तो यह प्रेस की विश्वसनीयता के लिए ही घातक सिद्ध होता है। बहरहाल, राष्ट्र की स्वतंत्रता की रक्षा, समृद्धि व विकास, राष्ट्रीय अखंडता तथा जन जागरण की ओर अग्रणी रहने हेतु प्रेस को अपनी बहुआयामी भूमिका का निर्वहन करना होगा।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप के दूतों से 4 घंटे मिले पुतिन, फिर यूक्रेन पर समझौते से किया इनकार?

मास्को , एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए अपनी मांगों में बदलाव करने से इनकार कर दिया है. उन्होंने कहा कि रूस उन यूक्रेनी इलाकों पर अपना कब्जा छोड़ने को तैयार नहीं है, जिन्हें वह अपना हिस्सा मानता है. पुतिन ने यूक्रेन में दूसरे देशों की शांति सेना तैनात करने का भी विरोध किया. उनके मुताबिक, ऐसा करना युद्ध को खत्म करने के बजाय उसे जारी रखने जैसा होगा. गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ ने मॉस्को के क्रेमलिन में पुतिन से चार घंटे से ज्यादा बातचीत की. यह बैठक अबू धाबी में रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधियों के बीच दो दिन चली बातचीत के बाद हुई. इसके बाद अमेरिकी दूत आयरलैंड की राजधानी डबलिन पहुंचे और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को बातचीत की जानकारी दी. जेलेंस्की और कुशनर ने कहा कि रूस के साथ अगली बातचीत में यूरोपीय देशों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे. हालांकि, रूस ने अभी इस नए बातचीत प्रारूप की पुष्टि नहीं की है. रूस ने डोनेट्स्क, खेरसॉन, लुहांस्क और जापोरिज्जिया को अपना हिस्सा घोषित किया है. हालांकि, इन चारों क्षेत्रों पर उसका पूरा नियंत्रण नहीं है. यूक्रेन और पश्चिमी देश रूस के इस दावे को अवैध मानते हैं. पुतिन ने इन इलाकों पर नियंत्रण की मांग से पीछे हटने से इनकार कर दिया. पुतिन ने पूर्वी यूक्रेन के कोस्त्यंतिनिव्का शहर में थोड़े समय के लिए युद्धविराम और राहत अभियान चलाने का प्रस्ताव दिया. उनका दावा है कि वहां 400 से 500 आम नागरिक फंसे हैं. रूस ने पहले इस शहर पर कब्जे का दावा किया था, लेकिन यूक्रेन का कहना है कि वहां अब भी लड़ाई जारी है।

फ्रांस में बम की धमकी के बाद तीन स्कूल खाली कराए गए,

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में गुरुवार को बम की धमकी मिलने के बाद तीन स्कूलों को खाली कराया गया। हालांकि, बाद में जांच में ये सभी धमकियां झूठी निकलीं। फ्रांसीसी अखबार 'ले पेरिसियन' के मुताबिक, ये तीनों घटनाएं दक्षिणी फ्रांस के मार्सिले, पूर्वी फ्रांस के मोरेज और उत्तर-पूर्वी फ्रांस के लाओन शहर में हुईं। इन जगहों पर स्थित तीन शिक्षण संस्थानों को एहतियातन खाली कराया गया। फ्रांस के शिक्षा मंत्रालय ने बताया कि गुरुवार को बम की धमकी मिलने की तीन घटनाएं सामने आईं। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को कहा कि फ्रांस बम की धमकियों और चेतावनियों की बढ़ती घटनाओं को लेकर बेहद सतर्क है। चीन की समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, आयरलैंड की राजधानी डबलिन में नौवें यूरोपीय राजनीतिक समुदाय (ईपीसी) शिखर सम्मेलन से इतर पत्रकारों से बातचीत में मैक्रों ने कहा कि इन धमकियों के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के लिए अभी पर्याप्त सबूत नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि फिलहाल किसी विदेशी ताकत को इन घटनाओं के पीछे जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। ये घटनाएं पिछले कुछ दिनों में यूरोप के कई देशों में बम की धमकियां मिलने के बीच हुई हैं। इटली में भी कई स्कूलों को बम की धमकी वाले ईमेल मिले हैं। इतालवी अखबार 'कोरिएरे डेला सेरा' के मुताबिक, ऐसे स्कूलों की शुरुआती संख्या 1,803 बताई गई है।

ट्रम्प ने ईरान शांति वार्ता से जेडी वेंस को हटाया

कहा- उपराष्ट्रपति घरेलू मामलों पर ध्यान दें, डेमोक्रेटिक राज्यों में भ्रष्टाचार की जांच करें

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को ईरान के साथ शांति वार्ता से अलग कर दिया है। ट्रम्प ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर कहा कि वेंस अब अमेरिका के डेमोक्रेटिक पार्टी शासित राज्यों और शहरों में भ्रष्टाचार और अपराध की जांच पर ध्यान देंगे। ट्रम्प ने यह भी कहा कि अमेरिका को अब ईरान के साथ किसी समझौते की जरूरत नहीं है। वेंस ने ईरान से बातचीत की कोशिश की थी ट्रम्प ने इस साल की शुरुआत में ईरान के साथ बातचीत की जिम्मेदारी वेंस को दी थी। वेंस इस युद्ध के पक्ष में नहीं थे। अप्रैल में उन्होंने पाकिस्तान जाकर ईरानी नेताओं से कई घंटे बातचीत भी की थी, लेकिन कोई समझौता नहीं हो सका। हाल ही में वेंस ने एक बार फिर ईरान से बातचीत शुरू करने की कोशिश की थी। उन्होंने कतर के जरिए ईरान के बड़े नेता मोहसिन रजाई को पत्र भेजा था। इसमें जल्द ही दोनों देशों के अधिकारियों की बैठक कराने का प्रस्ताव दिया गया था। वेंस ने यह भी कहा था कि वे अमेरिकी टीम की अगुआई करेंगे। लेकिन अब ट्रम्प ने इस कोशिश को रोक दिया है।



वेंस ने ईरान युद्ध को चुनावी हार की वजह बताया था : अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा नुकसान हुआ है। चुनाव के बाद वेंस ने पार्टी की हार के लिए ईरान युद्ध को जिम्मेदार बताया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था, 'हमारी हार की वजह युद्ध है।' वेंस ने यह भी कहा था कि अगर किसी को लगता है कि युद्ध की वजह से अगले छह साल तक सीनेट का नियंत्रण गंवाना सही फैसला था, तो वह अपनी बात रख सकता है। वेंस के इस बयान को ट्रम्प प्रशासन की युद्ध नीति की आलोचना माना गया था। हालांकि, ट्रम्प ने कहा था कि उन्हें वेंस की बातों से कोई नाराजगी नहीं है। उन्होंने कहा था कि भले ही कई लोगों को वेंस की टिप्पणी पसंद नहीं आई, लेकिन उन्हें इससे कोई परेशानी नहीं है।

अब डेमोक्रेटिक राज्यों में भ्रष्टाचार की जांच करेंगे वेंस : ट्रम्प ने वेंस को डेमोक्रेटिक पार्टी के शासन वाले शहरों और राज्यों में भ्रष्टाचार और अपराध की जांच पर ध्यान देने को कहा है। अमेरिका के मिनेसोटा राज्य में धोखाधड़ी का एक बड़ा मामला सामने आया है। इस मामले में कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है।वेंस का कैरेबियाई और दक्षिण अमेरिकी देशों का दौरा भी रद्द कर दिया गया है। इस दौरे में डोमिनिकन रिपब्लिक, कोलंबिया, अर्जेंटीना और चिली जाना शामिल था। अधिकारियों के मुताबिक, इस दौरे की तैयारी अक्टूबर से चल रही थी। पहले डोमिनिकन रिपब्लिक का दौरा रद्द हुआ और फिर बाकी देशों की यात्रा भी रोक दी गई। ये सभी देश ट्रम्प प्रशासन के करीबी माने जाते हैं।

होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अब भी तनाव जारी : अमेरिका और ईरान के बीच बड़े सैन्य हमले फिलहाल रुके हुए हैं, लेकिन दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है। होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण को लेकर भी टकराव जारी है। यह समुद्री रास्ता दुनिया के सबसे अहम तेल मार्गों में से एक है। अमेरिका ने ईरान के तेल निर्यात को रोकने के लिए समुद्री नाकेबंदी कर रखी है। वहीं, अमेरिकी नौसेना के जहाज दूसरे देशों के तेल टैंकरों की आवाजाही सुरक्षित रखने के लिए गश्त कर रहे हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और सेना के बड़े अधिकारियों ने ट्रम्प को ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई तेज करने के विकल्प भी दिए हैं। यानी ट्रम्प के पास युद्ध को फिर बढ़ाने का विकल्प मौजूद है। हालांकि, हाल ही में एक इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा था कि अब उन्हें ईरान की परमाणु क्षमता को लेकर पहले जैसी चिंता नहीं है। यही परमाणु कार्यक्रम युद्ध शुरू करने की प्रमुख वजह बताया गया था।

ईरान ने होर्मुज खोलने के लिए शर्त रखी थी : करीब दो सप्ताह पहले ईरान ने कहा था कि अगर अमेरिका उसकी शर्तें मान ले तो वह दो दिन के भीतर होर्मुज स्ट्रेट खोल सकता है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी मिडटर्म चुनाव के बाद सोशल मीडिया पर लिखा था, 'अमेरिकी मतदाताओं ने अपना फैसला सुना दिया है। अब व्हाइट हाउस की बारी है।'

उन्होंने कहा था, अमेरिका और इजराइल ने मिलकर ईरान पर हमला किया था : अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को परमाणु हथियार बनाने का आरोप लगाते हुए ईरान पर हमले शुरू किए थे। इसके बाद ईरान ने भी जवाबी हमले किए और दोनों के बीच जंग शुरू हो गई। अप्रैल की शुरुआत में दोनों पक्षों के बीच सीजफायर हुआ, लेकिन यह ज्यादा समय तक नहीं चला। जून में फिर से सीजफायर और जंग खत्म करने को लेकर समझौता हुआ, लेकिन अगस्त में यह भी टूट गया और तनाव फिर बढ़ गया। अब जंग रोकने को लेकर बातचीत चल रही है।

तालिबान का अघोषित फरमान: पुरुष डॉक्टर नहीं करेंगे महिलाओं का इलाज

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान के अघोषित प्रतिबंधों ने महिलाओं के लिए बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं हासिल करना भी दूभर कर दिया है। 'द गार्जियन' और 'ज़ान टाइम्स' की एक संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार, पुरुष डॉक्टरों और दंत चिकित्सकों (डेंटिस्ट) द्वारा महिला मरीजों के इलाज पर लगी अनौपचारिक रोक ने महिलाओं को बेहद बेबस कर दिया है।

इसी साल ईरान से लौटी हेरात शहर की 37 वर्षीय फरीदा (बदला हुआ नाम) का परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। जुलाई की शुरुआत में दांतों के असहनीय दर्द के कारण वह एक डेंटल क्लिनिक गई। डॉक्टर ने डेंचर लगाने की सलाह दी और पूरा खर्च एडवांस में जमा करवा लिया। लेकिन तीसरे सेशन में, जब इम्प्लांट लगाया जाना था, उन्हें यह कहकर वापस भेज दिया गया कि अभी इलाज नहीं हो सकता, आप घर जाएं। दो दिन बाद क्लिनिक ने बताया कि पुरुष डेंटिस्ट अब महिलाओं का इलाज नहीं कर सकते। तीन महीने के बाद भी फरीदा का इलाज अधूरा है।

पाबंदियों का स्तर इस हद तक पहुंच गया है कि मई में उत्तरी बल्ख प्रांत के अधिकारियों ने सभी सरकारी और निजी अस्पतालों को निर्देश दिया कि महिला मरीजों को उनके असली नाम से न बुलाया जाए। यहां तक कि डॉक्टर के पर्चे पर भी महिलाओं के नाम की जगह 'बीबी' लिखने का आदेश दिया गया है। कुनार प्रांत की रहीमा (बदला हुआ नाम) बताती हैं कि उनकी एक बुजुर्ग रिश्तेदार इलाज के लिए भटकना पड़ा।

छापेमारी और जेल का खौफ : तालिबान सुरक्षा बल क्लिनिकों पर छापेमारी कर रहे हैं। पुरुष डॉक्टरों को चेतावनी दी गई है कि यदि क्लिनिक में महिला मरीज पाई गई, तो उन्हें जेल में डाल दिया जाएगा। एक सर्जन ने कहा कि उन्हें बिना महरम (पुरुष अभिभावक) के महिला मरीजों का इलाज न करने को कहा गया है।? फरवरी में तालिबान के संचार मंत्री हमदुल्लाह नोमानी ने दावा किया था कि इलाज करते समय पुरुष डॉक्टरों को 'महरम' ही माना जाएगा, लेकिन जमीनी हकीकत इसके ठीक विपरीत है। पूर्वी शहर जलालाबाद के एक डेंटल क्लिनिक में सहायक के रूप में काम करने वाली नरगिस (बदला हुआ नाम) बताती हैं कि कुछ डॉक्टर इलाज के दौरान बाहर एक व्यक्ति को पहरे पर रखते हैं। उनके डॉक्टर अक्सर मजाक में कहते हैं कि ऑफिस में एक 'चादरी' (अफगान बुर्का) रख लेनी चाहिए, ताकि तालिबान अधिकारियों के आने पर वह उसे पहन लें और पकड़े न जाएं।

महिला डॉक्टरों का संकट और तालिबान का दोहरा रवैया : दिसंबर 2024 से महिलाओं के मेडिकल संस्थानों में पढ़ने और अस्पतालों में महिला स्टाफ की भर्ती पर रोक लगने के कारण महिला डॉक्टरों की भारी कमी हो गई है। जो गिनी-चुनी महिला डॉक्टर काम कर रही हैं, उनके लिए भी महरम साथ रखना अनिवार्य है।

अमेरिकी रक्षामंत्री को डांटने वाले सैनिक को मेडल : हेगसेथ ने खुद सम्मानित किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को डांटने वाले सैनिक को खुद उन्होंने मेडल देकर सम्मानित किया है। सैनिक थॉमस इग्लेसियस ने 11 नवंबर को वेटरन्स डे के मौके पर युद्ध स्मारक के पास हेगसेथ और उनकी टीम को चुप रहने की हिदायत दी थी। उस समय टीम के कुछ लोग आपस में बात कर रहे थे और हंस रहे थे। गुरुवार को पेंटागन में हेगसेथ ने इग्लेसियस को जॉइंट सर्विस कमेंडेशन मेडल दिया। हेगसेथ ने सम्मान समारोह की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। उन्होंने लिखा, 'हम अपने सैनिकों से प्यार करते हैं। हमें अनुशासन और तय मानकों पर गर्व है। शाबाश स्पेशलिस्ट, अपना काम जारी रखो।

वेटरन्स डे के कार्यक्रम के बाद हुआ था पूरा मामला : यह घटना बुधवार को अमेरिका के सालाना वेटरन्स डे के मौके पर हुई थी। इस दिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ अर्लिंगटन नेशनल कब्रिस्तान पहुंचे थे। यहां शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के बाद हेगसेथ अपनी पत्नी जेनिफर औरतीन सलाहकार रिकी बुरिया, टैमी राडाबॉ और पैट्रिक वीवर के साथ अज्ञात सैनिक की समाधि (टॉम्ब ऑफ द अननोन सोल्जर) के सामने तस्वीरें खिंचवा रहे थे। इसी दौरान समूह में से किसी के हंसने की आवाज आई। कुछ लोग आपस में बात भी कर रहे थे। वहां ड्यूटी पर तैनात सैनिक थॉमस इग्लेसियस ने उन्हें तुरंत टोका। उन्होंने आवाज लगाकर कहा, 'सभी लोग हर समय शांति और सम्मान बनाए रखें।' इस घटना का वीडियो भी सामने आया था। वीडियो सामने आने के बाद पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता सीन पार्नेल ने सैनिक का समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि सैनिक ने सही और सम्मानजनक तरीके से सभी को वहां शांति बनाए रखने की याद दिलाई। यह अमेरिका के सबसे सम्मानित युद्ध स्मारकों में से एक है। यहां उन सैनिकों को दफनाया गया है, जिनकी युद्ध में मौत के बाद पहचान नहीं हो सकी थी। इनमें प्रथम विश्व युद्ध, द्वितीय विश्व युद्ध और कोरियाई युद्ध में मारे गए।

यूएई में बेकाबू ट्रक ने 23 वाहनों को टक्कर मारी, 3 भारतीयों समेत 14 की मौत

दुबई/ फुजैराह , एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह में गुरुवार देर रात एक बेकाबू ट्रक ने 23 वाहनों को टक्कर मार दी। हादसे में तीन भारतीयों समेत 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 लोग घायल हुए है। मरने वाले भारतीय केरल के मलप्पुरम जिले के एक ही परिवार के थे। इनमें जुड़वा भाई-बहन भी शामिल हैं। टक्कर के बाद कई गाड़ियों में आग लग गई। कुछ शव बुरी तरह जल गए हैं, इसलिए मृतकों की पहचान के लिए डीएनए जांच कराई जा रही है।



हादसे में 7 देशों के नागरिकों की मौत : यूएई के गृह मंत्रालय के मुताबिक, हादसे में मारे गए लोगों में यूएई, ओमान, भारत, ब्राजील, पाकिस्तान, जॉर्डन और मिस्र के नागरिक शामिल हैं। हादसे में घायल 30 लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया था। इनमें से करीब आधे लोगों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। बाकी का इलाज जारी है।

केरल सरकार ने मृतकों के परिवार की मदद के आदेश दिए हादसे में जान गंवाने वाले तीनों भारतीय की पहचान मुहम्मद अस्मिल, उनकी जुड़वा बहन मिस्ना जुबिन और मुहम्मद फैज के रूप में हुई है। केरल के मुख्यमंत्री वीडी. सतीशन ने पीड़ित परिवार की मदद के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने परिवार को जरूरी सहायता उपलब्ध कराने को कहा है। दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने भी भारतीय नागरिकों की मौत की पुष्टि की है। दूतावास ने कहा कि वह पीड़ित परिवारों के संपर्क में है और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर उन्हें हर संभव मदद दे रहा है। टक्कर के बाद गाड़ियों में आग फैली यूएई के गृह मंत्रालय के मुताबिक, हादसा फुजैराह शहर के एंट्री रूट पर आधी रात से कुछ समय पहले हुआ। सड़क पर ट्रैफिक धीमी गति से चल रहा था। इसी दौरान एक ट्रक के चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। ट्रक पहले एक वाहन से टकराया और फिर पलटकर सड़क पर धीमी रफ्तार से चल रहे या रुके हुए वाहनों से जा भिड़ा। टक्कर के बाद लगी आग तेजी से आसपास की गाड़ियों में फैल गई। हादसे में कुल 23 वाहन शामिल थे, जिनमें 18 कारें और 5 ट्रक थे। सूचना मिलते ही पुलिस, एंबुलेंस और सिविल डिफेंस की टीमें मौके पर पहुंचीं। बचावकर्मियों ने आग बुझाने, घायलों को निकालने और उन्हें अस्पताल पहुंचाने का काम किया।

एंट्री गेट पर धीमी रफ्तार वाहनों से जा टकराया ट्रक 23 गाड़ियां हुईं क्षतिग्रस्त : यूएई के गृह मंत्रालय के अनुसार, यह दुर्घटना फुजैराह के एंट्री गेट पर आधी रात से कुछ समय पहले हुई, जब सड़क पर वाहन धीमी गति से चल रहे थे। हादसे में कुल 23 वाहन शामिल थे, जिनमें पांच ट्रक भी थे। मंत्रालय ने बताया कि टक्कर लगते ही ट्रक में आग भड़क उठी, जो देखते ही देखते आसपास खड़े और फंसे हुए अन्य वाहनों तक फैल गई। आग की लपटों के कारण बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ।

मृतकों की पहचान के लिए डीएनए जांच, भारतीय दूतावास सक्रिय : अस्पताल में घायलों का उपचारः फुजैराह पुलिस ने जानकारी दी कि दुर्घटना में घायल हुए सभी 30 लोगों को तत्काल नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। आग में झुलसने के कारण मृतकों की शिनाख्त के लिए डीएनए जांच का सहारा लिया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक मृतकों में यूएई के कुछ स्थानीय नागरिक शामिल हैं। वहीं, यूएई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने पुष्टि की है कि इस हादसे में भारतीय नागरिकों की भी जान गई है।

देश में ऐसा एक भी स्मारक नहीं जिसमें आजादी की पहली लड़ाई को समर्पित सभी शहीदों को दिखाया गया हो: अनिल विज

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि 1857 में आजादी की पहली ल?ाई के दौरान अंग्रेजों द्वारा जिन क्रांतिकारियों को पेड़ों से टांग-टांग कर गोलियां मारी गईं, जिन पर कोल्हू चलवाए गए और गांव के गांव जला दिए गए, ऐसे सभी ज्ञान-अज्ञात शहीदों की आत्मा की शांति के लिए आज हमने शहीद स्मारक में हवन यज्ञ किया है और आज से ही शहीद स्मारक लोगों के लिए खुल गया है। लोग स्मारक में आकर शहीदों की कुर्बानियों की गाथायों को देख सकते हैं। श्री विज आज रविवार को अम्बाला छावनी में 1857 आजादी की पहली ल?ाई को समर्पित शहीद स्मारक में हवन यज्ञ के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 1857 की आजादी की लड़ाई कांग्रेस के जन्म से 28 साल पहले सारे देश में लड़ी गई थी, उसके इतिहास को भूला दिया गया था। उन शहीदों की याद में हमने अंबाला छावनी में एक भव्य शहीद स्मारक बनाया है और देश के गृह मंत्री श्री अमित शाह ने 5 नवंबर को इसका लोकार्पण कर दिया है। यह लड़ाई अंबाला छावनी से शुरू हुई थी और पूरे देश में ऐसा एक भी स्मारक नहीं है, जिसमें आजादी की पहली लड़ाई को समर्पित सभी शहीदों को दिखाया गया हो। उन्होंने बताया कि शहीद स्मारक में 23 गैलरी हैं और इसे देखने में लगभग 6 घंटे लगते हैं। यहां रात को लाइट एंड साउंड शो भी दिखाया जाएगा। इसमें एक गैलरी ऐसी बनाई गई है, जिसमें हर दर्शक जरूर जाए। वह गैलरी जहां सभी शहीदों को जाकर अपनी श्रद्धांजलि देंगे। यहां ऐसी व्यवस्था बनाई गई है कि श्रद्धांजलि देने वाले का नाम भी रजिस्टर होगा। उन्होंने यहां आने वाले लोगों से आह्वान किया कि लोग इस गैलरी में अवश्य जाएं और शहीदों के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए वहां श्रद्धांजलि अर्पित करें। ऊर्जा मंत्री ने बताया कि इस शहीदी स्मारक को बनाने में लगभग 600 करोड़ रुपये की लागत आई है और इसकी बुकिंग खुल गई है। अभी ट्रायल रन किया जा रहा है, इसलिए एक दिन में केवल 500 लोगों को शहीद स्मारक में जाने की अनुमति दी गई है। आज से यानी 15 नवंबर से 15 दिसंबर तक जो बुकिंग कराएगा, उसकी एंट्री फ्री है। बुकिंग ऑनलाइन भी हो रही है। उन्होंने बताया कि अभी जो बुकिंग हुई थी, उसमें कुछ लोगों ने बिना आधार कार्ड के बुकिंग कर दी थी, तो हमने उसे कैंसिल कर दिया था और उनके स्लॉट खाली हो गए थे। अब हमने आधार कार्ड अनिवार्य कर दिया है। अब बिना आधार कार्ड के बुकिंग नहीं होगी। इस महीने की कुछ सीटें खाली हो गई हैं। अगर लोग जाएंगे तो उनमें बुकिंग कर सकेंगे और जल्दी ही शुल्क बुकिंग भी शुरू कर देंगे। ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि हम चाहते हैं कि नया इतिहास, जो भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने लिखने का काम किया है, वह आने वाली पीढ़ी को जरूर दिखाया जाए क्योंकि पहले इनके बारे में गलत ही पढ़ाते थे। शहीदों के बारे में कभी बताया नहीं गया। उन्होंने कहा कि आजादी के लिए एक कदम भी किसी ने अपने घर से बाहर निकाला, तो वह उनके चरण स्पर्श करते हैं। मगर जिनको भुला दिया गया, उनकी याद में यह स्मारक बनाया गया है। वह चाहते हैं कि युवा पी ?ी इसे जरूर देखे। हमने सरकार को भी लिखा है कि सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों तथा कॉलेजों के बच्चों को यहां स्मारक दिखाने के लिए व्यवस्था की जाए। इसके उपरान्त श्री विज ने संग्रहालय में जाकर टिकटिंग व्यवस्था को भी परखा और यहां पर आजादी की पहली लड़ाई (इवेन्ट स्पोर्ट्स अम्बाला छावनी) यानी अम्बाला से जो आजादी की क्रांति शुरू हुई थी, उस पर आधारित फिल्म को देखा। उल्लेखनीय है कि यह फिल्म श्री अनिल विज द्वारा स्वयं बनाई गई। इस फिल्म में यह दर्शाया गया है कि आजादी की लड़ाई में अम्बाला से सम्बधिंत घटना में 135 लोग मारे गए थे, जिनमें से 33 बंदी थे।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

NAME CHANGE
I, ISHAAN ADARSH C/O TEJ BAHADUR SINGH R/O FLAT NO-672 POCKET-3, SHAHID BHAGAT SINGH APARTMENT, SECTOR-14, N.S.I.T. DWARKA, PO: N.S.I.T. DWARKA, SOUTH WEST DELHI, DELHI, 110078, I have changed my name from ISHAN TO ISHAAN ADARSH for all future purpose.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुव्वकिलान लियाकत अली पुत्र दौली और शरीफन पत्नी लियाकत अली निवासीगण डी-901, सेकेण्ड फलोर, जैतपुर एक्सटेंशन, पार्ट-2, बदरपुर, नई दिल्ली-110044 ने अपने पुत्र मो0 आसिफ और उसकी पत्नी शबाना (पुत्रवध) को उनके दुर्व्यवहार, गलत आचरण एवं नियंत्रण से बाहर होने के कारण अपने सभी पारिवारिक संबंध विच्छेद कर उनको अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। उनके किसी भी कृत्य, लेन देन या करार के लिए मेरे मुव्वकिलान जिम्मेदार नही होगें ।
रमजान ए.अंसारी एडवोकेट
Chamber No. 94, Patiala House Courts, New Delhi-110001

NAME CHANGE
I, hitherto known as Pushpendra Rawat S/O Devendar Tomar R/O Faridnagar Ishak Nagar Modinagar Thana Bhojpur, Ishaq Nagar, PO: Farid Nagar, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 245304, have changed my name and shall hereafter be known as ANKUR TOMAR.

NAME CHANGE
I, MOHAMMED NADEEM S/O MOHD HUSSAIN R/O HOUSE NO. 365, MAIN BAZAR, DELHI GATE, DARYA GANJ, NEW DELHI - 110002, HAVE CHANGED MY NAME SPELLING FROM MOHAMMAD NADEEM TO MOHAMMED NADEEM FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE
ASHA W/o SURINDER ARORA R/o W-150, FIRST FLOOR SEC-48,49 UPPAL SOUTHEND SOHNA ROAD GURGAON HARYANA-122018 HAVE CHANGED MY NAME TO ASHA ARORA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
SACHIN S/O RAJENDER SINGH R/O VILLAGE RAWTA KI DHANI Namol HARYANA-123023 HAVE CHANGED MY NAME TO SACHIN SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE
I, CHANDRIKA M mother of Army No-17014459W Rank-CFN Name-MANOJ M residing at VILL & POST-KUTHANUR, TEH-ALATHUR, DIST-PALAKKAD, KERALA-678721, have changed my name from CHANDRIKA M to CHANDRIKA for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 13/04/1970 instead of my correct date of birth as 01/01/1969 Vide Affidavit dated 14/11/2026 before Notary Public Delhi.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE
I, MOHANAN R father of Army No–17014459W Rank-CFN Name-MANOJ M residing at VILL & POST-KUTHANUR, TEH-ALATHUR, DIST-PALAKKAD, KERALA-678721, have changed my name from MOHANAN R to MOHANAN for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 22/04/1966, instead of my correct date of birth as 01/01/1967 Vide Affidavit dated 14/11/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, Rupa Malhotra W/O Tarun Malhotra R/O D-264, Ground Floor, Sarvodaya Enclave, Malviya Nagar, South Delhi-110017 Have Changed My Name to Rupa Dutt Malhotra for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I Km Neelam Tomar D/o Randhir Singh R/o Villege Santnagar, Binauli, Baghpat, Uttar Pradesh-250645 inform that Km Neelam Tomar and Neelam Tomar Both name are one and the same person.

NAME CHANGE
I Army No. JC294008M, Rank - Sub (DMT), Name - Umesh Yadav, legally father of AARYAN YADAV, Presently Residing At Vill. Hathora, Post. Rampur, Teh. Saidpur, Distt. Ghazipur, State - Uttarpradesh, Pin - 233223, have changed my minor son name AARYAN YADAV to ARYAN YADAV for all future purposes, Vide Affidavit dated 14/11/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I ALKA legally mother of Army No. JC294008M, Rank - Sub (DMT), Name - UMESH YADAV, Presently Residing At Vill. Hathora, Post. Rampur, Teh. Saidpur, Distt. Ghazipur, State - Uttarpradesh, Pin - 233223, have changed my name from ALKA to ALAKA YADAV for all future purposes, Vide Affidavit dated 14/11/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, CHANDRIKA M mother of Army No-17014459W Rank-CFN Name-MANOJ M Permanent address VILL & POST-KUTHANUR, TEH-ALATHUR, DIST-PALAKKAD, KERALA-678721, have changed my name from CHANDRIKA M to CHANDRIKA for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 13/04/1970 instead of my correct date of birth as 01/01/1969 Vide Affidavit dated 14/11/2026 before Notary Public Delhi

NAME CHANGE
I, MOHANAN R father of Army no – 17014459W Rank-CFN Name-MANOJ M Permanent address VILL & POST-KUTHANUR, TEH-ALATHUR, DIST-PALAKKAD, KERALA-678721, have changed my name from MOHANAN R to MOHANAN for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 22/04/1966, instead of my correct date of birth as 01/01/1967 Vide Affidavit dated 14/11/2026 before Notary Public Delhi

NAME CHANGE
I, Aarvi D/o Mangaram R/o Sarsawa, Binna Kheri, Sarsawa, Saharanpur, Uttar Pradesh- 247232, declare that my name has been wrongly written as Anjum in my Aadhar Card No-496969332946. The actual name of mine is Aarvi, which may be amended accordingly.

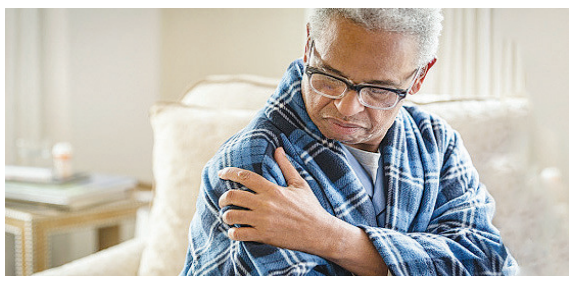
सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री वेद प्रकाश पुत्र स्वर्गीय गौतम सिंह, निवासी 6087, गली नं 1, ब्लॉक-2, देव नगर, करोल बाग, नई दिल्ली 110005, एक फ्रीहोल्ड आवासीय संपत्ति संख्या 3290, क्षेत्रफल 141-2/3 वर्ग गज या 118.72 वर्ग मीटर, खसरा संख्या 406/399/7, स्थित ग्राम शादीपुर, कॉलोनी रंजीत नगर, दिल्ली 110008, के मालिक व काबिज विक्रय पत्र दिनांक 23.09.2026, दस्तावेज संख्या 2026/22/I 12150, बुक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 32400, पृष्ठ संख्या 91 से 106, सब रजिस्ट्रार पटेल नगर, दिल्ली, निष्पादित कर्ता बृज मोहन सिंह पुत्र रिपुदमन सिंह, द्वारा मालिक व काबिज है। बृज मोहन सिंह, नोटरीकृत वसीयत दिनांक 15.07.2002, (न्यूयॉर्क में नोटरीकृत), जो श्रीमती रमिन्दर कौर द्वारा निष्पादित की गई, के द्वारा मालिक व काबिज थे। श्रीमती रमिन्दर कौर जिनकी मृत्यु 15.102002 को होने के पश्चात बृज मोहन, उक्त सम्पत्ति के मालिक व काबिज होने के पश्चात उक्त सम्पत्ति को मेरे मुवक्किल को बेचा। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। वर्तमान में, मेरे मुव्विकल कथित सम्पत्ति को गिरवी रख कर ऋण ले रहे है जो आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेन्स लि0, शाखा तृतीय तल, हंसालया बिल्डिंग, नं 15, बाराखंबा रोड, कनाट प्लेस, नई दिल्ली 110001, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेन्स लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति

जानकारी

तनाव से होने वाले गठिया के लक्षण और उपचार

अनुसंधानों द्वारा जब रूमेटाइड अर्थराइटिस में आघात और भावनात्मक संकट की भूमिका की जांच की गई तो पाया गया कि, आघात और भावनात्मक संकट या चिंता आदि रूमेटाइड अर्थराइटिस के लक्षणों को बद से बदतर बना सकते हैं। तनाव कई स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है, लेकिन क्या आघात या तनाव गठिया अर्थात रूमेटाइड अर्थराइटिस (rheumatoid arthritis) के विकास को गति प्रदान करता है? अनुसंधानो द्वारा जब रूमेटाइड अर्थराइटिस में आघात और भावनात्मक संकट की भूमिका की जांच की गई तो दोनों ही प्रश्नों का उत्तर 'हां' में मिला। चलिए जानते हैं-तनाव प्रेरित गठिया के लक्षण और इसके उपचार क्या हैं।

शोध करता है पुष्टि



उदाहरण के लिए, वर्ष 2009 में सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के शोधकर्ताओं ने एक शोध में पाया कि वे लोग जिनके बचपन में शारीरिक, भावनात्मक या यौन शोषण सहित दो या अधिक घटनाएं हुई हैं, उनमें बचपन में बिना किसी दुखद घटना वाले लोगों की तुलना में रूमेटाइड अर्थराइटिस होने का खतरा दो गुना अधिक होता है।

मानसिक तनाव रोग के परिणाम को कर सकता है प्रभावित

मिशिगन यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर, डैनियल क्लॉव के अनुसार कई अन्य अध्ययनों ने भी मानसिक तनाव और रूमेटाइड अर्थराइटिस के बीच संबंधों का वर्णन किया है। उनमें से एक में, नेब्रास्का यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने रूमेटाइड अर्थराइटिस से पीड़ित 1,522 अमेरिकी दिग्गजों के रिकॉर्ड का विश्लेषण किया। उन्होंने पाया कि रूमेटाइड अर्थराइटिस से पीड़ित वे लोग जिन्हें पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर था, उन्होंने बिना पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर वाले रूमेटाइड अर्थराइटिस के मरीजों की तुलना में दर्द होने, जोड़ों में अकड़न आने आदि समस्याओं की शिकायत की।

चिंता से लक्षण हो सकते हैं बद से बदतर

इसी वर्ष रूमेटिक डिजीज पर प्रकाशित एक डच अध्ययन के अनुसार, शोधकर्ताओं ने चिंता एवं रूमेटाइड अर्थराइटिस के लक्षणों के बीच संबंध पाया। यह जानने के लिए कि कैसे रोजाना का तनाव और चिंता, रूमेटाइड अर्थराइटिस के लक्षणों आदि को प्रभावित करते हैं, शोधकर्ताओं ने 80 रूमेटाइड अर्थराइटिस के मरीजों का छह महिनों का डाटा एकत्रित किया। इसमें मरीजों ने दैनिक तनाव के बारे में (उदाहरण के लिए, लंबे समय तक इंतजार, कुछ बेहद अजीज खो जाना आदि) तथा तनाव का स्तर तथा दर्द, थकान और बीमारी गतिविधि के लक्षण से संबंधति सवालों के जवाब दिए। शोधकर्ताओं ने इंफ्लेमेट्री साइटोकिन्स- टीएनएफ-अल्फा और इंटरल्यूकिन 1 बीटा (आईएल 1व) सहित तनाव हार्मोन- कोर्टिसोल के स्तर को मापने के लिए रक्त के नमूने भी लिए, क्योंकि ये भी रूमेटाइड अर्थराइटिस में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रमुख लेखक एंड्रिया डब्ल्यू एम एवर्स के अनुसार, परिणामों में पाया गया कि वे मरीज जिनमें अधिक चिंता करने की प्रवृत्ति होती है, एक महीने बाद उनमें जोड़ों में अधिक सूजन और दर्द देखा गया। तो इससे ये काफी हद तक साफ होता है कि चिंता गठिया के लक्षणों को बढ़ा करती है। इससे बचने सायकोलॉजिकल थेरेपी ली जा सकती हैं। बेहतर होगा कि आप ऐसे में किसी मनोवैज्ञानिक की मदद लें।

असल में क्या हैं फेफड़ों के कैंसर के शुरुआती लक्षण?

इन भ्रांतियों को भी दूर कर लें



इंडिया अगेंस्ट कैंसर की वेबसाइट के अनुसार, फेफड़ों के कैंसर का बड़ा कारण धूम्रपान है। धूम्रपान के कारण भारत में हर दिन 3500 लोग जान गंवा रहे हैं। धूम्रपान करने वाले किसी भी व्यक्ति को शुरुआती चरणों में किसी भी ट्यूमर को पकड़ने के लिए फेफड़े का सीटी स्कैन कराना चाहिए। लोगों को फेफड़ों के कैंसर की जांच के फायदों के बारे में ज्यादा जानने की जरूरत है। पहले जांच का कोई अच्छा तरीका नहीं हुआ करता था और अब सीएटी (CAT) स्कैन लो डोज रेडिएशन के साथ हर साल इस बात की चिंता दूर करता है कि फेफड़े ट्यूमर रहित हैं।

फेफड़ों के कैंसर का खतरा

भले ही फेफड़ों के कैंसर से होने वाली मौतों में कमी दिख रही हो, लेकिन यह भी सच है कि प्रोस्टेट, ब्रेस्ट और कोलोन कैंसर की तुलना में यह आज भी इंसानों की जान का ज्यादा बड़ा दुश्मन बना हुआ है। इसका एक कारण यह है कि इस बीमारी के बारे में बिल्कुल पता नहीं चलता और शुरुआती लक्षण नजरअंदाज हो जाते हैं। जब तक इसका पता चलता है ट्यूमर फैल जाता है और अक्सर घातक होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, भारत में मुंह और फेफड़ों के कैंसर से 25 फीसदी पुरुषों की असमय मौत हो जाती है। यहां इंसानों की जान का ज्यादा बड़े दुश्मन बने कैंसर के बारे में जानिए -

डॉ. उमर अफरोज के अनुसार, फेफड़ों की कोशिकाओं का अनियंत्रित होकर बढ़ना फेंफड़ों के कैंसर का कारण होता है। जैसे-जैसे कोशिकाओं की संख्या बढ़ती है, वे एक ट्यूमर बना देती है। यदि फेफड़ों का कैंसर शुरुआती चरणों में पकड़ा जाता है, तो यह वाकई अच्छी खबर है। ट्यूमर को ज्यादा बेहतर तरीके से हटाया जा सकता है। रोबोटिक सर्जिकल टूल्स का उपयोग करते हुए सर्जन फेफड़े के ट्यूमर को मिनिमली इन्वेसिव रीमूवल टेक्निक से हटा सकते हैं। हर फेफड़े का रीसेक्शन (फेफड़े के हिस्से को हटाना) इस तरह से नहीं किया जा सकता है। व्यक्ति के स्वास्थ्य और जटिलता को देखते हुए रोबोट सर्जरी रोगियों के लिए फायदेमंद हो सकती है। 55 साल से अधिक लोगों के लिए साल भर में एक बार फेफड़े के कैंसर की जांच की सलाह दी जाती है। विशेष रूप से उन्हें जो कि एक दिन में सिगरेट का एक पैकेट फूंक जाते हैं या पिछले 15 सालों से धूम्रपान कर रहे हैं, जो लोग वर्तमान में धूम्रपान कर रहे हैं, उन्हें जांच करानी चाहिए और यह जान लें कि धूम्रपान 80 से 90 प्रतिशत फेफड़ों के कैंसर से जुड़ा हुआ है।



अमेरिका में नवंबर माह को लंग कैंसर अवेयरनेस मंथ के रूप में मनाया जा रहा है, ताकि हर रोज लाखों लोगों को प्रभावित करने वाली इस खतरनाक बीमारी के बारे में जागरूकता फैला सकें। अमेरिका जैसे देश में फेफड़े के कैंसर के बारे में कुछ सामान्य गलत धारणाएं प्रचलित हैं। फेफड़ों का कैंसर अमेरिका में कैंसर से होने वाली मौतों का सबसे बड़ा एकलौता कारण है। फेफड़ों के कैंसर से कोलोन, ब्रेस्ट और प्रोस्टेट कैंसर की तुलना में अधिक मौतें होती हैं। फेफड़े के कैंसर का सबसे आम कारण तंबाकू धूम्रपान है। अगर आप धूम्रपान करते हैं, तो आपके फेफड़ों का कैंसर होने की संभावना 30 गुना अधिक होती है। तीसरी बात यह प्रचलित है कि फेफड़े का कैंसर आमतौर पर प्रारंभिक अवस्था में पता चल जाता है, लेकिन दुर्भाग्य है कि यह सच नहीं है। फेफड़ों के कैंसर के जल्दी लक्षण जल्दी पता नहीं चलते। फेफड़े के कैंसर का विकास आनुवांशिक और गैर-आनुवंशिक दोनों कारकों पर निर्भर करता है। आनुवंशिक, पर्यावरणीय और व्यवहार संबंधी कारक सभी आपके लिए जोखिम का काम करते हैं। फेफड़ों के कैंसर को लेकर एक अन्य भ्रांति है कि इसे स्क्रीन करने का कोई तरीका नहीं है। यह सच नहीं है, कई तरीके हैं, जिनसे यह स्क्रीनिंग संभव है।

सेहत

तपेदिक कैसे होता है?

तपेदिक (ट्यूबरक्युलोसिस, क्षय रोग या टीबी) बैक्टीरिया के कारण होने वाली संक्रामक बीमारी है। इसका वैज्ञानिक नाम 'माइकोबैक्टेरियम ट्यूबरक्युलोसिस' है। टीबी की बीमारी ज्यादातर फेफड़े को प्रभावित करती है, लेकिन यह सिर्फ फेफड़े की बीमारी नहीं है। शरीर के किसी भी अंग पर तपेदिक का दुष्प्रभाव हो सकता है। एब्डॉमन, किडनी, स्पाइन, ब्रेन या शरीर के किसी भी अंग की हड्डी में तपेदिक का प्रकोप हो सकता है। आजकल शरीर मे पौष्टिक खाने की कमी, जंकफूड के इस्तेमाल, मीजल्स या न्यूमोनिया के बिगड़ने और एचआईवी पॉजीटिव होने से भी तपेदिक का इन्फेक्शन होता है।



- तपेदिक ग्रसित रोगियों के कफ, छींकने, खांसने, थूकने और उनके करीब रहकर उनके द्वारा छोड़ी गई कार्बनडाइऑक्साइड के संपर्क में आने से कोई भी स्वस्थ व्यक्ति भी आसानी से टीबी का शिकार हो सकता है।
- टीबी के मरीज के संपर्क में आने से स्वस्थ व्यक्ति के फेफड़ों पर असर होता है, लेकिन तपेदिक से संक्रमित व्यक्ति को छूने और उससे हाथ मिलाने से टीबी नहीं फैलता है।
- हवा के संक्रमण से तपेदिक रोग होता है।
- बच्चे पाश्चराइज्ड दूध न पीने से तपेदिक की गिरफ्त में आ सकते हैं।
- तपेदिक जब सांसों के जरिए फेफड़े तक पहुंचता है तब बीमारी की स्थिति गंभीर हो सकती है।
- खान-पान में लापरवाही बरतने से भी तपेदिक होता है। जंक फूड और फास्ट फूड खाने से टीबी की संभावना बढ़ जाती है।
- कभी-कभी सामान्य खांसी को नजरअंदाज करने से टीबी हो सकता है। इसलिए खांसी अगर दो हफ्ते से ज्यादा समय तक आए तो डॉट्स सेंटर पर जाकर बलगम की जांच कराएं।
- तपेदिक का असर किडनी, हड्डी, दिमाग, स्पाइनलकार्ड को प्रभावित करते हैं।
- शरीर पर तपेदिक के संक्रमण का असर बढ़ने के साथ ही व्यक्ति के शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता समाप्त होने लगती है।
- डायबिटीज, कैंसर, एचआईवी के मरीजों में तपेदिक होने का खतरा ज्यादा होता है।
- शराब पीने वाले आदमी को ट्यूबरकुलोसिस की संभावना बढ़ जाती है।
- अस्पताल में काम करने वाले कर्मचारियों को टीबी मरीजों के संपर्क में आने से इसके होने की संभावना ज्यादा होती है।
- तपेदिक होने पर शरीर में थकान, वजन कम होना, हर रोज बुखार आना, रात में सोते वक्त पसीना आने जैसी समस्याएं शुरू हो जाती हैं।
- भूख की कमी, शरीर में पीलापन आना भी ट्यूबरकुलोसिस के लक्षण हैं।
- फेफड़े में इन्फेक्शन बढ़ने के साथ ही कफ ज्यादा आने लगता है, जिससे छाती में दर्द, कफ में खून आने से सांस लेने में दिक्कत होने लगती है।
- चेस्ट एक्स-रे, त्वचा की जांच, बलगम की जांच द्वारा तपेदिक का पता लगाया जा सकता है।
- टीबी के इलाज के लिए भारत सरकार ने जगह-जगह डॉट्स के केंद्र खोले हैं, जहां पर इसके मरीजों का इलाज हो सकता है। तपेदिक के मरीज को दूध, पनीर, अंडे, चिकन और मछली खाने की सलाह दी जाती है। तपेदिक के मरीज को हर रोज अपने डाइट में 1.5 ग्राम प्रोटीन लेने की सलाह दी जाती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

मनोविनोद बढ़ेगे। व्यायाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। शुभांक-4-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक-3-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शनैः-शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-2-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-4-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कामकाज की व्यस्तता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-3-5-6

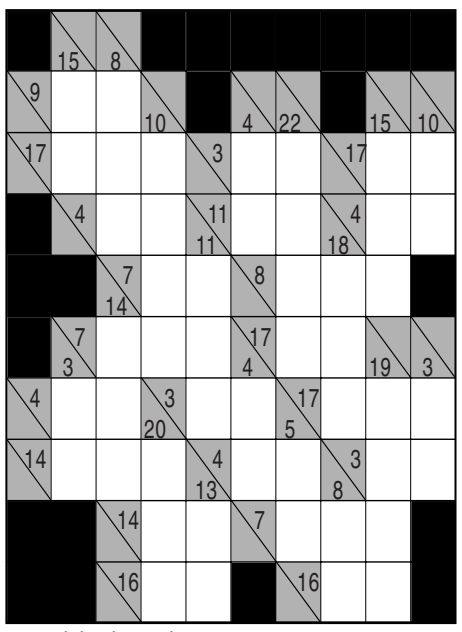
कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

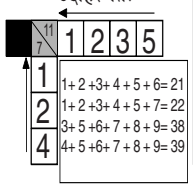
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 2648

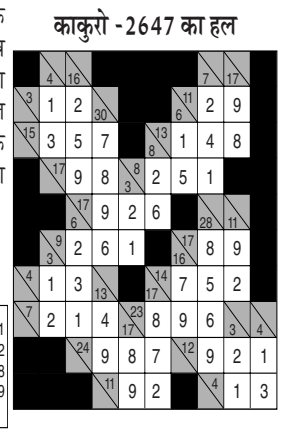


खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो -2647 का हल



हंसी के फव्वारें

एक हीरो का जब बुरा समय आया तो एक होटल में बैरागिरी करने लगा. एक दिन उसका दोस्त उस होटल में खाना खाने पहुंचा. जब उसने हीरो को वहां वेटर के रूप में देखा तो उसने आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा-'अरे! तुम ऐसे मामूली होटल में बैरागिरी कर रहे हो ?'

'हां !' हीरो शान्त स्वर में बोला-'सब समय की बात है. फिर भी अभी ऐसी हालत नहीं हुई कि इस होटल में खाना खाना पड़े.'

□ □ □

एक अधिकारी ने कागजी कार्यवाही के दौरान अपने पास बैठे एक आदमी से पूछा-'आपकी राष्ट्रीयता तो भारतीय है ना!'

'जी नहीं !'

'फिर ?'

'मेरे मां और बाप दोनों अंग्रेज थे, इसलिए मेरी राष्ट्रीयता अंग्रेजी है.'

'मगर आप पैदा तो भारत में हुए थे.'

'तो क्या हुआ!'वह आदमी कड़क आवाज में बोला-'आपकी कुतिया यदि घुड़साल में जाकर पिल्ला दे तो क्या आप उसे घोड़ा मान लेंगे ?'

□ □ □

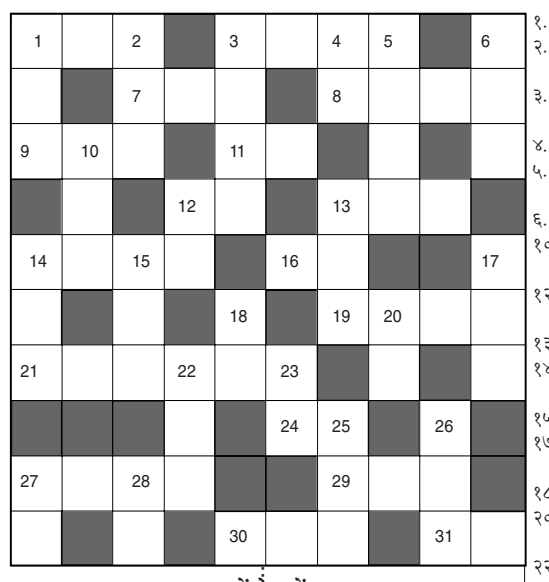
बेटा-'पापा मुझे तीन विषयों में एक समान अंक मिले हैं.'

पिता-कितने अंक मिले हैं.

बेटा-'शून्य,शून्य,शून्य !'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2648



बायें से दायें:-

१. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की फिल्म-३
३. 'साथिन' की सच्ची घटना पर आधारित रघुवीर यादव, नंदिता की फिल्म-४
७. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की फिल्म-३
८. 'मेरे दिल ने जो मांगा मिल गया' गीत वाली फिल्म-४
९. बलराज, श्यामा की 'तारों की चूनर' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'क्या मैंने सोचा' गीत वाली संजय, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-२
१२. संजय, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की 'उन से पूछें' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सलमा को मिल' गीत वाली जैकी, पूनम की फिल्म-३
१४. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'दिल डूबा डूबा नीली' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्याराय का फिल्म-२
१९. अक्षय, करिश्मा की 'माथे पे चमके' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'ये चाँद सा' गीत वाली शम्मी, शर्मिला की फिल्म-३,१,२
२४. अरूण गोविल, साहिला की 'मेरी चढ़ती जवानी समझे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरा कुछ सामान' गीत वाली शशिकपूर, नसीर, रेखा की फिल्म-४
२९. अक्षय, खन्ना की 'सुबह से लेकर' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'तू ने कहा जब से' गीत वाली अक्षय, करीना कपूर की फिल्म-३
३१. अजय, पूजा, सोनाली की 'हम यहाँ तुम यहाँ' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचेः-

१. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
२. अशोक, बीना की 'जाता हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२,१
३. 'इश्क में दिल' गीत वाली नसीर, डिम्पल की फिल्म-४
४. सनी, शाहरूख, जूही की फिल्म-२
५. १९९४ में आई मिथुन, गोविंदा, योगिता की एक फिल्म-४
६. जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. 'आगे सुख तो' गीत वाली अनिल, विजया की फिल्म-३
१२. विवेक, दीया की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१३. राजकुमार, मीना की फिल्म-३
१४. संजयदत्त, पूजा की 'जब जब प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१७. राजेंद्रकुमार, वहीदा रहमान की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दो नैनों के पंख' गीत वाली फिल्म-२
२०. सनी, समीरा की 'नशा है आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'गैर से अंख लड़ाई' गीत वाली फिल्म-३
२३. विनोद, डिम्पल की 'चंपई धूप के' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'मेरा मन भंवरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. मिथुन, अतुल, पूजा की फिल्म-३
२७. 'देखो देखो जानम हम' गीत वाली फिल्म-२
२८. सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2647

बं	ध	न	■	क्ष	त्रि	य	■	ज	ख्मी
दि	■	सी	मा	■	दे	श	प्रे	मी	■
श	बा	ब	■	दे	व	■	म	न	■
■	बु	■	जो	श	■	बा	गी	■	खु
दौ	ल	त	■	द्रो	ही	■	त	ला	शी
ड़	■	ला	■	ही	■	पा	■	ट	■
■	रे	श	नी	■	आ	प	के	सा	थ
जं	ग	■	य	की	न	■	■	ब	■
ग	■	■	त	■	बा	द	ल	■	जी
ल	की	र	■	डॉ	न	■	की	म	त

सूडोकु -2648

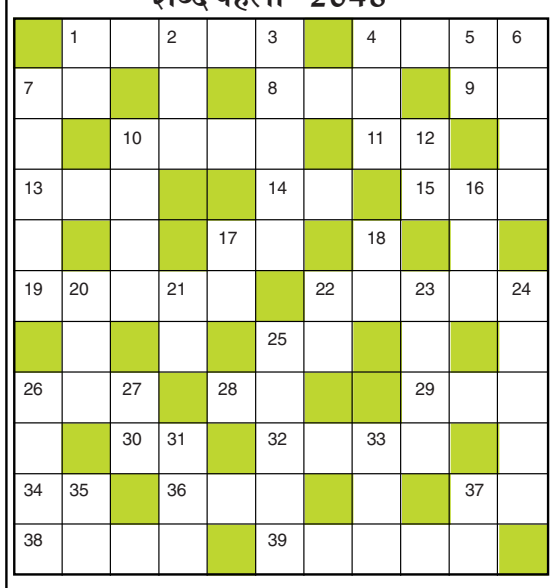
		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2647 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्द पहेली - 2648



बाएँ से दाएँ

1. अपनापन का विलोम-5
4. हठ करना,रोना,लालसा करना-4
7. गीत (अंग्रेजी-2)
8. गलीचा,कारपेट-3
9. किनारा,छोर-2
10. झगड़ा,कहासुनी-4
11. समय,वक्त-2
13. बेबस-3
14. राष्ट्र,स्वदेश-2
15. पुत्र,लड़का-3
17. प्राप्त करना-2
19. सेंधमार-5
22. चरित्र,व्यवहार-2,3
25. जीव,दूत,जासूस-2
26. आत्मबलि देना-3
28. ताकत,जोश,बल-2
29. कराह,टीस,लालसा-3
30. वहम,संदेह-2
32. आह भरना-4
34. दूर्वा,घास-2
36. चोंगा,गाऊन-3
37. सफर,जात्रा-2
38. दयालु,कृपालु-4
39. निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. पांव, पैर-2
2. भिखारी,मंगता-3
3. अस्वीकृत करना-3,2
4. माला का मोती-3
5. बुरी आदत-2
6. नाटक से परिपूर्ण-4
7. हल्का काला,श्याम-5
10. व्यवस्थित-4
12. बुरी आदत-2
16. अनुकृति-3
17. तांबूल,पत्ता-2
18. रुखसार,कपोल-2
20. डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21. जोड़,योग-2
22. चतुर्थ-2
23. आनंद ध्वनि करना-4
24. महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25. चमकीला-5
26. नीच,नराधम -4
27. विनाश, नेस्तनाबूत-2
31. रंग (अंग्रेजी-3)
33. पराजित करना-3
35. गौरेया, एक चिड़िया-2
37. दोस्त,मित्र, सखा-2

शब्द पहेली -2647 का हल

■	व	र	दा	न	■	अ	प	मा	न	■
स	■	■	य	■	म	■	ह	■	■	ह
र	■	श	रा	र	त	क	र	ना	■	व
क	ल	ह	■	■	■	बा	■	■	का	न	न
ना	■	र	■	अ	ला	व	■	■	रा	ख	■
■	दा	■	का	म	■	च	प्प	■	■	रा	■
■	व	जु	■	न	म	न	■	■	पा	■	मु
क	त	रा	■	■	■	हा	■	■	ल	ल	क
ल	■	ब	लि	दा	न	क	र	ना	■	र	■
म	■	■	■	ख	■	ता	■	ई	■	■	ना
■	ना	ना	ना	नी	■	फि	स	ल	ना	■	■

सैंडपेपर विवाद

तेंदुलकर ने 49 साल से संभालकर रखा है पहला बैट

बल्ला लेकर शेयर की खास तस्वीर

मुंबई (एजेंसी)। क्रिकेट के मैदान पर अपने बल्ले से इतिहास रचने वाले सचिन तेंदुलकर ने बचपन की एक याद को आज भी संभालकर रखा है। मास्टर ब्लास्टर ने सोशल मीडिया पर अपनी बचपन की तस्वीर शेयर की है। इसमें वे छोटे बच्चे के रूप में हाथ में बल्ला पकड़े नजर आ रहे हैं। सचिन ने बताया कि उनका पहला बैट 49 साल बाद भी उनके पास है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, दिल



का मामला है... 49 साल बाद भी ये मेरे साथ है। इस तस्वीर के साथ सचिन ने अपने क्रिकेट के शुरुआती दिनों की यादें ताजा कीं।

16 साल की उम्र में किया था इंटरनेशनल डेब्यू- सचिन तेंदुलकर ने 15 नवंबर 1989 को पाकिस्तान के खिलाफ कराची में 16 साल की उम्र में टेस्ट डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। सचिन ने करीब 24 साल तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला। उनका आखिरी टेस्ट मैच 14 से 16 नवंबर 2013 के बीच वेस्टइंडीज के खिलाफ मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया। यह उनके करियर का 200वां टेस्ट था। 16 नवंबर को उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा।

100 शतक और 34 हजार से ज्यादा रन बनाए- सचिन तेंदुलकर के नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक लगाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने 200 टेस्ट में 15,921 रन बनाए। इसमें 51 शतक और 68 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं, 463 वनडे में उनके नाम 18,426 रन हैं। वनडे में उन्होंने 49 शतक और 96 अर्धशतक लगाए। इस तरह सचिन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कुल 34,357 रन बनाए। वे टेस्ट और वनडे दोनों फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। सचिन ने 2010 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ ग्वालियर में वनडे क्रिकेट का पहला दोहरा शतक भी लगाया था।

2011 में पूरा किया वर्ल्ड कप जीतने का सपना

सचिन के करियर की सबसे यादगार उपलब्धियों में 2011 का वनडे वर्ल्ड कप शामिल है। भारत ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में श्रीलंका को हराकर दूसरी बार वर्ल्ड कप जीता था।

भारत 7 साल बाद न्यूजीलैंड में वनडे सीरीज जीता

पांचवां मैच 22 रन से हराया भारत 7 साल बाद न्यूजीलैंड में वनडे सीरीज जीता

माउंट माउंगानुई (एजेंसी)। भारत ने 7 साल बाद न्यूजीलैंड में वनडे सीरीज अपने नाम की है। पांच मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला टीम ने 22 रन से जीत लिया। टीम इंडिया ने कीवी धरती पर आखिरी बार 2019 में 4-1 से सीरीज जीती थी।

माउंट माउंगानुई में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत 42.1 ओवर में 209 रन पर ऑलआउट हो गया। अक्षर पटेल और ईशान किशन ने 46-46 रन बनाए।जवाब में न्यूजीलैंड की पारी 48.1 ओवर में 187 रन बनाकर सिमट गई। भारत से तेज गेंदबाजों ने मिलकर 7 विकेट लिए। अर्शदीप सिंह ने 3 बल्लेबाजों को आउट किया। मोहम्मद सिराज और आकिब नबी को 2-2 विकेट मिले। यश ठाकुर ने एक विकेट लिया। ओवल मैदान पर खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 209 रन बनाए थे। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 187 रनों पर सिमट गई। भारतीय गेंदबाजों ने कम स्कोर का सफलतापूर्वक बचाव करते हुए मेजबान टीम को लक्ष्य तक पहुंचने नहीं दिया।

टॉस जीतकर न्यूजीलैंड ने चुनी गेंदबाजी- पांचवें वनडे मुकाबले में न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। यह मुकाबला माउंट माउंगानुई के बे ओवल मैदान पर खेला गया। पिछले मुकाबले में भारतीय टीम इसी मैदान पर महज 89 रनों पर ऑलआउट हो गई थी। ऐसे में टीम इंडिया के सामने अपनी बल्लेबाजी में सुधार करने और सीरीज जीतने की चुनौती थी।

सैंटनर और डफी ने झटके तीन-तीन विकेट- न्यूजीलैंड की ओर से कप्तान मिचेल सैंटनर और तेज गेंदबाज जैकब डफी ने तीन-तीन विकेट हासिल किए। दोनों ने अपनी सटीक लाइन और लेंथ से भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं



दिया। इसके अलावा माइकल ब्रेसवेल ने भी अहम विकेट लेकर भारत की मुश्किलें बढ़ाईं। न्यूजीलैंड की शानदार गेंदबाजी के कारण भारतीय टीम बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर सकी।

भारत ने न्यूजीलैंड को दिया 210 रनों का लक्ष्य- भारतीय टीम की पारी 209 रनों पर समाप्त होने के बाद न्यूजीलैंड को जीत के लिए 210 रनों का लक्ष्य मिला। कम स्कोर होने के कारण भारतीय गेंदबाजों पर मुकाबला बचाने की बड़ी जिम्मेदारी थी। हालांकि, टीम इंडिया ने शुरुआत से ही न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा और नियमित अंतराल पर विकेट हासिल किए।

187 रनों पर सिमटी न्यूजीलैंड की टीम- 210 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी। मेजबान टीम लगातार विकेट गंवाती रही और आखिरकार 187 रनों पर ऑलआउट हो गई। भारत ने यह मुकाबला 22 रनों से अपने नाम किया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त हासिल करते हुए ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया।

भारत ने 3-1 से अपने नाम की वनडे सीरीज- न्यूजीलैंड के खिलाफ इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की वनडे सीरीज 3-1 से जीत ली। इससे पहले चौथे वनडे में न्यूजीलैंड ने भारत को 244 रनों से करारी शिकस्त दी थी। उस मुकाबले में भारतीय टीम महज 89 रनों पर सिमट गई थी। हालांकि, आखिरी मैच में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन ने भारत को जीत दिलाई और टीम ने सीरीज का अंत जीत के साथ किया।

भारतीय बल्लेबाजी एक बार फिर लड़खड़ाई

पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने लगातार दबाव बनाए रखा और भारतीय बल्लेबाज बड़ी साझेदारी करने में नाकाम रहे। मिचेल सैंटनर और



जैकब डफी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए भारतीय बल्लेबाजी क्रम को झकझोर दिया। नतीजा यह रहा कि पूरी भारतीय टीम 42.1 ओवर में 209 रनों पर सिमट गई।

एलिना स्वितोलिना ने फाइनल में बनाई जगह

मिर्रा एंड्रीवा से होगा खिताबी मुकाबला



कैलिफोर्निया (एजेंसी)। डब्ल्यूटीए फाइनल 2026 के खिताबी मुकाबले की तस्वीर साफ हो गई है। यूक्रेन की स्टार टेनिस खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना ने सेमीफाइनल में चेक गणराज्य की लिंडा नोस्कोवा को एकतरफा मुकाबले में हराकर फाइनल में जगह बना ली है। स्वितोलिना ने महज 65 मिनट में 6-2, 6-1 से जीत दर्ज की। अब खिताब के लिए उनका सामना 2026 फ्रेंच ओपन चैंपियन और 19 वर्षीय रूसी खिलाड़ी मिर्रा एंड्रीवा से होगा।

लिंडा नोस्कोवा को सीधे सेटों में हराया- एलिना स्वितोलिना ने सेमीफाइनल मुकाबले में शुरुआत से ही शानदार खेल दिखाया। उन्होंने लिंडा नोस्कोवा को संभलने का ज्यादा मौका नहीं दिया और पहला सेट 6-2 से अपने नाम किया। इसके बाद दूसरे सेट में भी स्वितोलिना का दबदबा जारी रहा और उन्होंने 6-1 से जीत हासिल कर फाइनल का टिकट पक्का कर लिया।

फ्रेंच ओपन चैंपियन मिर्रा एंड्रीवा से होगी भिड़ंत- डब्ल्यूटीए फाइनल के फाइनल में स्वितोलिना के सामने 19 वर्षीय मिर्रा एंड्रीवा की चुनौती होगी। एंड्रीवा ने दूसरे सेमीफाइनल में अमेरिका की जेसिका पेगुला को 6-3, 6-4 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। साल 2026 की फ्रेंच ओपन चैंपियन एंड्रीवा इस टूर्नामेंट में भी शानदार लय में नजर आ रही हैं।

32 साल की उम्र में बनाया खास रिकॉर्ड

32 साल की उम्र में डब्ल्यूटीए के फाइनल में पहुंचकर स्वितोलिना ने एक खास उपलब्धि हासिल की है। वह 2017 में वीनस विलियम्स के बाद इस टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में पहुंचने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गई हैं। इसके अलावा वह 32 साल की उम्र के बाद डब्ल्यूटीए के फाइनल में पहुंचने वाली चौथी खिलाड़ी हैं। उनसे पहले मार्टिना नवरातिलोवा, सेरेना विलियम्स और वीनस विलियम्स यह उपलब्धि हासिल कर चुकी हैं।

खिताब के लिए होगी आखिरी जंग

डब्ल्यूटीए 2026 का फाइनल अब एलिना स्वितोलिना और मिर्रा एंड्रीवा के बीच खेला जाएगा। एक तरफ 32 वर्षीय अनुभवी स्वितोलिना हैं, जिन्होंने शानदार वापसी करते हुए फाइनल में जगह बनाई है, तो दूसरी तरफ 19 वर्षीय फ्रेंच ओपन चैंपियन एंड्रीवा हैं। अब देखना होगा कि इस खिताबी मुकाबले में अनुभव भारी पड़ता है या युवा जोश अपना जलवा दिखाता है।

अर्शदीप सिंह ने रचा इतिहास

नंबर-11 पर पहली गेंद पर सिक्स लगाने वाले तीसरे भारतीय बने



माउंट माउंगानुई (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांचवें और आखिरी वनडे मुकाबले में भले ही भारतीय बल्लेबाजी लड़खड़ा गई, लेकिन तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने अपनी बल्लेबाजी से खास रिकॉर्ड बना दिया। अर्शदीप ने नंबर-11 पर बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली ही गेंद पर छक्का जड़ दिया। इसके साथ ही वह वनडे क्रिकेट में भारत की ओर से इस खास उपलब्धि को हासिल करने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए।

वनडे में भारत के नंबर 11 बल्लेबाज द्वारा पहली ही गेंद पर छक्का वेंकटेश प्रसाद - इयान हार्वे (ऑस्ट्रेलिया) के खिलाफ, नैरोबी, सीटी 2000 क्वार्टर फाइनल जसप्रीत बुमराह - पैट कमिंस (ऑस्ट्रेलिया) के खिलाफ, मोहाली, 2019 अर्शदीप सिंह - जैकब डफी (न्यूजीलैंड) के खिलाफ, माउंट माउंगानुई, 2026

भारत के लिए तीसरे बल्लेबाज बने अर्शदीप

नंबर-11 पर बल्लेबाजी करते हुए पहली गेंद पर छक्का लगाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की सूची अब तीन नामों की हो गई है। वेंकटेश प्रसाद, जसप्रीत बुमराह और अब अर्शदीप सिंह ने यह कमाल किया है। खास बात यह है कि तीनों खिलाड़ियों ने अलग-अलग दौर में अपनी बल्लेबाजी से यह यादगार उपलब्धि हासिल की है।

पहली गेंद पर छक्का लगाकर बनाया खास रिकॉर्ड

अर्शदीप सिंह ने न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी की पहली ही गेंद पर शानदार छक्का लगाया। उनका यह शॉट इसलिए भी खास रहा क्योंकि वह भारतीय पारी में आखिरी बल्लेबाज के रूप में क्रीज पर उतरे थे। नंबर-11 पर बल्लेबाजी करते हुए पहली गेंद पर छक्का लगाने का कारनामा वनडे क्रिकेट में बेहद कम भारतीय बल्लेबाजों ने किया है।

सौरव गांगुली ने वीरेंद्र सहवाग को दी बधाई, बेटे ने लगाया था अर्धशतक

एशिया कप के हीरो मोहित बोले-पता था दिन मेरा है

देखते रह गए पाकिस्तानी खिलाड़ी, भारत ने जबड़े से छीनी जीत; 19 एशिया कप पर किया कब्जा

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की अंडर-19 टीम ने पाकिस्तान को एक विकेट से हराकर 9वीं बार एशिया कप का खिताब जीत लिया। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने लिखा, हर खिलाड़ी, हर योगदान और हर पल मायने रखता है। भारत ने आज यह बात शानदार तरीके से दिखाई।

पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने आर्यवीर सहवाग की तारीफ करते हुए लिखा- वीरू को बहुत गर्व हो रहा होगा।वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर ने फाइनल में 58 रन की पारी खेली। वे 361 रन बनाकर टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर भी रहे।इस जीत के हीरो रहे मोहित उल्वा ने आखिरी गेंद पर चौका लगाकर भारत को चैंपियन बनाया। मैच के बाद उन्होंने कहा- मुझे पता था कि आज मेरा दिन है और मैं मैच खत्म करूंगा।



क्या मैच था, शानदार अंत- सहवाग

वीरेंद्र सहवाग ने भारत की जीत को अविश्वसनीय बताया। उन्होंने लिखा, क्या मैच था! क्या शानदार अंत! 338 रन का पीछा करते हुए अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराने के लिए जबरदस्त जज्बे की जरूरत थी।

लक्ष्य ने 80 रन बनाए, आर्यवीर ने 58 रन की पारी खेली। और जब टीम को चमत्कार की जरूरत थी, तब मानल चौहान और मोहित उल्वा ने कमाल कर दिया। इन युवा चैंपियंस पर गर्व है।



19 एशिया फाइनल में जीत के बाद सेलिब्रेशन पर विवाद,पाक खिलाड़ियों की तरफ इशारे पर आलोचना, बीसीसीआई सचिव बोले- जश्न मनाने का पूरा हक- भारत की अंडर-19 टीम ने एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को आखिरी गेंद पर हराकर खिताब जीता। हालांकि, जीत के बाद खिलाड़ियों के जश्न पर विवाद हो गया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कुछ भारतीय खिलाड़ी पाकिस्तानी खिलाड़ियों की तरफ इशारे करते नजर आए। इस पर हो रही आलोचना के बीच बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया ने टीम का बचाव किया है।सैकिया ने कहा कि मुश्किल हालात में जीत हासिल करने के बाद खिलाड़ियों को जश्न मनाने का पूरा अधिकार है। यह उनके आत्मविश्वास और कभी हार नहीं मानने वाले रवैये को दिखाता है।

लक्ष्य सेन ने जापान मास्टर्स का खिताब जीता

फाइनल में वर्ल्ड नंबर-15 कोकी वातानाबे को 3 गेम में हराया; 2 हफ्ते में दूसरा बीडब्ल्यूएफ टाइटल



कुमामोटो (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने कुमामोटो जापान मास्टर्स 2026 का खिताब जीत लिया है। रविवार को खेले गए मेंस सिंगल्स के फाइनल में लक्ष्य ने जापान के वर्ल्ड नंबर-15 कोकी वातानाबे को 13-21, 21-18, 21-14 से हराया।

एक घंटे 4 मिनट तक चले मुकाबले में लक्ष्य ने पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए खिताब अपने नाम किया। लक्ष्य का यह लगातार दूसरा बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब है। इससे दो हफ्ते पहले उन्होंने जर्मनी में हायलो ओपन का खिताब जीता था।

पहला गेम हारने के बाद लक्ष्य ने की वापसी- घरेलू दर्शकों के सामने खेल रहे कोकी वातानाबे ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने पहला गेम 21-13 से जीतकर बढ़त बना ली। दूसरे गेम में लक्ष्य ने अपनी रणनीति बदली और लंबी रैलियों के जरिए मुकाबले में वापसी की। कड़े संघर्ष के बाद उन्होंने यह गेम 21-18 से जीतकर स्कोर 1-1 कर दिया। निर्णायक तीसरे गेम में लक्ष्य ने शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी। उन्होंने वातानाबे को वापसी का मौका नहीं दिया और 21-14 से गेम जीतकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर-10 को हराया था- फाइनल से पहले शनिवार को लक्ष्य ने सेमीफाइनल में इंडोनेशिया के वर्ल्ड नंबर-10 अलवी फरहान को हराया था। तीन गेम तक चले मुकाबले में उन्होंने 21-12, 15-21, 21-11 से जीत दर्ज की थी।

खराब फॉर्म से उबरकर दो हफ्ते में जीते दो खिताब- लक्ष्य सेन के लिए हायलो ओपन से पहले का समय चुनौतीपूर्ण रहा था। वे लगातार 6 टूर्नामेंट के पहले राउंड में ही बाहर हो गए थे। मार्च में ऑल इंग्लैंड ओपन के फाइनल में पहुंचने के बाद से वे किसी बड़े खिताब का इंतजार कर रहे थे।

आईपीएल 2027के मुंबई के सभी 11 मैच वानखेड़े में होंगे

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने विमेंस प्रीमियर लीग आईपीएल 2027 के मुंबई लेग का वेन्यू बदल दिया है। मुंबई में होने वाले सभी 11 मुकाबले अब ब्रेबोर्न स्टेडियम की



जगह वानखेड़े स्टेडियम में खेले जाएंगे। इनमें 9 लीग मैच, एलिमिनेटर और फाइनल शामिल हैं। हालांकि, मैचों की तारीख और शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं किया गया है। बीसीसीआई के मुताबिक, मुंबई लेग के मुकाबले 26 जनवरी से 7 फरवरी 2027 के बीच होंगे। फरवरी में होने वाली आईसीसी विमेंस चैंपियंस ट्रॉफी के कारण यह फैसला लिया गया है। ब्रेबोर्न स्टेडियम को भी इस टूर्नामेंट की मेजबानी करनी है। ऐसे में दोनों टूर्नामेंट के बीच पिचों को तैयार करने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पाता।

मुंबई सीएसएमटी पर बम की धमकी निकली अफवाह

मुंबई, एजेंसी। मुंबई में रविवार को पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल (सीएसएमटी) को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी, जो जांच के बाद अफवाह निकली। शनिवार शाम करीब 6:40 बजे वाडी बंदर स्थित राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के नियंत्रण कक्ष को स्टेशन पर बम रखे होने की सूचना मिली थी। इसके तुरंत बाद, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), जीआरपी, मुंबई पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने मिलकर पूरे टर्मिनल पर व्यापक तलाशी अभियान चलाया। श्वान दस्तों के साथ, उपनगरीय व लंबी दूरी की ट्रेनों के प्लेटफॉर्म, पैदल पार पुलों और पार्सल क्षेत्रों सहित पूरे परिसर को खंगाला गया। घंटों चली इस सघन जांच के बावजूद, स्टेशन या किसी भी ट्रेन में कोई संदिग्ध व्यक्ति, विस्फोटक सामग्री या लावारिस वस्तु नहीं मिली। सुरक्षा एजेंसियां अब भी पूरी तरह सतर्क हैं और रेलवे नेटवर्क पर कड़ी निगरानी बनाए हुए हैं।

पुणे एयरपोर्ट से उड़ी फ्लाइट नहीं मुड़ा लैंडिंग गियर, वापस एयरपोर्ट पर कराई लैंडिंग

- विमान में थे 192 यात्री सवार, सभी यात्रियों और क्रू सदस्यों को सुरक्षित निकाला

पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के पुणे एयरपोर्ट पर रविवार सुबह इंडिगो की एक फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग हुई। पुणे से गुवाहाटी जा रही फ्लाइट ने उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही तकनीकी खराबी के कारण वापस पुणे एयरपोर्ट पर लैंडिंग करानी पड़ी। राहत की बात यह रही कि इस दौरान किसी भी तरह का हादसा नहीं हुआ। जानकारी के मुताबिक इंडिगो की फ्लाइट 6E 0623 ने रविवार सुबह पुणे से गुवाहाटी के लिए उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के बाद विमान का लैंडिंग गियर वापस अपनी जगह पर नहीं मुड़ पाया। इस तकनीकी दिक्कत का पता चलते ही सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विमान को तुरंत वापस उतारने का फैसला लिया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस विमान में कुल 192 यात्री सवार थे। इमरजेंसी लैंडिंग के बाद सभी यात्रियों और क्रू सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इस घटना में किसी के भी घायल होने की कोई खबर नहीं है। लैंडिंग गियर विमान के पहियों और उनसे जुड़े पूरे सिस्टम को कहा जाता है। इसका इस्तेमाल विमान को रनवे पर सुरक्षित उतारने और जमीन पर चलाने के लिए किया जाता है। आमतौर पर उड़ान भरने के बाद विमान के ये पहिए अंदर की तरफ मुड़कर अपनी तय जगह में बंद हो जाते हैं ताकि हवा का दबाव कम रहे और विमान आसानी से उड़ सके। इस फ्लाइट में यही सिस्टम ठीक से काम नहीं कर पाया था जिसके चलते विमान की वापस लैंडिग करानी पड़ी।

नशा तस्करों पर शिकंजा :25 करोड़ की स्मैक के साथ छह गिरफ्तार

अररिया, एजेंसी। बिहार के अररिया जिले में पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन प्रहार के तहत बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने तीन अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी कर एक अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में छह कथित तस्करों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से अंतरराष्ट्रीय बाजार में 25 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की 4.08 किलोग्राम स्मैक व इस बनाने में इस्तेमाल होने वाले रसायन जब्त किया हैं। पुलिस ने बताया कि इन कार्रवाइयों में गिरफ्तार आरोपियों में चार पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के निवासी हैं, जबकि दो अररिया जिले के हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक बिना नंबर प्लेट वाली काली स्कॉर्पियो, छह मोबाइल फोन और वजन तौलने वाली मशीन बरामद की है। पुलिस ने बताया कि पहली कार्रवाई राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर हड़ियाबाड़ा टोल प्लाजा के पास हुई, जहां मालदा निवासी इस्माइल शेख को 812 ग्राम स्मैक के साथ पकड़ा गया। उसकी निशानदेही पर जोगबनी के रियाज अंसारी को भी गिरफ्तार किया। एक अन्य कार्रवाई में, पूर्णिया से आ रही एक यात्री बस की तलाशी के दौरान मालदा के रिंकू महालदार से 1.416 किलोग्राम स्मैक बरामद की गई। इसके बाद, अररिया पुलिस और जिला आसूचना इकाई (डीआईयू) की संयुक्त टीम ने राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर एक संदिग्ध स्कॉर्पियो को रोककर तलाशी ली।

सीएम योगी ने 25 लाख टैबलेट योजना का किया शुभारंभ: सपा सरकार ने मुन्ना भाई पैदा किए



लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में बड़ी पहल की शुरुआत की है। लखनऊ में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में उन्होंने स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत 25 लाख युवाओं को टैबलेट वितरित करने की योजना का श्रीगणेश किया।

इस मौके पर, मुख्यमंत्री योगी ने प्रतीकात्मक रूप से 50 हजार छात्र-छात्राओं को टैबलेट सौंपे, जिसमें लखनऊ के साथ-साथ उन्नाव, सीतापुर और हरदोई जिलों के युवा भी शामिल थे। सीएम योगी ने अपनी इच्छा व्यक्त कर कहा कि वे स्वयं प्रत्येक लाभार्थी से मिलकर सेल्फी लेना चाहते थे, लेकिन योजना का विशाल आकार इस बात की अनुमति नहीं देता।

इस दौरान मुख्यमंत्री योगी ने पूर्ववर्ती समाजवादी पार्टी सरकार पर कड़ा प्रहार कर कहा कि 2017 से पहले, सरकारी नौकरियों में चाचा-भतीजे वसूली करने निकल पड़ते थे। उन्होंने कहा कि अब युवाओं को नौकरी पाने के लिए न किसी सिफारिश की जरूरत है और न ही कोई रिश्वत देनी पड़ती है। हमारी सरकार ने युवाओं के सामने से पहचान का संकट समाप्त किया है।

योगी ने दावा किया कि पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश की पहचान बदली है। अब राज्य में ब्रह्मोस मिसाइल और कानपुर में राइफल जैसे उत्पादों का निर्माण हो रहा है। उन्होंने माफिया द्वारा कब्जा की गई जमीन पर फोरेंसिक इंस्टीट्यूट के निर्माण का उदाहरण देकर कहा कि बुलडोजर भेजने पर माफिया भाग खड़े हुए। उन्होंने सपा सरकार पर मुन्ना भाई पैदा करने और परीक्षा कोई और देने तथा डिग्री कोई और लेने का आरोप भी लगाया। यह योजना, जो 2021 में शुरू हुई थी, इस चरण के पूरा होने के बाद कुल 85 लाख युवाओं को टैबलेट और स्मार्टफोन प्रदान करेगी, जो डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

श्रीगंगानगर में रेलवे ट्रैक धमाके के दो आरोपी गिरफ्तार, इसमें एक महिला भी

- पाकिस्तान में बैठे दो हैंडलर्स को चाचा और दूसरे को शाह के नाम से पुकारते थे

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के श्रीगंगानगर में हुए रेलवे ट्रैक धमाके के मामले में सुरक्षा एजेंसियों ने पंजाब से एक महिला समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। राजस्थान एंटी-टेरर स्क्वाड, श्रीगंगानगर पुलिस और पंजाब पुलिस की संयुक्त टीम ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान महकदीप कौर (21) और दविंदर सिंह (22) के रूप में हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस जांच में सामने आया है कि महकदीप कौर पाकिस्तान में बैठे दो हैंडलर्स के संपर्क में थी। पुलिस ने बताया कि इनमें से एक हैंडलर को चाचा और दूसरे को शाह के नाम से जाना जाता है। दोनों ने प्यार भरी बातों और पैसों का लालच देकर महकदीप को अपने जाल में फंसाया था। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई अब इसी तरह के तरीके अपना रही है। इससे पहले भी आईएसआई ने गंगानगर की रहने वाली बबीता नाम की एक महिला को इसी तरह अपने जाल में फंसाया था। महकदीप अपने पति से अलग रह रही थी, जो फिलहाल ड्रग तस्करी के आरोप में जेल में बंद है। जांच में यह भी पता चला है कि महकदीप को रेलवे ट्रैक पर धमाका करने के लिए पैसे दिए गए थे। पुलिस ने उसके पास से दो हथियार, 46 कारतूस और 30 हजार रुपए नकद बरामद किए हैं।

राहुल गांधी ने निभाया वादा: बड़वानी की प्रियंका की आंख का दिल्ली में सफल ऑपरेशन

- छात्रों की गूंज कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने किया था वादा

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश के बड़वानी जिले की प्रियंका सेंगर, जिनकी तीन साल की उम्र में दर्दनाक हादसे के दौरान आंख में चूना गिरने से एक आंख की रोशनी चली गई थी, अब एक सफल ऑपरेशन के बाद बेहतर महसूस कर रही हैं। परिवार की आर्थिक तंगी के कारण यह इलाज मुमकिन नहीं हो पाया था। 19 सितंबर 2026 को इंदौर में छात्रों की गूंज कार्यक्रम के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से संवाद करते हुए प्रियंका ने सरकारी छात्रावासों की बदहाली का मुद्दा उठाया। जब राहुल गांधी की नजर उनकी आंख पर पड़ी और उन्होंने प्रियंका की आपबीती सुनी, तब तुरंत उनके इलाज का पूरा खर्च उठाने और जिम्मेदारी लेने का वादा किया।



अपने वादे के कुछ ही दिनों बाद राहुल गांधी की टीम ने प्रियंका के परिवार से संपर्क किया। 27 सितंबर को प्रियंका अपने पिता उदय सिंह सेंगर और सामाजिक कार्यकर्ता सरदार नरगावे के साथ दिल्ली पहुंचीं। दिल्ली के इंदिरा गांधी आई हॉस्पिटल में जरूरी जांचों के बाद 1 अक्टूबर को उनकी आंख का सफल ऑपरेशन हुआ। कांग्रेस नेता पोरलाल खरते ने भी इस पूरी प्रक्रिया में सहयोग दिया। राहुल गांधी की ओर से आने-जाने के टिकट से लेकर अस्पताल के सभी खर्चों का वहन किया गया, जिससे परिवार पर कोई आर्थिक बोझ नहीं पड़ा। प्रियंका ने बताया कि अब उन्हें पहले से काफी बेहतर दिखाई दे रहा है, और भविष्य में आंख में लेंस भी प्रत्यारोपित किया जाएगा। इस मानवीय रिश्ते की एक और खूबसूरत तस्वीर 11 नवंबर 2026 को भाई दूज के दिन सामने आई। दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में राहुल गांधी ने प्रियंका, उनके पिता और सरदार नरगावे से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की। उन्होंने प्रियंका की तबीयत और आंख की स्थिति का हालचाल पूछा और दिलासा देते हुए कहा, किसी भी बात की चिंता मत करना, आपका भाई आपके साथ है। इस मुलाकात में प्रियंका ने अपनी व्यक्तिगत समस्या तक सीमित न रहकर छात्रों से जुड़े व्यापक मुद्दों जैसे छात्रवृत्ति, आवास, भर्ती प्रक्रिया और पेपर लीक पर भी चर्चा की।

अलग-अलग संगठनों में बैठे दिमागी नक्सलियों के प्रति सतर्क रहें लोग: नितिन नबीन

छत्तीसगढ़ में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम को किया वर्चुअली संबोधित

रायगढ़ , एजेंसी । बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने रविवार को लोगों से दिमागी नक्सलियों के प्रति सतर्क रहने की अपील की और आरोप लगाया कि इनमें से कुछ लोग अलग-अलग संगठनों में नेतृत्व के पदों पर बैठे हैं। नबीन ने कहा कि उनकी पार्टी की सरकार अपने कामों और कल्याणकारी योजनाओं के जरिए इन्हें सबक सिखाएगी। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ कस्बे में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुए नबीन ने कहा कि पीएम मोदी ने देश से नक्सलवाद को खत्म करने का संकल्प लिया। केंद्र और राज्य सरकारें इस संकल्प को पूरा करने के लिए काम कर रही हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नबीन को इस कार्यक्रम में शामिल होना था, लेकिन खराब मौसम के कारण उनका विमान नहीं उतर सका, जिसके कारण उनका दौरा रद्द करना पड़ा। उन्होंने सीएम विष्णु देव साय और उनकी



टीम को राज्य को नक्सलवाद से मुक्त बनाने के लिए बधाई दी। साथ ही, माओवादियों के खिलाफ लड़ाई में अपनी जान गंवाने वाले सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि बस्तर के जिन इलाकों में पहले लोगों को बंदूक चलाना सिखाया जाता था, वहां अब खेल के मैदान बन गए हैं। वहां बच्चों को खेलकूद और पढ़ाई-लिखाई के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए नबीन ने आरोप लगाया कि उसने दशकों तक आदिवासी समुदाय को मुख्यधारा से दूर रखा और उनके वोटों का इस्तेमाल अपने राजनीतिक फायदों के लिए किया। उन्होंने बताया कि पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में ही जनजातीय कार्य मंत्रालय की स्थापना की गई थी। उन्होंने कहा कि बीजेपी आदिवासी समुदाय के लिए काम करती है और उन्हें नेतृत्व की जिम्मेदारियां भी सौंपती है। नबीन ने कहा कि केंद्र और छत्तीसगढ़ में बीजेपी सरकारें आदिवासी लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और यह तय करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि चाहे नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार हो या विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली, हमारा मुख्य संकल्प आपके जीवन स्तर में बदलाव लाना और विकास की उस गति को तेज करना है, जो लंबे समय से रुकी हुई थी।

बीजेपी अध्यक्ष नबीन 18 को आएंगे पंजाब, समरसता संकल्प यात्रा को दिखाएंगे हरी झंडी

- यात्रा 7 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से होकर गुजरेगी, दलित समुदाय को साधने की स्ट्रैटेजी

अमृतसर ,एजेंसी। पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी बीच बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन फिर पंजाब आ रहे हैं। जानकारी के मुताबिक नबीन 18 नवंबर को पंजाब आएंगे। अपने दौरे में वे गुरु रविदास महाराज के 650वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में जालंधर से आयोजित होने वाली समरसता संकल्प यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे। बता दें यह यात्रा जालंधर के प्रसिद्ध धार्मिक केंद्र डेरा सचखंड बल्लां से शुरू होगी और 3 दिसंबर को यूपी के वाराणसी में खत्म होगी। करीब 2,558 किमी लंबी यह यात्रा 7 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से होकर गुजरेगी। इस यात्रा का मकसद गुरु रविदास महाराज के सामाजिक समानता, आपसी भाईचारे, मानव कल्याण और सद्भाव के संदेश को आम लोगों तक पहुंचाना है। बीजेपी पंजाब में सिर्फ पॉलिटिकल रैलियों तक सीमित न रहकर सामाजिक और सांस्कृतिक सद्भाव बनाने की स्ट्रैटेजी अपना रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक नबीन के दौरे से पार्टी यह मैसेज देना चाहती है कि वह 2027 का चुनाव पूरी गंभीरता से लड़ेगी। पंजाब में अनुसूचित जाति की बड़ी आबादी को ध्यान में रखते हुए बीजेपी गुरु रविदास की शिक्षाओं के जरिए दलित समुदाय में अपना सामाजिक आधार मजबूत करना चाहती है। साथ ही बीजेपी ने आम आदमी पार्टी के वोट बैंक को मजबूत करने के लिए सामाजिक सद्भाव का दांव खेला है, जिसे पिछले चुनावों में अनुसूचित जाति के वोटरों का भारी समर्थन मिला था। पंजाब और वाराणसी दोनों ही गुरु रविदास महाराज के भक्तों के लिए आस्था के सबसे बड़े केंद्र हैं। बीजेपी जालंधर से होने वाली समरसता संकल्प यात्रा के जरिए दोनों राज्यों के दलित समुदाय को एकजुट करने की कोशिश कर रही है।

एक देश के साथ दोस्ती करने के लिए दूसरे देश से दुश्मनी जरूरी नहीं

शेख हसीना ने एक इंटरव्यू में बांग्लादेश की विदेश नीति का किया जिक्र

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत के साथ रिश्तों को लेकर बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने कहा है कि बांग्लादेश भारत का सबसे करीबी पड़ोसी है और दोनों देशों के संबंध किसी एक व्यक्ति से कहीं ज्यादा अहम हैं। भारत में अगस्त 2024 से रह रहीं शेख हसीना ने एक इंटरव्यू में कहा कि उनकी निजी स्थिति भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में रुकावट नहीं बननी चाहिए। उन्होंने चीन के साथ बांग्लादेश की बढ़ती नजदीकी पर भी अपनी राय रखी और साफ कहा कि एक देश के साथ दोस्ती करने के लिए दूसरे देश से दुश्मनी जरूरी नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शेख हसीना ने कहा कि भारत और बांग्लादेश के संबंध 1971 के मुक्ति संग्राम के समय से चले आ रहे हैं। दोनों देशों के बीच लंबी सीमा है और व्यापार, ऊर्जा, कनेक्टिविटी और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में साझा हित जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि ये रिश्ते इतने अहम हैं कि इन्हें किसी व्यक्ति से जुड़े राजनीतिक मतभेदों के आधार पर नहीं देखा जाना चाहिए। बांग्लादेश की मौजूदा सरकार की ओर से अपने प्रत्यर्पण की मांग पर हसीना ने कहा कि भारत एक संप्रभु देश है और उसके अपने कानून और प्रक्रियाएं हैं। वहां की सरकार इन्हीं के मुताबिक फैसला लेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनकी निजी स्थिति दोनों देशों के संबंधों में कोई बाधा नहीं बनेगी।

भारत के महत्व पर जोर देते हुए हसीना ने कहा कि एक शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक और स्थिर बांग्लादेश से भारत को फायदा होता है, जबकि मित्रवत और सहयोगी भारत बांग्लादेश के हित में है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों के बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन उनका समाधान बातचीत और आपसी सम्मान से होना चाहिए। गंगा के पानी के बंटवारे, जमीन की सीमा और समुद्री सीमाओं से जुड़े मुद्दों का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि बातचीत से विवाद सुलझाए जा सकते हैं।

उन्होंने बांग्लादेश के चीन के करीब जाने और बीजिंग से लड़ाकू विमान खरीदने की संभावनाओं पर हसीना ने कहा कि बांग्लादेश को अपनी सेना आधुनिक बनाने का पूरा अधिकार है। उनकी सरकार ने भी रक्षा क्षेत्र में निवेश किया था और चीन समेत कई देशों के साथ सहयोग किया था। हालांकि, उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में किसी भी बड़ी खरीदारी से पहले देश की आर्थिक स्थिति और उसकी वास्तविक जरूरतों को देखना जरूरी है।

शेख हसीना ने कहा कि बांग्लादेश को अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देनी चाहिए, लेकिन उसे बड़ी शक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा का अखाड़ा नहीं बनने देना चाहिए। उन्होंने अपनी सरकार की विदेश नीति का जिक्र करते



हुए कहा कि उसका सिद्धांत सभी देशों के साथ दोस्ती और किसी के प्रति दुश्मनी नहीं रखने का रहा है। हसीना के इस बयान में भारत के साथ मजबूत सहयोग, चीन के साथ संतुलित संबंध और क्षेत्रीय स्थिरता को लेकर उनका नजरिया साफ दिखाई देता है।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार सख्त

नियमों का उल्लंघन तो अफसर होंगे जिम्मेदार, 191 उद्योगों को सील करने के निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी । दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार ने सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने दिल्ली, हरियाणा, यूपी और राजस्थान के पर्यावरण मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि प्रदूषण किसी राज्य की सीमा में नहीं रुकता, इसलिए दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में मिलकर एक जैसे कदम उठाने होंगे।



मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केंद्रीय मंत्री यादव ने जल्द से जल्द सभी संबंधित राज्यों को गाड़ियों की नंबर प्लेट पहचानने वाले ऑटोमैटिक कैमरे लगाने के निर्देश दिए हैं। ऐसा नहीं करने पर 30 नवंबर 2026 के बाद संबंधित परिवहन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा शुरू किया जाएगा। यादव ने हरियाणा, यूपी और राजस्थान के 15 शहरों में सचिव स्तर के अधिकारियों को तैनात करने और प्रदूषण नियंत्रण उपायों की रियल टाइम निगरानी के निर्देश दिए हैं। नियमों के उल्लंघन पर इन फील्ड अफसरों की सीधी जवाबदेही होगी।

केंद्रीय मंत्री यादव ने कहा कि वह खुद राज्यों के पर्यावरण मंत्रियों के साथ मिलकर नियमित रूप से फील्ड निरीक्षण करेंगे। इसके साथ ही यादव ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को बार-बार नियम तोड़ने वाले 191 उद्योगों को तत्काल सील करने का निर्देश दिया। इन इकाइयों ने प्रदूषण नियंत्रण उपकरण लगाने के निर्देशों का पालन नहीं किया है। सड़क धूल नियंत्रण की स्थिति पर चिंता जताते हुए यादव ने कहा कि 5480 किलोमीटर सड़कों में से केवल 3221 किलोमीटर का पुनर्विकास हुआ है। उन्होंने संबंधित एजेंसियों को गड्ढों की मरम्मत, फुटपाथों की देखभाल के साथ ही सड़कों की एंड-टु-एंड पक्की सतह सुनिश्चित करने को कहा। मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनों को डबल शिफ्ट में चलाने और एआई आधारित निगरानी से उनकी कार्यप्रणाली पर नजर रखने के निर्देश भी दिए। हरियाणा के 7, यूपी के 4 और राजस्थान के 4 शहरों में सचिव स्तर के अफसरों को फील्ड निरीक्षण का जिम्मा सौंपा गया है। ये अफसर हर सप्ताह रिपोर्ट देंगे, नियमों के उल्लंघन पर होगी सीधी जवाबदेही। दिल्ली के 154 बॉर्डर एंट्री पॉइंट्स पर इस साल 31 दिसंबर तक मल्टी-लेन फ्री फ्लो सिस्टम लगाए जाएं।

नहीं थम रहा जहरीली शराब से मौतों का सिलसिला, सागर में जहरीली शराब पीने से एक की मौत, दूसरा गंभीर

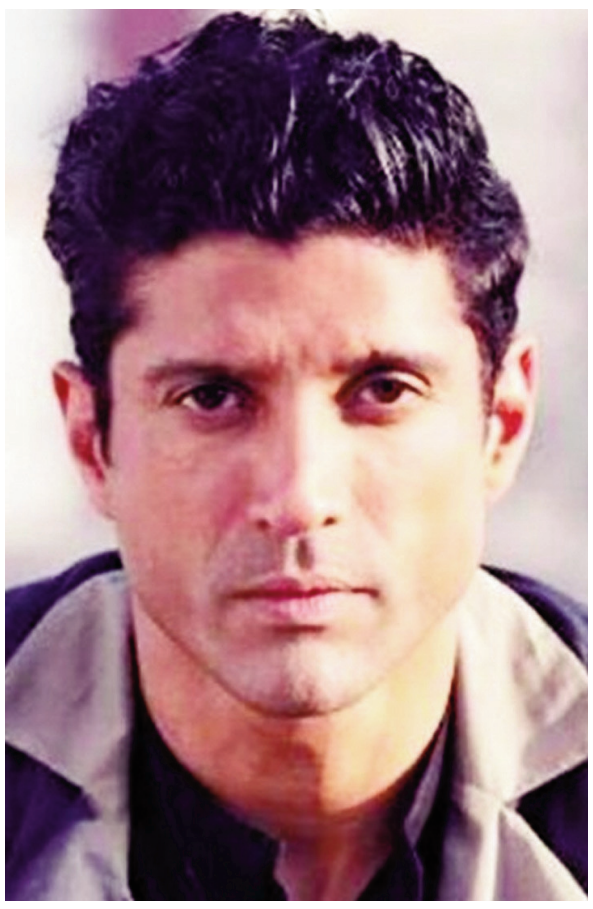
सागर, एजेंसी । मध्यप्रदेश में जहरीली शराब से होने वाली मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला सागर जिले का सामने आया है, जहां कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दूसरा व्यक्ति गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती है। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दोनों व्यक्तियों ने विवेकानंद वार्ड की मछरआई की शराब दुकान से शराब खरीद कर पी थी। इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। हालत गंभीर होने पर उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां राजाराम खटीक को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरे कमलेश पिता रामचरण का उपचार जारी है। घटना के बाद पुलिस और प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

विरासत सहेजकर झारखंड को समृद्ध बनाने का आह्वान: सीएम सोरेन

रांची, एजेंसी । झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के 26वें स्थापना दिवस और आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की जयंती के मौके पर प्रदेशवासियों से अपनी गौरवशाली विरासत और संस्कृति को सहेजकर एक समृद्ध एवं सशक्त झारखंड के निर्माण का संकल्प लेने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि आज का दिन हमारे लिए गौरव, स्वाभिमान और संकल्प का दिन है।

15 नवंबर, 2000 को बिहार से अलग होकर नए राज्य के रूप में अस्तित्व में आया झारखंड, आज अपने 26वें स्थापना दिवस पर आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मना रहा है। मुख्यमंत्री सोरेन ने इस मौके पर कहा कि यह दिन उन वीर पुरखों और शहीदों के संघर्ष, त्याग और बलिदान की याद दिलाता है जिन्होंने जल, जंगल, जमीन, हक-अधिकार और अस्मिता की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर किया। उन्होंने दिशोम गुरु शिबू सोरेन, शहीद निर्मल महतो, विनोद बिहारी महतो सहित बिरसा मुंडा, तिलका मांझी, सिदो-कान्हू जैसे असंख्य आंदोलनकारियों के योगदान को राज्य की अमूल्य धरोहर बताया।

बिरसा मुंडा, जिनका जन्म 1875 में खूंटी जिले के उलिहातू गांव में हुआ था, ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ आदिवासियों को संगठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और 25 वर्ष की अल्पायु में ही ब्रिटिश हिरासत में उनका निधन हो गया था। 2021 से उनकी जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जा रहा है, जो भारत के स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समुदायों के योगदान को सम्मान देने का प्रतीक है। मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि उनके पुरखों ने जिस झारखंड का सपना देखा था, उस सपने को साकार करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। इसी संकल्प के साथ राज्य सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। युवाओं को राज्य की सबसे बड़ी ताकत बताकर सोरेन ने कहा कि उनकी प्रतिभा और नई सोच ही झारखंड के उज्ज्वल भविष्य की नींव है। सोरेन सरकार उन्हें बेहतर शिक्षा, कौशल और रोजगार के अवसर प्रदान कर उनकी ऊर्जा को राज्य की शक्ति में बदलना चाहती है।



फरहान अख्तर ने वेब सीरीज 'मिर्जापुर' को बड़े पर्दे पर लाने के पीछे की सोच के बारे में बात की

फरहान अख्तर ने वेब सीरीज 'मिर्जापुर' की दुनिया को बड़े पर्दे पर लाने के पीछे की सोच के बारे में खुलकर बात की है। उनका कहना है कि सीरीज के पहले दो सीजन को दर्शकों से मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स ने उन्हें और निर्माता रितेश सिधवानी को यह सोचने पर मजबूर किया कि 'मिर्जापुर' की कहानी को फिल्म के रूप में भी आगे बढ़ाया जा सकता है। मेकर्स का मानना था कि इस सीरीज की दुनिया और इसके किरदार बड़े पर्दे पर भी दर्शकों को पसंद आएंगे।

फरहान ने बातचीत में बताया कि पहले और दूसरे सीजन के बाद जब भी वे कहीं जाते थे, लोग उनसे 'मिर्जापुर' के अगले सीजन के बारे में जरूर पूछते थे। दर्शकों के बीच इस कहानी को लेकर काफी उत्सुकता थी। लोग जानना चाहते थे कि इसका अगला हिस्सा कब आएगा और कहानी में आगे क्या होने वाला है।

फरहान ने कहा, ''आप जानते हैं, बात यह है कि पहले और दूसरे सीजन के बाद जब भी हम कहीं जाते थे, लोग हमसे हमेशा पूछते थे कि 'मिर्जापुर' का अगला सीजन कब आएगा? आगे क्या होने वाला है? इसे कब बनाया जाएगा? क्या इसका तीसरा सीजन भी आएगा?''

उन्होंने आगे कहा, ''जब भी हम बाहर निकलते थे, हमें लोगों के बीच एक अलग तरह का उत्साह दिखाई देता था। हमें लगा कि फिल्म और सीरीज की कहानी और इसकी लेखन शैली बड़े पर्दे पर भी बहुत अच्छी तरह काम करेगी।''

फरहान ने बताया, ''मिर्जापुर' के किरदार और इसकी दुनिया काफी बड़े स्तर की है। दर्शकों ने अब तक इस दुनिया को घर पर बैठकर अकेले या अपने परिवार के साथ देखा है, लेकिन फिल्म के जरिए उन्हें इसे एक अलग अंदाज में देखने का मौका मिलने वाला था। फिल्म को लेकर मेकर्स की सोच थी कि यह दर्शकों को एक साथ सिनेमाघर में बैठकर कहानी देखने का अनुभव देगी।'' उन्होंने कहा, ''मेकर्स चाहते थे कि जिन लोगों ने कभी 'मिर्जापुर' नहीं देखी है, वे भी फिल्म देखने आएं और इसका पूरा आनंद ले सकें। वे फिल्म देखकर बाहर निकलें तो उन्हें लगे कि उन्होंने एक पूरी कहानी देखी है, न कि किसी सीरीज का अधूरा हिस्सा। यह हमारे सामने एक चुनौती थी। लेकिन पुनीत की लेखनी और गुरु के निर्देशन ने सब कुछ बहुत खूबसूरती से जोड़ दिया। हमें शुरुआत से ही विश्वास था कि 'मिर्जापुर' की यह दुनिया फीचर फिल्म के रूप में भी अच्छी तरह ढल सकती है।''

अब फिल्म डिजिटल प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज हो गई है। फरहान ने कहा, ''किसी न किसी मायने में यह घर वापसी जैसा है। अच्छा लग रहा है। फिल्म को ओटीटी पर एक अलग तरह के दर्शक भी देखने वाले हैं। अब अमेजन प्राइम पर रिलीज के जरिए हम उन दर्शकों तक भी पहुंच पाएंगे।''





रोमांटिक किरदार निभाने पर बोले मनोज बाजपेयी

अभिनेता मनोज बाजपेयी अपनी नई फिल्म 'लास्ट मैन इन टॉवर' को लेकर चर्चा में हैं। इसके प्रमोशन के दौरान अभिनेता ने इस बात पर चर्चा की कि इंडस्ट्री में तीन दशक बिताने के बावजूद, उन्हें रोमांटिक फिल्मों में बहुत कम क्यों देखा गया है। बातचीत में अभिनेता ने बताया कि वह हमेशा से एक जटिल प्रेम कहानी का हिस्सा बनना चाहते थे, लेकिन उन्हें कभी कोई सही ऑफर नहीं मिला। दिलचस्प बात यह है कि मनोज का मानना है कि इंडस्ट्री में अभी भी ऐसे अभिनेताओं को रोमांटिक किरदारों में कास्ट करने को लेकर हिचकिचाहट है, जिनका लुक पारंपरिक नहीं है। मनोज ने बताया कि उनसे पूछा गया था कि वह रोमांटिक फिल्में क्यों नहीं करते। उन्होंने कहा, 'किसी ने मुझसे पूछा, 'आप रोमांटिक फिल्में क्यों नहीं करते?' मैंने कहा, 'अरे भाई, तीन दशक हो गए हैं!' मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि कोई निर्देशक या लेखक मुझे रोमांटिक फिल्म का ऑफर देने में दिलचस्पी रखता हो।' अभिनेता ने कहा कि उन्हें कभी भी पर्दे पर रोमांस करने की अपनी क्षमता पर कोई शक नहीं रहा। हालांकि, वह हमेशा से एक आम प्रेम कहानी से कुछ अलग और बेहतर करना चाहते थे। उन्होंने कहा, 'मुझे पता है कि एक रोमांटिक किरदार कैसे निभाते हैं। मुझे पता है कि रोमांस कैसे किया जाता है। शायद मैं किसी आम रोमांटिक फिल्म से कुछ हटकर तलाश रहा था, क्योंकि मैं ऐसा इंसान नहीं हूं जो आसानी से किसी एक घिसे-पिटे सांचे में फिट हो जाए। मैं हमेशा से एक बहुत ही जटिल प्रेम कहानी की तलाश में था, लेकिन मुझे कभी ऐसा कोई ऑफर नहीं मिला। एक-दो मौके आए भी, लेकिन किसी न किसी वजह से वे फिल्में कभी बन ही नहीं पाई या शुरू ही नहीं हो सकीं।' अपने करियर के इस पड़ाव पर, मनोज को लगता है कि अधेड़ उम्र के लोगों के रोमांस को पर्दे पर दिखाना एक दिलचस्प विषय हो सकता है। उन्होंने आगे कहा, 'आज के समय में आप केवल अधेड़ उम्र के लोगों की प्रेम कहानी के बारे में ही सोच सकते हैं। ऐसे देश में जहां अलग लुक वाले अभिनेताओं के पास रोमांटिक फिल्म करने का विकल्प तक नहीं है, वहां वह यह कैसे सोच सकते हैं कि कोई अधेड़ उम्र का व्यक्ति इस तरह के दर्शकों के लिए रोमांस कर सकता है? निर्देशक और लेखक उतने ही अच्छे होते हैं जितना कि समाज, है ना? इसलिए, मुझे हमेशा उम्मीद रहती है कि कोई कुछ बहुत ही अनोखा और जटिल लेकर आएगा। जैसे कि अधेड़ उम्र के लोगों की कहानी।'



श्रुति हासन ने कॉस्मेटिक प्रोसीजर को लेकर अपने निजी अनुभवों पर बात की

अभिनेत्री श्रुति हासन ने कॉस्मेटिक सर्जरी और शराब को लेकर अपने निजी अनुभवों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें कॉस्मेटिक प्रोसीजर के बारे में झूठ बोलने की कोई जरूरत महसूस नहीं होती। इसके साथ ही अभिनेत्री ने बताया कि वह आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं। श्रुति हासन ने ये बातें नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में बातचीत के दौरान कही। कॉस्मेटिक प्रोसीजर को लेकर अपनी राय रखते हुए उन्होंने कहा कि हर किसी को अपनी मर्जी से फैसले लेने का अधिकार है, लेकिन उन्हें इन फैसलों को छिपाने या उनके बारे में झूठ बोलने की जरूरत समझ नहीं आती।

श्रुति ने कहा, ''मैं इन चीजों के बारे में बहुत सोच-समझकर बात करती हूं, लेकिन मैं लोगों के सामने बड़ी हुई हूं और ऐसे में इस बारे में झूठ बोलना बेवकूफी होगी। मैं किसी को जज नहीं कर रही हूं, लेकिन कुछ लोग कहते हैं- 'मैं तो ऐसी ही पैदा हुई थी'... जबकि तीन हफ्ते पहले तो आप ऐसे नहीं दिखते थे।'' उन्होंने आगे कहा कि हर किसी की अपनी पसंद और अपनी जिंदगी है। किसी को भी अपने शरीर के साथ क्या करना है, यह तय करने का पूरा अधिकार है। उन्हें सिर्फ इस बात से परेशानी है कि लोग अपनी पसंद के बारे में सच बोलने से क्यों बचते हैं। अभिनेत्री ने कहा, ''सबकी मर्जी, खुद की मर्जी। मुझे इसके बारे में झूठ बोलने की कोई वजह समझ नहीं आती। लेकिन मैं इसे बढ़ावा भी नहीं देना चाहती।'' बातचीत के दौरान श्रुति ने अपनी जिंदगी के एक निजी पहलू पर भी बात की। उन्होंने शराब के साथ अपने रिश्ते और उससे दूरी बनाने के अनुभव को साझा किया। अभिनेत्री ने बताया कि वह लगातार आठ साल तक शराब से पूरी तरह दूर रही थीं। इस दौरान उन्होंने एक बूंद भी शराब नहीं पी थी। हालांकि, इसके बाद उन्होंने दोबारा शराब पीना शुरू कर दिया। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए श्रुति ने कहा, ''मैंने हमेशा खुलकर कहा है कि शराब मेरे लिए अच्छी नहीं है। अब मैं इसे लेकर बहुत सावधान रहती हूं। फिलहाल मैं इसे संभालने की कोशिश के सफर में हूं।'' श्रुति हासन दिग्गज अभिनेता कमल हासन और अभिनेत्री सारिका ठाकुर की बेटी हैं। उन्होंने अपने करियर में हिंदी के साथ तमिल और तेलुगु फिल्मों में भी काम किया है। अभिनय के अलावा वह संगीत में भी रुचि रखती हैं और एक गायिका के तौर पर भी अपनी पहचान बना चुकी हैं।



शूर्पणखा बनने के लिए रकुल प्रीत को रोज लगते थे चार घंटे

इन दिनों फिल्म 'रामायण' को लेकर भी दर्शकों के बीच काफी चर्चा है। फिल्म में शूर्पणखा का किरदार निभा रहीं अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने अब अपने इस सफर की कुछ खास झलकियां साझा की हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर बिहाइंड द सीन्स (बीटीएस) तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए हैं, जिनमें वह अपने किरदार की तैयारी करती, मेकअप करवाती और शूटिंग के दौरान नजर आ रही हैं। रकुल ने इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए इस पोस्ट के जरिए बताया कि वह काफी समय से इस किरदार को निभाने का अनुभव फैंस के साथ साझा करना चाहती थीं। पोस्ट में उनके शूर्पणखा के लुक की तैयारी से लेकर सेट पर शूटिंग तक के कई पल देखने को मिल रहे हैं।

इनमें मेकअप और हेयरस्टाइल टीम के साथ बिताया गया समय भी शामिल है। रकुल ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'मैं 'रामायण' में शूर्पणखा का किरदार निभाने का अनुभव साझा करने का इंतजार कर रही थी। यह मेरे लिए बेहद खास सफर रहा है। ऐसा हर बार नहीं होता कि आपको ऐसी कहानी का हिस्सा बनने का मौका मिले, जो पीढ़ियों से हमारी जिंदगी और संस्कृति का हिस्सा रही है। 'रामायण' को इतने बड़े स्तर पर पर्दे पर जीवंत होते देखना वाकई एक अलग अनुभव है। ऐसी कहानी का हिस्सा बनना, जो हमारे देश के लिए इतना मायने रखती है और उसे इतने बड़े स्तर पर आकार लेते देखना, इस सफर को मेरे लिए और भी खास बनाता है।'' उन्होंने आगे लिखा, ''नमित मल्होत्रा और नितेश तिवारी का शुक्रिया, जो दूर की सोच रखने वाले ऐसे लोग हैं, जिन्होंने बड़ा सपना देखा और उसे हकीकत में बदला। उनकी मेहनत और भारत से पूरी दुनिया तक कुछ असाधारण बनाने की इच्छा इस सफर को बेहद प्रेरणादायक बनाती है। रणबीर कपूर, साई पल्लवी, यश, रवि दुबे, काजल अग्रवाल, शोभना और पूरी स्टारकास्ट व क्रू का भी शुक्रिया। आप सभी शानदार सह-कलाकार रहे और इस जादू को पर्दे पर उतारने के लिए सभी ने अपनी पूरी मेहनत लगा दी।

वेब सीरीज 'पुष्पक विमान' में नजर आएंगे जयदीप अहलावत

जयदीप अहलावत एक बार फिर दर्शकों के लिए कुछ नया लेकर आ रहे हैं. अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यम 3' में अपने अभिनय को लेकर चर्चा में रहे अभिनेता अब नई वेब सीरीज 'पुष्पक विमान' में नजर आएंगे. इस बार कहानी में सिर्फ अपराध और रहस्य ही नहीं, बल्कि हंसी-मजाक का भी तड़का होगा. 'पुष्पक विमान' में जयदीप अहलावत के साथ बरुन सोबती और अभिषेक बनर्जी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे. इस सीरीज को सुदीप शर्मा बना रहे हैं, जो 'पाताल लोक', 'कोहरा' और 'उड़ता पंजाब' जैसी कहानियों से पहले भी दर्शकों का ध्यान खींच चुके हैं. बरुन सोबती और सुदीप शर्मा इससे पहले भी साथ काम कर चुके हैं. अब यह जोड़ी एक नई कहानी के साथ लौट रही है रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स इस सीरीज को 2026 की शुरुआत में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं. हालांकि, इसकी कहानी और दूसरी जानकारियों को फिलहाल गुप्त रखा गया है.



बॉक्स ऑफिस पर श्रद्धा कपूर से भिड़ेंगे सलमान खान, फिर भी 'ईथा' को किया सपोर्ट



बॉक्स ऑफिस पर जब दो बड़े सितारों की फिल्में एक ही दिन रिलीज होती हैं, तो मुकाबले की चर्चा होना लाजिमी है. लेकिन इस बार सलमान खान ने ऐसा कुछ किया है, जिसने सबका ध्यान खींच लिया है. उनकी फिल्म 'मातृभूमि' और श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईथा' 4 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली हैं. यानी दोनों फिल्मों के बीच सीधी टक्कर होने वाली है. इसके बावजूद सलमान ने श्रद्धा की फिल्म को सपोर्ट किया है और पूरी टीम को शुभकामनाएं दी हैं.

सलमान ने शेयर किया 'ईथा' का पोस्टर और ट्रेलर

12 नवंबर को सलमान खान ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईथा' का पोस्टर और ट्रेलर लिंक शेयर किया. उन्होंने श्रद्धा कपूर और मैडॉक फिल्म्स को टैग करते हुए लिखा, 'ऑल द बेस्ट फॉर ईथा.' सलमान के इस पोस्ट को मैडॉक फिल्म्स ने भी री-शेयर किया और उनका शुक्रिया अदा किया. प्रोडक्शन हाउस ने लिखा, 'प्यार और सपोर्ट के लिए शुक्रिया सलमान सर.' खास बात यह है कि सलमान ने यह शुभकामना ऐसे वक्त दी है, जब उनकी अपनी फिल्म भी श्रद्धा की फिल्म के साथ रिलीज होने जा रही है. लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी 'ईथा' एक बायोग्राफिकल ड्रामा है. इसमें श्रद्धा कपूर महाराष्ट्र की मशहूर तमाशा और लावणी कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर का किरदार निभा रही हैं. वहीं सलमान खान की फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' का निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है. फिल्म में सलमान के साथ चित्रांगदा सिंह नजर आएंगी. अब 4 दिसंबर को बॉक्स ऑफिस पर दोनों फिल्मों का मुकाबला दिलचस्प होने वाला है.





हिन्दू धर्म के हिसाब से वैसे तो हर ग्यारस तिथि को महत्वपूर्ण माना गया है और कई लोग इस तिथि पर उपवास रखते हैं परन्तु देव उठनी ग्यारस का विशेष महत्व है. ऐसा कहा जाता है कि कार्तिक माह की एकादशी को भगवान विष्णु चार माह बाद योगनिद्रा से जागे थे और इसलिए चातुर्मास के बाद अब यह पहला मुहूर्त होता है जिसे सभी कार्यों के लिए बहुत शुभ माना जाता है. सबके पालनकर्ता श्री हरि हैं, इसलिए सनातन धर्मावलंबी प्रत्येक मांगलिक कार्यों का शुभारंभ भगवान विष्णु को साक्षी मानकर करते हैं. आज के दिन तुलसी विवाह से शादी का मौसम भी शुरू होता है. तुलसी विवाह एक रस्म है जिसमें आज के दिन तुलसी जी का विवाह विष्णु भगवान के साथ किया जाता है.



देवउठनी एकादशी

विष्णु-लक्ष्मी की उपासना का दिन

दीपावली के 11 दिन बाद देव प्रबोध उत्सव और तुलसी के विवाह को देवउठनी एकादशी कहते हैं। एकादशी का यह पर्व बड़े उत्साह से मनाया जाता है। क्षीरसागर में शयन कर रहे श्री हरि विष्णु को जगाकर उनसे मांगलिक कार्यों की शुरूआत कराने की प्रार्थना की जाती है। मंदिरों के व घरों में गन्नों के मंडप बनाकर श्रद्धालु भगवान लक्ष्मीनारायण का पूजन कर उन्हें बेर, चने की भाजी, आँवला सहित अन्य मौसमी फल व सब्जियों के साथ पकवान का भोग अर्पित किए जाते हैं। मंडप में शालिगराम की प्रतिमा व तुलसी का पौधा रखकर उनका विवाह कराया जाता है। इसके बाद मण्डप की परिक्रमा करते हुए भगवान से कुँवारों के विवाह कराने और विवाहितों के गौना कराने की प्रार्थना की जाती है। दीप मालिकाओं से घरों को रोशन किया जाएगा और बच्चे पटाखे चलाकर खुशियाँ मनाते हैं।

कैसे करें ग्यारस के दिन पूजन

- देवउठनी ग्यारस के दिन ब्रह्म मुहूर्त में जल्दी उठकर स्नान करना चाहिए।
- इस दिन घर के दरवाजे को पानी से स्वच्छ करना चाहिए, फिर चूने व गेरू से देवा बनाने चाहिए।
- उसके ऊपर गन्ने का मंडप सजाने के बाद देवताओं की स्थापना करना चाहिए। भगवान विष्णु का पूजन करते समय गुड़, रूई, रोली, अक्षत, चावल, पुष्प रखना चाहिए।
- पूजन में दीप जलाकर देव उठने का उत्सव मनाते हुए 'उठो देव बैठो देव' का गीत गाना चाहिए।

सामग्री- गंगा जल, शुद्ध मिट्टी, कुश, सप्तधान्य, हल्दी, कुमकुम, अक्षत, पंचरत्न, लाल वस्त्र, कपूर, पान, घी, सुपारी, रौली, दूध, दही, शहद, फल, शकर, फूल, नैवेद्य, गन्ने, हवन सामग्री, तुलसी पौधा, विष्णु प्रतिमा।

क्यों मनाते हैं देवउठनी एकादशी

पौराणिक कथा के अनुसार भगवान विष्णु व जलंधर के बीच युद्ध होता है। जलंधर की पत्नी तुलसी पतिव्रता रहती हैं। इसके कारण विष्णु जलंधर को पराजित नहीं कर पा रहे थे। जलंधर को पराजित करने के लिए भगवान युक्ति के तहत जालंधर का रूप धारण कर तुलसी का सतीत्व भंग करने पहुँच गए। तुलसी का सतीत्व भंग होते ही भगवान विष्णु जलंधर को युद्ध में पराजित कर देते हैं। युद्ध में जलंधर मारा जाता है। भगवान विष्णु तुलसी को वरदान देते हैं कि वे उनके साथ पूजी जाएँगी। एक अन्य कथा के अनुसार गंगा राधा को जड़त्व रूप हो जाने व राधा को गंगा के जल रूप हो जाने का शाप देती हैं। राधा व गंगा दोनों ने भगवान कृष्ण को पाषाण रूप हो जाने का शाप दे दिया। इसके कारण ही राधा तुलसी, गंगा नदी व कृष्ण सालिगराम के रूप में प्रसिद्ध हुए। प्रबोधिनी एकादशी के दिन सालिगराम, तुलसी व शंख का पूजन करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। देव प्रबोधिनी एकादशी का महत्व शास्त्रों में उल्लेखित है। गोधूलि बेला में तुलसी विवाह करने का पुण्य लिया जाता है। एकादशी व्रत और कथा श्रवण से स्वर्ग की प्राप्ति होती है।

देवोत्थान एकादशी

कार्तिक शुक्ल एकादशी को तुलसी पूजन का उत्सव मनाया जाता है, किन्तु उत्तर भारत में इसका विशेष महत्व है। तुलसी को विष्णु-प्रिया भी कहते हैं। वैसे तो तुलसी विवाह के लिए कार्तिक शुक्ल नवमी की तिथि ठीक है परंतु कुछ लोग एकादशी से पूर्णिमा तक तुलसी पूजन कर पाँचवें दिन तुलसी का विवाह करते हैं। तुलसी विवाह की यही पद्धति अधिक प्रचलित है। इस दिन से हिन्दू समाज में विवाहादि मांगलिक कार्य भी पुनः प्रारंभ हो जाते हैं। इस एकादशी के उपवास से उत्तम फल की प्राप्ति होती है।



देवउठनी एकादशी व्रत कथा

कार्तिक माह की शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवउठनी एकादशी कहा जाता है। इसे देवोत्थान एकादशी, देवउठनी ग्यारस, प्रबोधिनी एकादशी आदि नामों से भी जाना जाता है। एक राजा के राज्य में सभी लोग एकादशी का व्रत रखते थे। प्रजा तथा नौकर-चाकरों से लेकर पशुओं तक को एकादशी के दिन अन्न नहीं दिया जाता था। एक दिन किसी दूसरे राज्य का एक व्यक्ति राजा के पास आकर बोला- महाराज! कृपा करके मुझे नौकरी पर रख लें। तब राजा ने उसके सामने एक शर्त रखी कि ठीक है, रख लेते हैं। किन्तु रोज तो तुम्हें खाने को सब कुछ मिलेगा, पर एकादशी को अन्न नहीं मिलेगा। उस व्यक्ति ने उस समय हाँ कर ली, पर एकादशी के दिन जब उसे फलाहार का सामान दिया गया तो वह राजा के सामने जाकर गिड़गिड़ाने लगा- महाराज! इससे मेरा पेट नहीं भरेगा। मैं भूखा ही मर जाऊँगा। मुझे अन्न दे दो। राजा ने उसे शर्त की बात याद दिलाई, पर वह अन्न छोड़ने को राजी नहीं हुआ, तब राजा ने उसे आटा-दाल-चावल आदि दिए। वह नित्य की तरह नदी पर पहुँचा और स्नान कर भोजन पकाने लगा। जब भोजन बन गया तो वह भगवान को बुलाने लगा- आओ भगवान! भोजन तैयार है।

पंद्रह दिन बाद अगली एकादशी को वह राजा से कहने लगा कि महाराज, मुझे दुगुना सामान दीजिए। उस दिन तो मैं भूखा ही रह गया। राजा ने कारण पूछा तो उसने बताया कि हमारे साथ भगवान भी खाते हैं। इसीलिए हम दोनों के लिए ये सामान पूरा नहीं होता।

बुलाने पर पीताम्बर धारण किए भगवान चतुर्भुज रूप में आ पहुँचे तथा प्रेम से उसके साथ भोजन करने लगे। भोजनादि करके भगवान अंतर्धान हो गए तथा वह अपने काम पर चला गया।

पंद्रह दिन बाद अगली एकादशी को वह राजा से कहने लगा कि महाराज, मुझे दुगुना सामान दीजिए। उस दिन तो मैं भूखा ही रह गया। राजा ने कारण पूछा तो उसने बताया कि हमारे साथ भगवान भी खाते हैं। इसीलिए हम दोनों के लिए ये सामान पूरा नहीं होता। यह सुनकर राजा को बड़ा आश्चर्य हुआ। वह बोला- मैं नहीं मान सकता कि भगवान तुम्हारे साथ खाते हैं। मैं तो इतना व्रत रखता हूँ, पूजा करता हूँ, पर भगवान ने मुझे कभी दर्शन नहीं दिए।

राजा की बात सुनकर वह बोला- महाराज! यदि विश्वास न हो तो साथ चलकर देख लें। राजा एक पेड़ के पीछे छिपकर बैठ गया। उस व्यक्ति ने भोजन बनाया तथा भगवान को शाम तक पुकारता रहा, परंतु भगवान न आए। अंत में उसने कहा- हे भगवान! यदि आप नहीं आए तो मैं नदी में कूदकर प्राण त्याग दूँगा। लेकिन भगवान नहीं आए, तब वह प्राण त्यागने के उद्देश्य से नदी की तरफ बढ़ा। प्राण त्यागने का उसका दृढ़ इरादा जान शीघ्र ही भगवान ने प्रकट होकर उसे रोक लिया और साथ बैठकर भोजन करने लगे। खा-पीकर वे उसे अपने विमान में बिठाकर अपने धाम ले गए। यह देख राजा ने सोचा कि व्रत-उपवास से तब तक कोई फायदा नहीं होता, जब तक मन शुद्ध न हो। इससे राजा को ज्ञान मिला। वह भी मन से व्रत-उपवास करने लगा और अंत में स्वर्ग को प्राप्त हुआ।

कैसे करें व्रत-पूजन

- व्रती स्त्रियां इस दिन प्रातःकाल स्नानादि से निवृत्त होकर आंगन में चौक बनाएं।
- पश्चात भगवान विष्णु के चरणों को कलात्मक रूप से अंकित करें।
- फिर दिन की तेज धूप में विष्णु के चरणों को ढंक दें।
- देवउठनी एकादशी को रात्रि के समय सुभाषित स्त्रोत पाठ, भगवत कथा और पुराणादि का श्रवण और भजन आदि का गायन करें।
- घंटा, शंख, मृदंग, नगाड़े और वीणा बजाएं।
- विविध प्रकार के खेल-कूद, लीला और नाच आदि के साथ इस मंत्र का उच्चारण करते हुए भगवान को जगाएं -

उत्तिष्ठ गोविन्द त्यज निद्रां जगत्पतये। त्वयि सुप्ते जगन्नाथ जगत सुप्तं भवेदिदम॥
उत्थिते चेष्टते सर्वमुत्तिष्ठोत्तिष्ठ माधव। गतामेघा वियच्चैव निर्मलं निर्मलादिशः॥
शारदानि च पुष्पाणि गृहाण मम केशव।

इसके बाद विधिवत पूजा करें।

कैसे करें व्रत-पूजन

- पूजन के लिए भगवान का मन्दिर अथवा सिंहासन को विभिन्न प्रकार के लता पत्र, फल, पुष्प और वंदनबार आदि से सजाएं।
- आंगन में देवोत्थान का चित्र बनाएं, तत्पश्चात फल, पकवान, सिंघाड़े, गन्ने आदि चढ़ाकर डलिया से ढंक दें तथा दीपक जलाएं।
- विष्णु पूजा या पंचदेव पूजा विधान अथवा रामार्चनचन्द्रिका आदि के अनुसार श्रद्धापूर्वक पूजन तथा दीपक, कपूर आदि से आरती करें।
- इसके बाद इस मंत्र से पुष्पांजलि अर्पित करें -

यज्ञेन यज्ञमयजन्त देवास्तानि धर्माणि प्रथमान्यासन।
तेह नाकं महिमानः सचन्त यत्र पूर्वे साध्याः सन्तिदेवाः॥

पश्चात इस मंत्र से प्रार्थना करें -

इयं तु द्वादशी देव प्रबोधाय विनिर्मिता। त्वयैव सर्वलोकानां हितार्थं शेषशायिना॥
इदं व्रतं मया देव कृतं प्रीत्यै तव प्रभो। न्यूनं सम्पूर्णतां यातु त्वत्प्रसादाज्जनार्दन॥

साथ ही प्रह्लाद, नारद, पाराशर, पुण्डरीक, व्यास, अम्बरीष,शुक, शौनक और भीष्मादि भक्तों का स्मरण करके चरणामृत, पंचामृत व प्रसाद वितरित करें। तत्पश्चात एक रथ में भगवान को विराजमान कर स्वयं उसे खींचें तथा नगर, ग्राम या गलियों में भ्रमण कराएं। (शास्त्रानुसार जिस समय वामन भगवान तीन पद भूमि लेकर विदा हुए थे, उस समय दैत्यराज बलि ने वामनजी को रथ में विराजमान कर स्वयं उसे चलाया था। ऐसा करने से समुत्थिते ततो विष्णौ क्रियाः सर्वाः प्रवर्तयेत के अनुसार भगवान विष्णु योग निद्रा को त्याग कर सभी प्रकार की क्रिया करने में प्रवृत्त हो जाते हैं।) अंत में कथा श्रवण कर प्रसाद का वितरण करें।



देव उठनी ग्यारस का महत्व

हिन्दू धर्म के हिसाब से वैसे तो हर ग्यारस तिथि को महत्वपूर्ण माना गया है और कई लोग इस तिथि पर उपवास रखते हैं परन्तु देव उठनी ग्यारस का विशेष महत्व है. ऐसा कहा जाता है कि कार्तिक माह की एकादशी को भगवान विष्णु चार माह बाद योगनिद्रा से जागे थे और इसलिए चातुर्मास के बाद अब यह पहला मुहूर्त होता है जिसे सभी कार्यों के लिए बहुत शुभ माना जाता है. सबके पालनकर्ता श्री हरि हैं, इसलिए सनातन धर्मावलंबी प्रत्येक मांगलिक कार्यों का शुभारंभ भगवान विष्णु को साक्षी मानकर करते हैं. आज के दिन तुलसी विवाह से शादी का मौसम भी शुरू होता है. तुलसी विवाह एक रस्म है जिसमें आज के दिन तुलसी जी का विवाह विष्णु भगवान के साथ किया जाता है. आज के प्रसंग में देखें तो चातुर्मास के बाद देव उठनी ग्यारस से पूरे बाज़ार में हल चल शुरू हो जाती है. शादी का मुहूर्त निकलने के कारण लोग खरीदी में लग जाते हैं और इस तरह व्यापार-व्यवसाय में बड़ा उछाल आता है. भारत की यह सामाजिक संरचना ही यहाँ की आर्थिक संरचना को इतना सुदृढ़ बनाती है. तीज-त्यौहार सिर्फ खुशियों का बहाना नहीं बल्कि व्यापार-व्यवसाय को बढ़ावा देने का भी बहाना हैं. इन्ही प्रथाओं के चलते भारत में कभी भी रिसेशन नहीं आ सकता. मैं देव उठनी ग्यारस और सभी त्यौहारों को बहुत शुभ मानता हूँ. देव उठनी ग्यारस का धार्मिक महत्व और हमारी संस्कृति का व्यवहारिक दृष्टिकोण देखकर भारतीय संस्कृति के प्रति मेरी श्रद्धा और भी बढ़ गई.आज के दिन कई जगहों पर सामूहिक विवाह का आयोजन भी रहता है. यह भी हमारी संस्कृति का एक अमूल्य पहलू है. जो असमर्थ लोग शादी में ज्यादा व्यय नहीं कर सकते उनके लिए समाज द्वारा की गई यह कुशल व्यवस्था अत्यंत सराहनीय है.आज देव उठनी ग्यारस के दिन मैं सिर्फ इतना कहना चाहूँगा कि जिनकी आकृति अतिशय शांत है, जो शेषनाग की शय्या पर शयन किए हुए हैं, जिनकी नाभि में कमल है, जो सब देवताओं द्वारा पूज्य हैं, जो संपूर्ण विश्व के आधार हैं, जो आकाश के सदृश सर्वत्र व्याप्त हैं, नीले मेघ के समान जिनका वर्ण है, जिनके सभी अंग अत्यंत सुंदर हैं, जो योगियों द्वारा ध्यान करके प्राप्त किये जाते हैं, जो सब लोकों के स्वामी हैं, जो जन्म-मरणरूप भय को दूर करने वाले हैं, ऐसे लक्ष्मीपति, कमलनयन, भगवान विष्णु को मैं प्रणाम करता हूँ !





तुलसी विवाह

भगवान विष्णु के स्वरुप शालिग्राम और माता तुलसी के मिलन का पर्व तुलसी विवाह हिन्दू पंचांग के अनुसार कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है. देवप्रबोधिनी एकादशी के दिन मनाए जानेवाले इस मांगलिक प्रसंग के सुअवसर पर सनातन धर्मावलम्बी घर की साफ़-सफाई करते हैं और रंगोली सजाते हैं. शाम के समय तुलसी चौरा के पास गन्ने का भव्य मंडप बनाकर उसमें साक्षात् नारायण स्वरुप शालिग्राम की मूर्ति रखते हैं और फिर विधि-विधानपूर्वक उनके विवाह को संपन्न कराते हैं. पौराणिक कथानुसार एक बार सृष्टि के कल्याण के उद्देश्य से भगवान विष्णु ने राजा जालंधर की पत्नी वृंदा के सतीत्व को भंग कर दिया. इस पर सती वृंदा ने उन्हें श्राप दे दिया और भगवान विष्णु पत्थर बन गए, जिस कारणवश प्रभु को शालिग्राम भी कहा जाता है और भक्तगण इस रूप में भी उनकी पूजा करते हैं. इसी श्राप से मुक्ति पाने के लिए भगवान विष्णु को अपने शालिग्राम स्वरुप में तुलसी से विवाह करना पड़ा था और उसी समय से तुलसी विवाह का यह अनूठा रस्म प्रत्येक साल मनाया जाता है. तुलसी विवाह के सुअवसर पर व्रत रखने का बड़ा ही महत्व है. आस्थावान भक्तों के अनुसार इस दिन श्रद्धा-भक्ति और विधिपूर्वक व्रत करने से व्रती के इस जन्म के साथ-साथ पूर्वजन्म के भी सारे पाप मिट जाते हैं और उसे पुण्य की प्राप्ति होती है.

तुलसी विवाह विधि

हिन्दू पुराणों में तुलसी जी को विष्णु प्रिया कहा गया है। कार्तिक शुक्ल एकादशी को तुलसी जी और भगवान विष्णु का विवाह कराने की प्रथा है। इस विवाह में तुलसी के पौधे और विष्णु जी की मूर्ति या शालिग्राम पाषाण का पूर्ण वैदिक रूप से विवाह कराया जाता है। इस वर्ष तुलसी विवाह का शुभ दिन 13 नवंबर 2013 है। तुलसी विवाह के दिन व्रत करें और तुलसी जी के साथ विष्णु जी की मूर्ति घर में स्थापित करें। इसके बाद सुयोग्य पंडित या ब्राह्मण की सहायता से विधिवत रूप से तुलसी विवाह संपन्न कराएं। द्वादशी के दिन पुनः तुलसी जी और विष्णु जी की पूजा करें और व्रत का पारण करें। भोजन के पश्चात तुलसी के स्वतः गिरे हुए पत्तों को खाना शुभ होता है।

भगवान विष्णु-लक्ष्मी के निकट जलाएं दीपक

शास्त्रों में कार्तिक मास को श्रेष्ठ मास माना गया है। मासों में कार्तिक मास, देवताओं में भगवान विष्णु और तीर्थों में नारायण तीर्थ बद्रिकाश्रम श्रेष्ठ है। ये तीनों कलियुग में अत्यंत दुर्लभ हैं। अर्थात कार्तिक मास के समान कोई भी मास नहीं है। पुराण में वर्णित है कि यह मास धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष को देने वाला है। विशेष रूप से स्नान दान एवं तुलसी की पूजा इस मास में विशेष फलदायी है। कार्तिक मास में दीपदान करने से पाप नष्ट होते हैं। स्कंद पुराण में वर्णित है कि इस मास में जो व्यक्ति देवालय, नदी के किनारे, तुलसी के समक्ष एवं शयन कक्ष में दीपक जलाता है उसे सर्व सुख प्राप्त होते हैं। इस मास में भगवान विष्णु एवं लक्ष्मी के निकट दीपक जलाने से अमिट फल प्राप्त होते हैं। इस मास में की गई भगवान विष्णु एवं मां लक्ष्मी की उपासना असीमित फलदायी होती है। आषाढ़ शुक्ल एकादशी की तिथि को देव शयन करते हैं और इस कार्तिक शुक्ल एकादशी के दिन उठते हैं। इसीलिए इसे देवोत्थान (देवउठनी) एकादशी कहा जाता है। कहा जाता है कि इस दिन भगवान विष्णु, जो क्षीरसागर में सोए हुए थे, चार माह उपरान्त जागे थे। विष्णुजी के शयन काल के चार मासों में विवाहादि मांगलिक कार्यों का आयोजन करना निषेध है। हरि के जागने के बाद ही इस एकादशी से सभी शुभ तथा मांगलिक कार्य शुरू किए जाते हैं। इस दिन गंगा-स्नान, दीपदान, अन्य दानों आदि का विशेष महत्व है। ब्रह्मा, विष्णु, शिव, अंगिरा और आदित्य ने इसे महापुनीत पर्व कहा है। इसलिए इसमें गंगा स्नान, दीपदान, होम, यज्ञ तथा उपासना आदि का विशेष महत्व है। कहा गया है कि यदि स्नान में कुशा और दान करते समय हाथ में जल व जप करते समय संख्या का संकल्प नहीं किया जाए तो कर्म फल की प्राप्ति नहीं होती है। शास्त्र के नियमों का पालन करते हुए इस दिन स्नान करते समय पहले हाथ-पैर धो लें फिर आचमन करके हाथ में कुशा लेकर स्नान करें, इसी प्रकार दान देते समय हाथ में जल लेकर दान करें। आप यज्ञ और जप कर रहे हैं तो पहले संख्या का संकल्प कर लें फिर जप और यज्ञादि कर्म करें।